RNI NO. HARHIN/2018/75109
वर्ष 4 अंक 95
फरीदाबाद, मंगलवार, 11 मई, 2021
पृष्ठ 12, मूल्य 3 रुपये
नगर संस्करण

फरीदाबाद, नई दिल्ली, लखनऊ और रायपुर से प्रकाशित

पायनियर

ई-पेपर www.pioneerhindi.com पर पढ़िए YouTube सब्सक्राइब करें Pioneer Haryana

प्रकृति से है प्यार तो बागवानी में बनाएं कॅरियर

पेज - 12

ओली को बड़ा झटका: संसद में नहीं जीत सके विश्वास मत

एजेंसी। काठमांडू

नेपाल में राजनीतिक संकट के बीच बड़ी खबर आ रही है कि प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली संसद में विश्वास मत से हार गए हैं। बता दें कि पुष्पकमल दहल 'प्रचंड' नीत नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी केंद्र) द्वारा समर्थन वापस लेने के बाद ओली सरकार अल्पमत में आ गई थी। इसलिए पीएम ओली को निचले सदन में सोमवार को बहुमत साबित करना था। वहीं सत्तारूढ़ नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (यूएमएल) ने अपने सभी सांसदों को व्हिप जारी कर प्रधानमंत्री के पक्ष में मतदान का अनुरोध किया था, लेकिन ओली को सफलता नहीं मिल सकी।

निचले सदन में 121 सदस्य सत्तारूढ़ नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (यूएमएल) के साथ थे। हालांकि, ओली को उम्मीद थी कि विश्वास मत के दौरान अन्य दलों के सांसदों के समर्थन से वह बहुमत साबित कर देंगे, लेकिन हार का सामना करना पड़ा। वहीं विश्वास मत से पहले नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (यूएमएल) के माधव नेपाल नीत प्रतिद्वंद्वी धड़े ने मतदान से पहले उनके समर्थन वाले सभी 22 सांसदों के इस्तीफे की चेतावनी दी थी।

विरोध में 124 वोट

सोमवार को मतदान के दौरान कुल 232 सांसदों ने हिस्सा लिया। इनमें से 124 ने ओली के विरोध में जबकि 93 ने उनके पक्ष में मतदान किया। 15 सांसद न्यूट्रल रहे। ओली को सरकार बचाने के लिए कुल 136 वोटों की जरूरत थी। नेपाल की संसद में कुल 271 सदस्य हैं। माधव नेपाल और झालानाथ खनाल ग्रुप वोटिंग में शामिल नहीं हुआ। संसद की अगली बैठक अब गुरुवार को होगी। तब आगे की रणनीति पर विचार होगा।

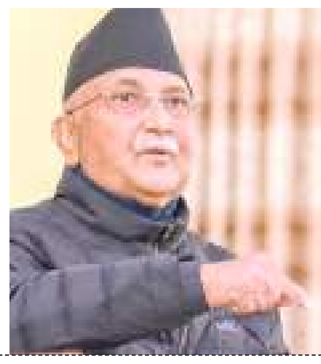

फरवरी 2018 में दूसरी बार बने थे प्रधानमंत्री

नेपाल की सियासत

ओली फरवरी 2018 में दूसरी बार प्रधानमंत्री बने थे। तब से पहली बार वे 271 सीट वाले संसद में फ्लोर टेस्ट का सामना कर रहे थे। ओली को समर्थन दे रही अहम मधेशी पार्टी ने वोटिंग से दूर रहने का फैसला किया था। तभी यह तय लग रहा था कि सरकार गिर जाएगी। हालांकि, दो साल में ऐसे कई मौके आए, लेकिन वे हर बार सरकार और कुर्सी बचा ले गए। ओली की अपनी पार्टी और जनता समाजवादी पार्टी के नेताओं के साथ मोलभाव की तमाम बैठकों के बाद रविवार शाम उन्होंने कहा था, मुझे विश्वास है कि इस पार्टी के वफादार नेता और कार्यकर्ता पार्टी और कम्युनिस्ट आंदोलन को नुकसान पहुंचाने का काम नहीं करेंगे।

शादी और अंतिम संस्कार में नहीं जुटेंगे 11 से अधिक लोग

हरियाणा सरकार ने महामारी अलर्ट के लिए जारी की गाइडलाइन

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

हरियाणा सरकार द्वारा सोमवार से शुरू किए गए महामारी अलर्ट के दौरान 17 मई तक अब किसी भी सार्वजनिक या पारिवारिक कार्यक्रम में 11 से अधिक लोग शामिल नहीं हो सकते हैं। प्रदेश सरकार द्वारा साप्ताहिक अलर्ट जारी किए जाने के बाद सोमवार को प्रदेश के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग ने प्रदेश के सभी जिला उपायुक्तों को नई गाइडलाइन जारी कर दी है। इसके तहत 11 से अधिक व्यक्तियों के एक स्थान पर एकत्रित होने पर पाबंदी रहेगी तथा शादी और अंतिम संस्कार में भी केवल 11 लोगों के ही जाने की अनुमति होगी। इसके साथ ही, कोई जुलूस, कोई बारात नहीं निकाल सकेंगे। शादी घर या अदालत में ही हो सकती है।

आमजन की सुविधा को देखते हुए लॉकडाउन के दौरान आवश्यक वस्तुओं की दुकानों के खोलने का समय निर्धारित किया गया है। दुकानदार निर्धारित समय अनुसार ही अपनी दुकानों को बंद करेंगे और खोलेंगे। इस दौरान सोशल डिस्टेंसिंग, मास्क आदि बचाव उपायों की कड़ाई से पालना करेंगे। नियमों की उल्लंघना करने वालों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। आदेशों के अनुसार दूध और दुग्ध उत्पाद व फल सब्जियों की दुकानें सुबह के समय प्रात: पांच से 10 बजे तक तथा शाम पांच बजे से आठ बजे तक खुली रहेंगी। उक्त समयावधि के दौरान वेंडर भी घर-घर जाकर दूध और दुग्ध उत्पाद तथा फल सब्जियों की बिक्री कर सकेंगे। किरयाना दुकानों के लिए प्रात: 10 बजे से दोपहर दो बजे तक खोलने का समय निर्धारित किया गया है। होम डिलिवरी को प्राथमिकता दी जाएगी। इसी प्रकार कनफैक्शनरी/बैकरी की दुकानें प्रात: छह बजे से प्रात: नौ बजे तक तथा शाम पांच बजे से सात बजे तक खोली जा सके। उन्होंने बताया कि मेडिकल हाल, केमिस्ट, फार्मेसिज तथा कृषि उत्पादों के खरीद केंद्र (केवल उठान के लिए) 24 घंटे खुले रहेंगे। खाद, बीज और कीटनाशक, पशु चारा की दुकानें प्रात: 10 बजे से शाम तीन बजे तक खुली रहेंगी। नेशनल हाईवे पर स्थित पेट्रोल पंपों को छोडकर जिलों के अंदरूनी हिस्सो में चलने वाले पेट्रोल पंप सुबह 06 बजे से रात्रि 09 बजे तक खुले रहेंगे। इसके अलावा नेशनल हाईवे पर स्थित पेट्रोल पंप चौबीसो घंटे खुले रहेंगे।

24 घंटे खुले रहेंगे राष्ट्रीय राजमार्गों के पेट्रोल पंप

दुकानों को खोलने के लिए बनाए अलग-अलग समय के रोस्टर

हर समय खुली रहेंगी केमिस्ट, मेडिकल हाल और कृषि उत्पाद की दुकानें

वन विभाग को पेड़ काटने की इजाजत

प्रदेश में आपात स्थिति को देखते हुए सरकार ने महामारी अलर्ट-सुरक्षित हरियाणा के तहत जिला प्रशासन, नगर पालिका, नगर निकायों को ईंधन की लकड़ी की जरूरत अनुसार वन विभाग व हरियाणा वन विकास निगम को सूखे पेड़ों की कटाई की अनुमति प्रदान की है।

जहां दुकानें अधिक वहां ऑड-ईवन

हरियाणा सरकार ने स्पष्ट किया है कि किसी क्षेत्र में एक तरह के सामान के एक से अधिक दुकानें है तो वहां संबंधित नगर निगम या नगर पालिका कमेटी उन दुकानों के पर नंबर डालकर ऑड-ईवन के अनुसार दुकानों को खोलने की अनुमति देंगी। सभी दुकानदार विशेष रूप से यह बात का ध्यान रखें कि अपनी दुकान पर भीड़ को इकट्ठा न होने दें। अगर किसी जगह पर ऐसा पाया गया तो संबंधित दुकानदार के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

बाजार

सेंसेक्स	49,502	296
निफ्टी	14,942	119
सोना	47,452	179 /10 gm
चांदी	71,541	826/ kg

मौसम फरीदाबाद

अधिकतम 39.08°C
न्यूनतम 26.02°C

क्विक न्यूज

हिमंत बने असम के 15वें मुख्यमंत्री, ली शपथ

गुवाहाटी। भाजपा नेता और पूर्वोत्तर प्रजातांत्रिक गठबंधन के संयोजक हिमंत बिस्वा सरमा ने असम के 15वें मुख्यमंत्री के रूप में सोमवार को शपथ ली। राज्यपाल जगदीश मुखी ने उन्हें श्रीमंत शंकरदेव कलाक्षेत्र में पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। सरमा ने पारंपरिक पट रेशम की धोती और कुर्ता धारण किया हुआ था तथा अपने गले में मुगा गमोसा डाला हुआ था। उन्होंने असमी भाषा में पद एवं गोपनीयता की शपथ ली। कोविड-19 के सख्त प्रोटोकॉल के बीच उनके साथ 14 और विधायकों ने शपथ ली।

सरकार ने सीवीसी प्रमुख के लिए किया आवेदन आमंत्रित

नई दिल्ली। सरकार ने भ्रष्टाचार रोधी निकाय सीवीसी प्रमुख के लिए आवेदन आमंत्रित किया है, जिसमें आवेदक को 300 शब्दों में यह भी बताना होगा कि वह इस पद के लिए क्यों योग्य है। मौजूदा केंद्रीय सतर्कता आयुक्त (सीवीसी) संजय कोठारी अगले महीने अपना कार्यकाल पूरा करेंगे। उन्होंने पिछले साल अप्रैल में इस पद की जिम्मेदारी संभाली थी। कार्मिक मंत्रालय द्वारा जारी आदेश में कहा गया, केंद्रीय सतर्कता आयोग में केंद्रीय सतर्कता आयुक्त नियुक्त करने का प्रस्ताव किया जाता है, जो जून 2021 में मौजूदा केंद्रीय सतर्कता आयुक्त के कार्यकाल पूरा होने की वजह से रिक्त हो रही है।

तृणमूल के 43 विधायकों ने ली मंत्री पद की शपथ

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी नीत नई सरकार के मंत्रिमंडल के 43 सदस्यों को सोमवार को राजभवन में एक संक्षिप्त समारोह में मंत्री पद की शपथ दिलाई गई। कोविड-19 महामारी के प्रकोप के बीच राज्यपाल जगदीप धनखड़ ने मंत्रियों को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। तृणमूल कांग्रेस के अमित मित्रा, ब्रत्य बासु और रतिन घोष को डिजिटल तरीके से शपथ दिलाई गई। सोमवार को जिन्हें शपथ दिलाई गई, उनमें 24 कैबिनेट मंत्री एवं 10 राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) हैं।

● विस्तृत खबर पेज-09

पांच माह बाद पीडीपी नेता नईम अख्तर हिरासत से रिहा

श्रीनगर। ईद-उल-फितर से तीन दिन पहले जम्मू-कश्मीर प्रशासन ने पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) के नेता नईम अख्तर को पांच महीने बाद एहतियाती हिरासत से रिहा कर दिया। पीडीपी के एक प्रवक्ता ने बताया कि पांच महीने तक अवैध हिरासत में रखने के बाद सोमवार को अख्तर को रिहा कर दिया गया। नईम की रिहाई का स्वागत करते हुए पीडीपी महासचिव गुलाम नबी लोन हंजूरा ने अन्य राजनीतिक कैदियों की रिहाई की भी मांग की।

फिर टला कांग्रेस अध्यक्ष का चुनाव, कोरोना के चलते लिया फैसला

मोदी सरकार की गलतियों का खामियाजा भुगत रही जनता

सीडब्ल्यूसी बैठक

एजेंसी। नई दिल्ली

एक बार फिर कांग्रेस अध्यक्ष का चुनाव टल गया है। कोरोना की दलील देकर कांग्रेस वर्किंग कमेटी (सीडब्लयूसी) ने चुनाव को टालने का फैसला किया है। सूत्रों के मुताबिक, पहले से तय डेडलाइन के मुताबिक मीटिंग में 23 जून को चुनाव कराने के लिए प्रस्ताव रखा गया, लेकिन राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कोरोना की भयावह स्थिति का हवाला देकर कहा कि ऐसे हालात में फिलहाल चुनाव कराना ठीक नहीं होगा। गुलाम नबी आजाद, आनंद शर्मा जैसे नेताओं ने भी गहलोत का समर्थन किया।

दिल्ली में सोमवार को कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में देश में कोरोना के व्यापक प्रसार को लेकर चर्चा की गई। इसके अलावा हाल ही में हुए चार राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेशों के चुनाव नतीजों में कांग्रेस के प्रदर्शन पर भी विचार किया गया और आगे की रणनीति तय की गई। सोनिया ने बैठक में कहा कि पिछले चार हफ्तों में कोरोना वायरस की स्थिति काफी भयावह हुई है। वहीं शासन की विफलताएं और भी कठिन हो गई हैं। जनता मोदी सरकार की लापरवाहियों का खामियाजा भुगत रही है। मोदी सरकार ने वैज्ञानिक सलाह को नजरअंदाज किया है। सरकार ने अपने फायदे के लिए लगातार सुपर स्प्रेडर इवेंट्स को मंजूरी दी। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय हमारी सहायता के लिए आगे आए। सोनिया गांधी ने आगे कहा कि कांग्रेस की ओर से मैं सभी देशों और संस्थानों को धन्यवाद देना चाहती हूं। इसके अलावा सोनिया ने कहा कि जब हम सब कोविड-19 से व्यस्त हैं तो ऐसे में यह बैठक चुनाव नतीजों पर चर्चा के लिए बुलाई गई है।

बैठक के बाद पारित प्रस्ताव में सीडब्ल्यूसी ने कोविड -19 महामारी की दूसरी लहर को मोदी सरकार की उदासीनता, असंवेदनशीलता और अक्षमता का प्रत्यक्ष परिणाम बताया। सीडब्ल्यूसी ने प्रस्ताव में कहा, 'यह वैज्ञानिक सलाह की केंद्र सरकार की इच्छाशक्ति की अवहेलना, महामारी पर जीत की इसकी समयपूर्व घोषणा (जो कि सिर्फ पहली लहर थी) और चेतावनी के बावजूद पहले योजना बनाने में असमर्थता का प्रत्यक्ष परिणाम है। चेतावनी सिर्फ हेल्थ एक्सपर्ट्स ने ही नहीं, बल्कि संसद की स्थायी कमेटी ने दी थी।' प्रस्ताव में कहा गया है कि पीएम को अपनी गलतियों के लिए प्रायश्चित करना चाहिए।

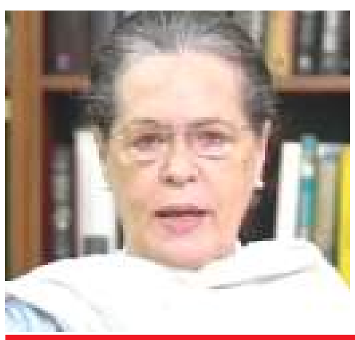

सेंट्रल विस्टा प्रोजेक्ट को लेकर भी कांग्रेस का हमला

सीडब्ल्यूसी ने दिल्ली के सेंट्रल विस्टा प्रोजेक्ट को लेकर भी केंद्र सरकार पर हमला बोला। सीडब्ल्यूसी ने इसे प्रधानमंत्री की व्यक्तिगत घमंड परियोजना बताते हुए कहा, आपराधिक रूप से पैसे की बर्बादी की जा रही है। सीडब्ल्यूसी ने कहा, यह देश के लोगों का अपमान है और असंवेदनशीलता की पराकाष्ठा है। इससे पहले, सीडब्ल्यूसी को संबोधित करते हुए, सोनिया गांधी ने आरोप लगाया कि केंद्र ने अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन नहीं किया और राज्यों पर कोरोना टीकाकरण छोड़ दिया। उन्होंने कहा, 'मोदी सरकार ने अपनी जिम्मेदारी छोड़ दी है और राज्यों पर टीकाकरण छोड़ दिया है। केंद्र के लिए सभी को मुफ्त वैक्सीन प्रदान करने के लिए आर्थिक रूप से अधिक न्यायसंगत होगा।'

'कोरोना से होने वाली मौतों का आंकड़ा गलत'

कोरोना पर पारित प्रस्ताव में देश में वैक्सीन सप्लाई को लेकर भी केंद्र सरकार पर हमला बोला गया। प्रस्ताव में कहा गया है कि मोदी सरकार कठिन तथ्यों से इनकार करती रही। यह भी कहा गया कि पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने पिछले महीने पीएम मोदी को एक पत्र में टीके की सप्लाई और ज्यादा लोगों को टीका लगाने के तरीके सुझाए थे, लेकिन केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री हर्षवर्धन द्वारा अशोभनीय तरीके से जवाब दिया गया था। प्रस्ताव में कहा गया, 'सीडब्ल्यूसी इस बात पर चिंता व्यक्त करती है कि कोरोना से होने वाली मौतों का डेटा गलत है और कई मौतों को शामिल नहीं किया गया। यह समय चुनौती का सामना करने का है, ना कि मरने वालों की संख्या को कम करने और संक्रमण के आंकड़ों को गलत दिखाने का है।' प्रस्ताव में आगे कहा गया है कि कांग्रेस वर्किंग कमेटी का मानना है कि यह राष्ट्रीय एकता, उद्देश्य और संकल्प की एक अटूट भावना दिखाने का समय है।

चुनाव नतीजों पर निराशा जताना काफी नहीं

सोनिया ने आगे कहा कि हम अगर कहें कि चुनाव नतीजों से काफी निराश हैं तो ये भी काफी नहीं होगा। चुनाव नतीजों पर मंथन करने के लिए मैं एक छोटा समूह बनाने पर जोर दे रही हूं और उम्मीद है कि जल्द ही एक रिपोर्ट के साथ हम दोबारा बैठक करेंगे। उन्होंने कहा, हमें स्पष्ट तौर पर यह समझने की जरूरत है कि केरल और असम में हम क्यों हारे और पश्चिम बंगाल में एक भी सीट अपने नाम नहीं कर पाए। अगर हम वास्तविकता नहीं देखेंगे तो आगे के लिए सबक कैसे लेंगे।

किसान आंदोलन से जुड़े गांवों में पहले होगी स्क्रीनिंग

चंडीगढ़। हरियाणा के गांवों में फैल रहे कोरोना को काबू करने के लिए स्क्रीनिंग शुरू कर दी है। पहल के आधार पर दिल्ली एनसीआर तथा उन गांवों में स्क्रीनिंग की जाएगी, जहां के लोग किसान आंदोलन से जुड़े हुए हैं और दिल्ली आवागमन रहे है।

स्वास्थ्य विभाग ने करीब आठ हजार मल्टी-डिसप्लनेरी टीमों को फील्ड में उतारने की मंजूरी प्रदान कर दी है। जिलों के डीसी और सीएमओ को हिदायतें दी गई हैं। जिला प्रशासन सबसे पहले उन गांवों के लोगों के स्वास्थ्य की जांच करवाएगा, जहां मरने वालों की संख्या अधिक सामने आ रही है। रोहतक, जींद, हिसार, सोनीपत, झज्जर और भिवानी आदि जिलों के कई गांवों में बुखार, खांसी और जुकाम के लक्षण वाले मरीजों की संख्या काफी अधिक बताई जा रही है।

'संक्रमण रोकने को गांवों में बनेंगे आइसोलेशन सेंटर'

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने कहा है कि गांवों में कोरोना संक्रमण को रोकने के लिए गांव स्तर पर ही कोविड केयर सेंटर बनाए जाएंगे। इसके लिए सरकार द्वारा प्रत्येक पंचायत को तीस से 50 हजार रुपये का अनुदान जारी किया जाएगा। इस फंड के माध्यम से गांवों में आइसोलेशन वार्ड स्थापित किए जाएंगे तथा उनमें ऑक्सीमीटर, स्टीम मशीन, थर्मामीटर, ब्लड प्रेशर चेकिंग मशीन और कोरोना से संबंधित आवश्यक वस्तुओं की व्यवस्था की जाएगी, ताकि कोरोना महामारी की दूसरी लहर से गांव स्तर पर ही मजबूती के साथ लड़ा जा सके।

दुष्यंत चौटाला सोमवार को जजपा राष्ट्रीय-प्रदेश कार्यकारिणी, सभी प्रकोष्ठों के प्रदेशाध्यक्षों, पार्टी विधायकों और जिला अध्यक्षों के साथ हुई वर्चुअल मीटिंग को संबोधित कर रहे थे। इससे पूर्व उपमुख्यमंत्री आवास पर उन्होंने इस संबंध में पंचायत विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक भी की और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। डिप्टी सीएम ने कहा कि गांवों में कोरोना संक्रमण को काबू करने के लिए गांवों में ही कोरोना उपचार की व्यवस्था स्थापित करना बेहद जरूरी है इसलिए राज्य सरकार पंचायतों को तुरंत फंड मुहैया करवाएगी।

चीन माउंट एवरेस्ट के शिखर पर भी खींचेगा सीमा की लकीर

बीजिंग। चीन दुनिया की सबसे ऊंची पर्वत चोटी माउंट एवरेस्ट पर सीमा रेखा खींचेगा, ताकि नेपाल से आने वाले पर्वतरोहियों को अपने इलाके में आने से रोका जा सके। चीन के सरकारी मीडिया ने इस कदम के लिए कोरोना महामारी को वजह बताया है। इस कार्य के तिब्बती पर्वतारोहियों का समूह बनाया जाएगा। सरकारी संवाद एजेंसी शिन्हुआ ने बताया कि चीन की ओर से पर्वतरोहियों के चोटी पर पहुंचने से पहले रेखा बनाई जाएगी।

पंजाब के कुछ मंत्री चाहते हैं सिद्धू के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई

चंडीगढ़। पंजाब सरकार के कुछ कैबिनेट मंत्रियों ने क्रिकेट से राजनीति में आए विधायक नवजोत सिंह सिद्धू द्वारा मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह पर किए जा रहे हमले पर कड़ी आपत्ति जताई है और कांग्रेस नेतृत्व से उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की मांग की है। सिद्धू ने वर्ष 2015 कोटकपुरा गोलीबारी कांड की जांच रिपोर्ट पिछले महीने पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट द्वारा खारिज करने के बाद मुख्यमंत्री के खिलाफ हमलावर रुख अख्तियार कर लिया है।

प्रदेशवासियों को सुरक्षित रखने के लिए बदला लॉकडाउन का नाम

चंडीगढ़। हरियाणा के स्वास्थ्य मंत्री अनिल विज ने कहा है कि हरियाणा वासियों को सुरक्षित रखने और प्रत्येक नागरिक में सुरक्षा की भावना को पैदा करने के उद्देश्य से ही सरकार ने इस बार लॉकडाउन का नाम बदलकर 'महामारी अलर्ट सुरक्षित हरियाणा' रखा है। ये शब्द ही नहीं बल्कि इसमें छिपा सुरक्षा और सावधानी का संदेश इशारा करता है कि हमें कोरोना से सावधान और सजग रहने की जरूरत है। खुद का बचाव करते हुए अन्य को भी सावधान रहने के लिए प्रेरित करना है।

हरियाणा सरकार द्वारा सोमवार से शुरू किए गए लॉकडाउन के नाम को लेकर चल रहे विवाद पर विराम लगाते हुए स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि प्रदेश में गत सप्ताह चला लॉकडाउन इस बात की ओर इशारा करता है कि कोरोना की चेन टूटने लगी है और ऐसा लोगों का विश्वास है कि इस सप्ताह के अंदर और बेहतर तरीके से कोरोना की चेन तोडने में हम सफल होंगे।

भारत में वाहन पंजीकरण पिछले आठ वर्षों में सबसे कम

नई दिल्ली। कोरोना की दूसरी लहर का असर ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री पर भी पड़ने लगा है। फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशंस (फाडा) ने वित्त वर्ष 2020-21 के आंकड़े जारी किए। फाडा के मुताबिक आठ वर्षों के दौरान पिछले वित्त वर्ष में भारत में कुल वाहन पंजीकरण में सबसे ज्यादा 29.85 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। वित्त वर्ष 2019-20 में 2,17,68,502 यूनिट्स की तुलना में वित्त वर्ष 2020-21 में पंजीकरण का आंकड़ा 1,52,71,519 यूनिट्स तक गिर गया।

बिहार के बक्सर में गंगा में बहती मिली 40 लाशें

एजेंसी। बक्सर

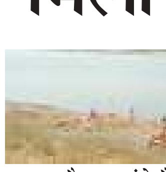

यूपी के बाद अब बिहार के बक्सर में गंगा नदी में लाशें दिखाई देने से हड़कंप मचा है। यूपी बॉर्डर से सटे इस जिले में सोमवार को 40 लाशें गंगा नदी के किनारे बहती दिखी। कोरोना से मौत के बाद इन्हें गंगा में बहाने की आशंका से लोग सहमे हुए हैं। इससे पहले हमीरपुर और कानपुर में यमुना में कई लाशें दिखाई दी थीं।

बक्सर केंद्रीय स्वास्थ्य राज्य मंत्री अश्विनी कुमार चौबे का संसदीय क्षेत्र है। हालांकि, प्रशासन का कहना है कि ये शव उत्तर प्रदेश के इलाहाबाद और वाराणसी से बहकर यहां पहुंचे हैं। बक्सर के चरित्रवन गांव के लोगों का कहना है कि आसपास के गांवों में पिछले एक-डेढ़ महीने से मौतें अचानक बढ़ गई हैं। मरने वाले सभी खांसी-बुखार से पीड़ित थे। यहां के चौसा श्मशान घाट पर आने वाले ज्यादातर शवों को गंगा में डाल दिया जा रहा है। इनमें से सैकड़ों शव किनारे पर सड़ रहे हैं। चरित्रवन के श्मशानों में तो सोमवार को अंतिम संस्कार के लिए जगह ही नहीं बची।

रोडवेज की बसों में चलेगा मोबाइल अस्पताल और एंबुलेंस

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

हरियाणा में एंबुलेंस चालकों की मनमानी पर लगाम लगाने के लिए पुलिस विभाग की 400 गाड़ियों को एंबुलेंस बनाकर जिलों में लगाने के बाद अब सरकार ने 200 मिनी बसों को एंबुलेस और मोबाइल अस्पताल बनाने का फैसला किया है। सामान्य दिनों में कॉलेज के विद्यार्थियों के लिए लगाई गई मिनी बसों में बदलाव करके उन्हें मोबाइल अस्पताल और एंबुलेंस का रूप दिया जाएगा। इसके लिए परिवहन विभाग ने सभी जिला महाप्रबंधकों को निर्देश जारी कर दिए हैं।

हरियाणा में 200 मिनी बसों को बदलने का काम शुरू

एक बस में लगेंगे चार बेड और ऑक्सीजन की सुविधा रहेगी

परिवहन मंत्री मूलचंद शर्मा तथा विभाग के प्रधान सचिव शत्रुजीत कपूर नियमित रूप से इसकी समीक्षा भी कर रहे हैं। 100 मिनी बसों को एंबुलेंस में बदलने का काम शुरू कर दिया गया है। परिवहन बेड़े में मिनी बसों की संख्या 200 के करीब है। विभाग ने तय किया है विभिन्न शिक्षण संस्थानों में छात्राओं के लिए लगाई गई विशेष मिनी बसों को एंबुलेंस में तबदील किया जा रहा है। अधिकांश शिक्षण संस्थान बंद हैं। ऐसे में इन बसों का इस्तेमाल भी नहीं हो रहा। बसों में ऑक्सीजन सहित तमाम सुविधाएं होंगी। इसी तरह से रोडवेज की बड़ी बसों में बेड्स तैयार किए जा रहे हैं। एक बस में चार बेड लगेंगे। यानी चार मरीजों का एक साथ उपचार हो सकेगा। लगभग 100 बसों में बेड लगेंगे। इससे सरकार को एक साथ 400 ऑक्सीजन बेड्स मिलेंगे। जिलावार चार से पांच बसों में बेड तैयार करवाए जा रहे हैं। इन बसों को तैयार करके संबंधित जिला प्रशासन के हवाले कर दिया जाएगा, ताकि वे अपनी जरूरत के हिसाब से इनका इस्तेमाल कर सकें। बसों में ऑक्सीजन आदि का प्रबंध करवाने का जिम्मा संबंधित जिला के सीएमओ (सिविल सर्जन) का रहेगा। इन बसों का सबसे अधिक लाभ ग्रामीण क्षेत्रों के मरीजों को मिलेगा।

परिवहन विभाग की मिनी बसों को एंबुलेंस में तबदील किया जा रहा है। बड़ी बसों में चार-चार बेड लगवाए जा रहे हैं ताकि इनमें मरीजों का उपचार हो सके। ऑक्सीजन सहित तमाम सुविधाएं इन बसों में होंगी। पहले चरण में 100 मिनी और 100 ही बड़ी बसों पर काम हो रहा है। सभी डिपो के जीएम को इस बाबत निर्देश दिए जा चुके हैं।

-मूलचंद शर्मा, परिवहन मंत्री।

Good Morning!

फरीदाबाद पायनियर

हरियाणा, मंगलवार, 11 मई, 2021 | ग्रेटर फरीदाबाद • सराय • एनआईटी इंडस्ट्रियल एरिया • बल्लभगढ़ • तिगांव • पलवल | ई-पेपर www.pioneerhindi.com

निजी अस्पतालों को डीसी ने दिए निर्देश

फरीदाबाद। उपायुक्त यशपाल ने सभी निजी अस्पतालों को निर्देश जारी किए कि वह निर्धारित दरों से ज्यादा भुगतान मरीजों से न लें। कहा कि सभी निजी अस्पताल सरकार द्वारा जारी रेट लिस्ट अपने अस्पताल में अवश्य लगाएं और आपदा की घड़ी में मरीजों को अच्छी स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराएं। उपायुक्त यशपाल रविवार देर श्याम को सभी इंसिडेंट कमांडर स्वास्थ्य अधिकारियों एवं आईएमए के प्रतिनिधियों से मीटिंग कर रहे थे। उपायुक्त ने कहा कि आज आपदा का समय है। चिकित्सा एक महान कार्य है और आज आपदा के समय में हमें सभी लोगों को मिलकर कोविड-19 से संक्रमित व्यक्तियों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं देनी है। उन्होंने सभी इंसिडेंट कमांडरों और स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों सेहत तालमेल के साथ काम करने का आह्वान करते हुए कहा कि सभी मिलकर कोविड-19 पॉजिटिव लोगों की मदद में जुट जाएं। उन्होंने कहा कि जो भी व्यक्ति कोविड-19 पॉजिटिव आता है उसकी कांटेक्ट ट्रेसिंग कर उसे होम आइसोलेशन से लेकर अस्पताल तक सभी जरूरी सुविधाएं मुहैया करवाने हैं।

शहर का तापमान

- अधिकतम 39.00 डिग्री सेल्सियस
- न्यूनतम 26.00 डिग्री सेल्सियस

शहर में आज

- छायंसा स्थित श्री अटल बिहारी वाजपेयी मेडिकल कॉलेज में 100 बिस्तरों के साथ सुबह 9 बजे शुरू।
- सभी जरूरी दुकानें सुबह 8 से दोपहर एक बजे तक और शाम को 6 से 8 रहेंगी खुली।
- बीके अस्पताल में कोरोना जांच सुबह 8 बजे से शुरू।
- बीके अस्पताल की ओपीडी सुबह 8 से 11 बजे तक।
- जिले में 49 केन्द्रों पर लगाई जाएगी वैक्सीन सुबह सुबह 10 से शाम 4 बजे तक।

निवेश गुरु

कई निवेशक बाजार में उतार के दौरान SIP बंद कर देते हैं या खत्म कर देते हैं। ऐसे में उन्हें इसका पूरा लाभ नहीं मिल पाता क्योंकि अगर मार्केट कमजोर होता है तो म्यूचुअल फंड्स के यूनिट भी सस्ते होते हैं। ऐसे में आप कम निवेश में ज्यादा यूनिट हासिल कर लेते हैं।

यूटीलिटी न्यूज

नर सेवा नारायण सेवा : डॉ एमपी सिंह

फरीदाबाद। अखिल भारतीय मानव कल्याण ट्रस्ट के पदाधिकारी अपने-अपने क्षेत्रों में कोरोना संक्रमित मरीजों को नि:शुल्क खाना और पानी दे रहे हैं। भोजन का खर्चा संस्था के पदाधिकारी स्वयं उठा रहे हैं। डॉ. एमपी सिंह ने कहा कि यह स्थिति मानव सेवा करने की है। ऐसी स्थिति में हमें अवसर नहीं ढूंढने चाहिए और दवाइयां, ऑक्सीजन पर कालाबाजारी नहीं करनी चाहिए। डॉ. एमपी सिंह ने कहा यदि आप पुण्य के भागीदार नहीं बने तो पछताना पड़ेगा। अब यदि किसी भी रोगी को प्लाज्मा की जरूरत है तो बिल्कुल संकोच मत कीजिए और प्लाज्मा देकर रोगी की जान बचा कर भरपूर पुण्य कमाई है। थैलेसीमिया के बच्चों को हर सप्ताह खून चढ़ता है, यदि इस महामारी में आपने उनके लिए खून नहीं दिया, तो भारी खामियाजा उठाना पड़ सकता है। इसलिए अपनी सुरक्षा रखते हुए थैलेसीमिया के बच्चों की सुरक्षा का भी ध्यान रखें आपदा को अवसर बनाने वाले कभी सुखी नहीं रह सकते।

क्विक न्यूज

किशोरी को पुलिस ने किया बरामद

फरीदाबाद। पुलिस आयुक्त द्वारा शहर में गुमशुदा बच्चों, महिलाओं और बुजुर्ग को लेकर सभी थाना, चौकी एवं मिसिंग सेल को जारी दिशा निर्देशों के तहत कार्रवाई करते हुए पुलिस चौकी सेक्टर 11 टीम ने 17 वर्षीय लड़की को तलाश करके उसके परिजनों के हवाले किया है। चौकी प्रभारी ने बताया कि लड़की के परिजनों की सूचना पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए तुरंत ही टीम का गठन कर लड़की की तलाश जारी कर दी गई। पुलिस टीम ने लड़की का फोटो सोशल मीडिया के पुलिस व्हाट्सएप ग्रुपों में डालकर और पुलिस कंट्रोल रूम में सूचना देकर सभी थानों में इसकी सूचना पहुंचाई। पुलिस को गुप्त सूत्रों व तकनीकी की सहायता से लड़की के आईएसबीटी बस स्टैंड दिल्ली में होने की सूचना प्राप्त हुई। पुलिस ने लड़की को बरामद कर परिजनों को सौंप दिया।

लॉकडाउन -2 : गाइडलाइंस स्पष्ट न होने से लोगों पर पड़ रही है दोहरी मार

एम्बुलेंस चालकों की मनमानी पर अकुंश नहीं, धूल फांक रही पुलिस की एम्बुलेंस

राजेश दास। फरीदाबाद

लाख दावों के बावजूद कोरोना महामारी लगातार बेकाबू होती जा रही है। जिसके कारण प्रदेश सरकार को 10 से 17 मई तक दूसरा सप्ताहिक लॉकडाउन लगाना पड़ा है। गत सप्ताह की तरह से बार भी जिला प्रशासन की तरफ से स्पष्ट गाइडलाइंस जारी नहीं की गई है। हालांकि प्रशासन ने दो चीजों को छोड़ कर अन्य गत सप्ताह की गाइडलाइंस को ही मान्यता दी है।

लेकिन गत बार प्रशासन ने गाइडलाइंस में यह बता दिया था कि कौन कौन से व्यवसायिक संस्थान खुल सकेंगे और कौन कौन से बंद रहेंगे। लेकिन प्रशासन ने इनके खुलने और बंद होने का समय स्पष्ट नहीं किया था। शहर के व्यापारी गत वर्ष हुए लॉकडाउन से अभी तक उभर नहीं पाए हैं। ऐसे में गाइडलाइंस स्पष्ट न होने से व्यापारियों पर दोहरी मार पड़ रही है। जबकि अन्य जिलों के अधिकारियों द्वारा जारी गाइडलाइंस पूरी तरह स्पष्ट और पारदर्शी है। वहीं दूसरी तरफ प्रशासन निजी एम्बुलेंस चालकों की मनमानी पर भी अकुंश लगाने में कामयाब नहीं हो पा रहा है। यह लोग मरीजों से मनमाना भाड़ा वसूल रहे हैं। वहीं दूसरी तरफ पुलिस द्वारा डोनेट की गई 10 एम्बुलेंस उद्घाटन के चार दिन बाद भी बीके अस्पताल स्थित कंट्रोलरूम में नहीं पहुंच पाई हैं।

नहीं पहुंची पुलिस की एम्बुलेंस

जिला स्वास्थ्य विभाग के पास इन दिनों सिर्फ 18 एम्बुलेंस हैं, जो कंट्रोलरूम के साथ जुड़ी हुई हैं। जिले की इतनी बड़ी आबादी और वर्तमान में बीमारी के प्रकोप को देखकर यह पूरी तरह नाकाफी है। इसी कमी का फायदा उठाते हुए कोरोनाकाल में निजी एम्बुलेंस चालकों ने जमकर लूट खसौट शुरू कर दी है। ऑक्सीजन और वेंटीलेटर युक्त एम्बुलेंस चालकों ने मनमानी वसूली शुरू कर दी। जिसके कारण मरीजों और उनके परिजनों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। जिसे ध्यान में रखते हुए पुलिस आयुक्त ओपी सिंह की मांग पर डीजीपी मनोज यादव ने जिले में 10 इनोवा गाड़ियां भेजी थीं। वर्तमान स्थिति को ध्यान में रखते हुए पुलिस आयुक्त के आदेश पर डीसीपी मुख्यालय अंशु सिंघला ने सात मई को यह दस गाड़ियां जिला प्रशासन को एम्बुलेंस के रूप में इस्तेमाल करने के लिए सौंप दी थी। लेकिन चार दिन बीत जाने के बाद भी गाड़ियां एम्बुलेंस कंट्रोल में नहीं पहुंच पाई। कंट्रोलरूम सूत्रा का कहना है कि इन एम्बुलेंसों के लिए स्टेशन तो निर्धारित कर दिये गए हैं, लेकिन सोमवार शाम पांच बजे यह बीके अस्पताल अथवा अन्य स्टेशनों पर नहीं पहुंच पाई हैं।

एम्बुलेंस चालकों की मनमानी

निजी अस्पतालों की मनमानी पर अभी तक पूरी तरह अकुंश नहीं लग पाया है। हालांकि सरकार और प्रशासन की तरफ से लगातार सख्ती बरतने के आदेश जारी किये जा रहे हैं। लेकिन अस्पतालों ने भी कई तरह के चोर रास्ते निकाल लिये हैं। निजी अस्पतालों की तरह निजी एम्बुलेंस चालक भी मनमानी करने में किसी से पीछे नहीं हैं। मात्र पांच से दस किलोमीटर के दायरे में मरीज को घर से अस्पताल या फिर एक अस्पताल से दूसरे अस्पताल पहुंचाने के बदले में एम्बुलेंस चालक पांच से छह हजार रुपये की मांग कर रहे हैं। वहीं गुरुग्राम, दिल्ली और आसपास के अन्य शहरों में मरीज को ले जाने का भाड़ा 15 से 20 हजार रुपये वसूला जा रहा है। ऐसे में परिजनों को ऑटो अथवा निजी वाहनों से मरीजों को ले जाना पड़ रहा है। जबकि गुरुग्राम जिला प्रशासन ने एम्बुलेंस चालकों की मनमानी पर अकुंश लगाने के लिए साधारण, ऑक्सीजन और वेंटीलेटर एम्बुलेंस का प्रति किलोमीटर के हिसाब से भाड़ा निर्धारित कर दिया है। गुरु ग्राम की तरह फरीदाबाद में भी एम्बुलेंस का भाड़ा निर्धारित करने की जरूरत है।

आधी आधूरी गाइडलाइंस

प्रदेश सरकार के आदेश पर जिला प्रशासन ने सोमवार 10 मई से दूसरा लॉकडाउन लागू कर दिया है। लेकिन गत बार की तरह इस सप्ताह लगाए गए लॉकडाउन की गाइडलाइंस भी जिला प्रशासन की तरफ से पूरी तरह स्पष्ट नहीं की गई है।

प्रशासन की तरफ से इस बार भी किरयाना, दूध, दवा और अन्य आवश्यक वस्तुओं की दुकानों को खोलने की छूट दी गई है। लेकिन प्रशासन की तरफ से गत बार की तरह इस बार भी स्पष्ट नहीं किया गया है कि दुकानें दिन में कुल कितने घंटों के लिए खोली जा सकती है। सुबह और शाम को कितने बजे से कितने बजे तक खोली जा सकती है। समय सारणी जारी न करने से दुकानदार काफी परेशान है। गत वर्ष हुए लॉकडाउन के घाटे से दुकानदार अभी तक उभर नहीं पाए हैं। ऐसे में समय निर्धारित न होने से दुकान खोलने पर उन्हें पुलिस और प्रशासन की तरफ परेशान किया जाता है। जिससे दुकानदारों पर दोहरी मार पड़ रही है। वहीं दूसरी तरफ यमुनानगर के उपायुक्त द्वारा स्पष्ट गाइडलाइंस जारी की गई है। यदि जिला प्रशासन भी गाइडलाइंस स्पष्ट कर दे तो कई को संशय नहीं रहेगा।

स्पष्ट गाइडलाइंस हो जारी

आरटीआई कार्यकर्ता विष्णु गोयल का कहना है कि स्पष्ट गाइडलाइंस न होने से कुछ लोग गलत फायदा उठाने लगते हैं। इसलिए प्रशासन को पूरी तरह स्पष्ट गाइडलाइंस जारी करनी चाहिए। जिससे प्रशासन और जनता के बीच किसी तरह का मतभेद न हो और इससे तनाव की स्थिति उत्पन्न होने की नौबत न आए।

एम्बुलेंस भाड़ा निर्धारित करें

समाजसेवी गुरमीत सिंह देओल का कहना है कि कोरोनाकाल में कुछ लोग आपदा को अवसर के रूप में देखते हुए आम जनता का जमकर शोषण कर रहे हैं। इनमें निजी एम्बुलेंस चालक भी किसी से पीछे नहीं है। निजी एम्बुलेंस चालकों की मानमानी को रोकने के लिए प्रशासन को अस्पतालों की तरह इनका भाड़ा भी निर्धारित करना चाहिए।

रेट लिस्ट लगाओ, वरना रजिस्ट्रेशन रद्द : शर्मा

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

प्रदेश के परिवहन मंत्री मूलचन्द शर्मा ने सोमवार को बयान जारी करते हुए कहा है कि सरकार के आदेशों के अनुसार वैश्विक महामारी कोराना के इलाज की रेट लिस्ट न लगाने वाले निजी अस्पतालों का रजिस्ट्रेशन रद्द करके उनके खिलाफ मुकदमा भी दर्ज कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि शिकायत मिलने पर अस्पताल का पिछले पांच दिनों का रिकार्ड चेक किया जाएगा। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि फल, सब्जियों, किरयाना के समान और बाजार के अन्य समान पर मुनाफाखोरों के खिलाफ भी सरकार सख्ती से निपटेगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश की जनता की भलाई के लिए लॉकडाउन का समय बढ़ाया गया है।

कैबिनेट मंत्री मूलचंद शर्मा ने कहा है कि प्रदेश की जनता को ऑक्सीजन की कमी नहीं होगी। प्रदेश के मुख्यमंत्री मनोहर लाल हर समय प्रदेश की जनता की भलाई के लिए कार्य कर रहे हैं। मूलचंद शर्मा ने कहा है कि सरकार ने कोविड-19 के दूसरे चरण के हालातों के मद्देनजर लॉकडाउन को आगे बढ़ाने का निर्णय लिया है। इस निर्णय के अनुसार लॉकडाउन का उल्लंघन करने वाले के खिलाफ सख्ती से निपटा जाएगा। उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा है कि केवल जरूरी कार्य से ही घर से बाहर निकलें। अपने मुंह पर सरकार द्वारा जारी हियदातों के अनुसार मुंह पर मास्क लगाना सुनिश्चित करें। सोशल डिस्टेंस रखें। बिना किसी काम के बेवजह सड़कों पर घूमते हुए या गाड़ियों और बाइकों पर घूमते हुए जो लोग पाए जाएंगे उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि लोग अपने घरों में रहें और घरों में भी सोसल डिस्टेंस रखते सरकार द्वारा जारी हिदायतों का पालन करें। कैबिनेट मंत्री मूलचंद शर्मा ने कहा कि किसी भी प्रकार की कालाबाजारी बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

चाहे वह दवाइयों की हो, ऑक्सीजन गैस की हो या डेली उपभोग के सामान की हो। जो भी व्यक्ति कालाबाजारी करते पाया जाएगा उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। मूलचंद शर्मा ने कहा कि अस्पताल हो या नर्सिंग होम हो उन्हें सरकार द्वारा जारी आदेशों के अनुसार रेट निर्धारित करके रेट लिस्ट चस्पा करनी होगी। उसमे बेड व डॉक्टर की फीस सहित पूरे विवरण सहित रेट लिस्ट चस्पा करनी होगी। इसके अलावा परचून की दुकान, फल व सब्जी की दुकानें व रेहड़ी वालों को भी सरकार द्वारा जारी हिदायतों के अनुसार रेट लिस्ट चस्पा करनी होगी और निर्धारित रेटों पर ही लोगों को सम्मान देना होगा। चाहे सेक्टर हो, कॉलोनी हो या बाजार हो जहां भी कोई दुकानदार रेट लिस्ट से अधिक दामों पर परचून का सामान या फल तथा सब्जियां व अन्य सामान बेचता पाया गया उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। शिकायत मिलने पर उसके खिलाफ मुकदमा भी दर्ज किया जाएगा।

पार्षद ने लगवाया टीकाकरण शिविर

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

लोगों को कोरोना महामारी से बचाया जा सके इसको लेकर जिला भाजपा फरीदाबाद द्वारा सोमवार को वार्ड-23 की पार्षद गीता रक्षवाल के कार्यालय पर कोविड-19 टीकाकरण शिविर लगवाया। लोकसभा निगरानी कमेटी चेयरमैन एवं पूर्व पार्षद ओमप्रकाश रक्षवाल और भाजपा जिला उपाध्यक्ष अनिल नागर मुख्य रूप से उपस्थित थे। शिविर में 45 वर्ष से ऊपर के 322 व 18 वर्ष से ऊपर के 135 लोगों को स्वास्थय कर्मचारियों द्वारा टीका लगाया।

शिविर में केवल मास्क पहनकर आने वाले लोगों को टीका लगाया और सोशल डिस्टेंस का पूरी तरह ध्यान रखने के साथ-साथ बार-बार शिविर स्थल को सैनीटाइज किया गया। इस मौके पर ओमप्रकाश रक्षवाल ने कहा कि नौ मार्च से लगातार उनके कार्यालय पर कोरोना रोधी शिविर चल रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री मनोहर लाल और केन्द्रीय राज्यमंत्री चौ. कृष्णपाल गुर्जर के नेतृत्व में कोरोना के खिलाफ प्रदेश का स्वास्थ्य विभाग पूर्ण तत्परता से लोगों को कोविड रोधी वैक्सीन देने में जुटा हुआ है। उन्होंने कहा कि जिला भाजपा ने तेजी से वैक्सीनेशन मुहिम चलाई हुई है, इसके

लिए वे भी बधाई के पात्र हैं। इस अवसर पर अनिल नागर ने कहा कि वैश्विक महामारी कोरोना से लोगों को बचाया जा सके। इसको लेकर फरीदाबाद लोकसभा क्षेत्र में बड़े पैमाने पर टीकाकरण शिविर लगाए गए हैं। उन्होंने कहा कि जिस तरह कोरोना रोजाना लोगों की जिन्दगी लेने पर तुला हुआ है उसको लेकर टीका जरूर लगवाना चाहिए। अनिल नागर ने कहा कि कोविड 19 की वैक्सीन लेने वाले सभी जन पूरी तरह से स्वस्थ हैं। उन्हें किसी प्रकार की कोई शारीरिक परेशानी नहीं है। इस मौके पर प्रमोद सेन, सुशील पाठक, संजीव सोनी और रामानन्द मौजूद थे।

38 लोगों को उपलब्ध गए ऑक्सीजन सिलेंडर

जिला रेडक्रॉस सोसायटी के द्वारा ऑक्सीजन गैस वितरण प्रणाली को सुगम बनाया गया

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

उपायुक्त यशपाल ने बताया कि जिला मैं ऑक्सीजन की आवश्यकता वाले मरीजों को गैस सिलेंडर उपलब्ध करवाने का कार्य शुरू कर दिया है।

उन्होंने बताया कि सोमवार को तकरीबन 390 रिक्वेस्ट ऑनलाइन प्राप्त हुई है, रेडक्रॉस सोसाइटी के द्वारा

38 लोगों प्रदान की गई है, 52 आवेदनों को निरस्त कर दिया गया है, जिसमें बहुत सी एप्लीकेशन दो से तीन बार की गई थी। उपायुक्त यशपाल ने बताया कि इस कार्य में जिला रेडक्रॉस सोसायटी भी बेहतरीन कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि सोमवार को रेडक्रॉस सोसायटी के द्वारा सामाजिक संगठनों के साथ बैठक का दौर आरंभ रहा। लोगों को सुगम तरीके से गैस कैसे उपलब्ध कराई जाए इसके ऊपर गहनता से चर्चा करें। इस संबंध में जानकारी देते हुए जिला रेडक्रॉस सचिव विकास कुमार ने बताया कि दो से तीन दिन में गैस प्रणाली को बहुत सुगम बना दिया जाएगा। किसी भी जरूरतमंद को गैस की कमी नहीं रहेगी। जिला उपायुक्त यशपाल के नेतृत्व में दिन-रात इसे सुगम बनाने के लिए कार्य किए जा रहे हैं, जिस व्यक्ति को गैस की आवश्यकता हो वह ऑनलाइन गैस में आवेदन कर सकता है, उसे पूरी तरीके से जांच के उपरांत जिला रेडक्रॉस सोसायटी लोगों को गैस मोहिया कराने के लिए प्रतिबद्ध है, फरीदाबाद में कोई भी पीड़ित गैस के अभाव से वंचित ना रहे।

काले बिल्ले लगाकर किया सरकार को जगाने का प्रयास

विरोध के दौरान काम में किसी तरह के की बाधा नहीं आने दी

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

स्वास्थ्य कर्मचारी संघ हरियाणा, जिला फरीदाबाद (सम्बन्धित भारतीय मजदूर संघ हरियाणा प्रदेश) के आह्वान पर सोमवार को स्वास्थ्य विभाग में कार्यरत सभी वर्गों के कर्मचारियों ने काले बिल्ले लगातार सरकार को जगाने का प्रयास किया, लेकिन विरोध कर रहे कर्मचारियों ने इस दौरान काम में किसी तरह की बाधा नहीं आने दी।

मरीजों का इलाज, कोरोना जांच और टीकाकरण जारी रहा। मौके पर एनएचएम, आउटसोर्सिंग, एड्स, मलेरिया, स्टाफ नर्स, एएनएम, मेडिकल आफिसर, सीएचओ, आयुष विभाग आईडीएसपी, इनफॉर्मेशन असिस्टेंट, कंप्यूटर असिस्टेंट, आरटीएस,फार्मासिस्ट, आरटीएस, पॉलीक्लीनिक, यू एचसी, एमएमआईवाई, एनटीसीपी, लेप्रोसी आदि सभी कर्मचारियों की मांगों व समस्याओं की हो रही अनदेखी के खिलाफ हो रहे शोषण के विरोध स्वरूप काले बिल्ले लगाकर सरकार को जगाने की ड्यूटी की।

उन्होंने बताया कि उनकी मांगे पूरी नहीं हो रही है। जिसमें उन्होंने बताया कि आउटसोर्सिंग के कर्मचारियों को सरकार रोस्टर प्रणाली पर ले और उन्हें न हटाएं। वहीं सभी कर्मचारियों को सेवा सुरक्षा मिले। सेवा नियमों में रह गई वेतन विसंगति जल्द दूर हो। सभी कर्मचारियों को सातवां वेतन लागू हो। सभी वंचित कर्मचारी वर्गों को सेवा नियम का लाभ मिले। सभी कर्मचारियों को कैश-लेस मेडिकल सुविधा मिले।

खून की कमी से जूझ रहा बीके अस्पताल का ब्लड बैंक

कोरोना का टीका लगवाने से पहले रक्तदान करके मरीजों को दें जीवनदान

कविता। फरीदाबाद

कोरोना महामारी के कारण लोग रक्तदान को आगे नहीं आ रहे है। जिसके कारण ब्लड बैंकों में रक्त की कमी हो गई है। रक्त न मिलने से मरीजों को भारी परेशानियों का सामना करने को मजबूर होना पड़ रहा है। बीके अस्पताल के ब्लडबैंक में मात्र 16 यूनिट रक्त है। गंभीर बात यह है कि तीन ग्रुपों में एक भी यूनिट रक्त नहीं बचा है।

जानकारी के मुताबिक कोरोना के कारण लगे लॉकडाउन की वजह से जगह-जगह लगने वाले रक्तदान शिविर भी बंद हो गए हैं। वहीं कुछ शिविर लगे हैं तो वह खून निजी प्रयोगशालाओं को चला गया। ऐसे में बीके अस्पताल का ब्लडबैंक खून के आभाव में सूख चुका है।

तड़प रहे मरीज : खून की जरूरत जहां एक तरफ थैलेसीमिया ग्रस्त बच्चों को अधिक होती है। वहीं

दूसरी तरफ एनिमिया ग्रस्त गर्भवती महिलाओं को भी खून की आवश्यकता होती है। ऐसे में थैलेसीमिया और गर्भवती के लिए रक्त ब्लडबैंक की तरफ से मुफ्त में उपलब्ध कराया जाता है। ऐसी स्थिति में डोनर न आने से ब्लड बैंक में खून की कमी हो गई है।

लोगों से कर रहे अपील

ब्लडबैंक में तैनात इंचार्ज और स्टाफ ने पायनियर के माध्यम से रक्तदान करने वाले लोगों से अपील की है कि वह जितनी जल्दी हो सके, रक्तदान करें। ताकि यहां रक्त की कमी को पूरा करके मरीजों की जान को बचाया जा सके।

पायनियर का सुझाव

पायनियर समाचार पत्र के माध्यम से लोगों को यह सुझाव दिया जाता है कि कोरोना की नई गाइडलाइन के मुताबिक कोविड वैक्सीन का टीका लगवाने से 14 दिन पहले पहले आप रक्तदान अवश्य करें (बशर्ते कि आप रक्तदान करने की योग्यता रखते हों)। एक स्वस्थ व्यक्ति एक बार रक्तदान करने के तीन महीने बाद पुन: रक्तदान कर सकता है। जिन लोगों को रक्तदान किए हुए तीन महीने पूरे हो चुके हैं और अब वे कोविड वैक्सीन लेने जा रहे हैं तो हमारा निवदेन है कि वे पहले रक्तदान अवश्य करें। वहीं यदि आपको पिछला रक्तदान किए हुए तीन महीने पूरे होने में अभी कुछ दिन बाकी हैं तो सरकार के नए दिशा निर्देशों के मुताबिक पहला टीका और दूसरा टीका लगवाने के 14 दिन पूरे होने के बाद भी आप रक्तदान करने योग्य हो जाते हैं। चाहे महामारी हो, युद्ध या फिर सामान्य दिन, अस्पतालों में रोगियों, घायलों और थैलेसीमिक लोगों को निरंतर रक्त की जरूरत पड़ती रहती है। यह विडम्बना ही है कि इतनी बड़ी आबादी वाले देश के अस्पतालों में रक्त की कमी सदैव बनी रहती है।

पायनियर
हमेशा सच के साथ
हरियाणा से प्रकाशित | हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

शोक संदेश व श्रद्धांजलि प्रकाशन हेतु विज्ञापन बुक कराएं
निधन-अन्तिम यात्रा-पुण्यतिथि-उठावनी-पगड़ी

जो आपसे बिछड़ गए है उनकी याद में हम आपके दुख में सदैव साथ हैं।

बॉक्स साइज	Size - 8x5 Sqcm.	Rs. 600/-
कलर (प्रति विज्ञापन)	Size - 8x10 Sqcm.	Rs. 1200/-
	Size - 12x10 Sqcm.	Rs. 1800/-

पायनियर फरीदाबाद कार्यालय : 262-आई, सेक्टर- 24 फरीदाबाद।
मो. न. : 9582468441, 9871798095, Email ID : pioneeradvthr@gmail.com

अब बिना कोरोना जांच के नहीं लगेगी वैक्सीन

आज से बीके अस्पताल में आने वालों की होगी कोरोना जांच

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

रविवार को जिले में कोरोना वैक्सीनेशन सेंटर बंद थे। जिसके कारण लोगों की भारी भीड सोमवार को बीके अस्पताल में पहुंच गई, लेकिन यहां व्यवस्था अलग ही देखने को मिली। अधिकारियों की तरफ से यहां आने वाले प्रत्येक व्यक्ति की रैपिड जांच शुरू कर दी गई। ताकि यहां आने वाले लोग किसी को कोरोना संक्रमण का शिकार न बना सकें।

अस्पताल में वैक्सीनेशन करवाने वालों के लिए दो जांच शिविर लगाए गए। जिसमें पहली डोज और सैकेंड डोज लगवाने वाले सभी लोगों के सैम्पल जांच को लिए गए। दोपहर 12 बजे तक करीब 500 लोगों के सैम्पल जांच के लिए एकत्रित किए गए। दोपहर 12 बजे तक मात्र एक की रिपोर्ट पॉजिटिव आई। जिस पर उक्त महिला को घर भेज दिया गया।

लगी लम्बी लाइन

पिछले दिनों वैक्सीनेशन कराने आए लोगों की भीड़ देखते हुए पायनियर की तरफ से शहर के वैक्सीनेशन सेंटरों की हालत का दृश्य प्रकाशित किया गया है। जिसे देखते हुए अस्पताल के वैक्सीनेशन सेंटर पर उसके बाद से लाइनें लगाई जा रही थीं, लेकिन भीड़ काबू में नहीं हो रही थी, लेकिन सोमवार को यहां एक अलग ही नजारा देखने को मिला। यहां आए लोगों को दूरी बनाते हुए पहली और दूसरी डोज की लाइनों में अलग-अलग खड़े रहने का संदेश पुलिसकर्मी ने दिया। डंडा लिए पुलिसकर्मी यहां से वहां लोगों को कोरोना से बचाव का संदेश देते हुए उचित दूरी बनाए रखने का पाठ पढ़ाते नजर आए।

होगी सबकी जांच

वैक्सीन लगवाने और फ्लू ओपीडी में आए लोगों की जांच कर रहे प्रयोगशाला और वैक्सीन लगा रहे कोरोना योद्धाओं ने बताया कि अब अस्पताल में आने वाले सभी लोगों की जांच की जाएगी। इसके निर्देश उन्हें जिला स्वास्थ्य विभाग के उच्च अधिकारियों ने जारी किए हैं। ताकि जिले में बढ़ते कोरोना के मामलों को रोका जा सके। उन्होंने बताया कि सोमवार को तीन शिविर लगाकर जांच की गई है, लेकिन अब विभिन्न स्थानों पर पांच शिविर लगाकर जांच की जाएगी। ताकि कोरोना रोगियों को अलग किया जा सके। उन्होंने कहा कि वह हर संभव प्रयास करते हुए अधिक से अधिक टेस्टिंग पर जोर दे रहे हैं।

जिला अध्यक्ष ने की पदाधिकारियों और पार्षदों के साथ वर्चुअल बैठक

पायनियर समाचार सेवा। फ़रीदाबाद

भारतीय जनता पार्टी जिला अध्यक्ष गोपाल शर्मा में पार्षदों और जिला पदाधिकारियों के साथ वर्चुअल बैठक की। बैठक में प्रांत सम्पर्क प्रमुख गंगा शंकर मिश्र, फरीदाबाद नगर निगम महापौर सुमन बाला, वरिष्ठ उप महापौर देवेन्द्र चौधरी, उप महापौर मनमोहन गर्ग मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

जिला अध्यक्ष गोपाल शर्मा ने फरीदाबाद जिले में कोरोना महामारी की रोकथाम, प्रबंधन एवं वैक्सिनेशन अभियान पर पार्षदों एवं भाजपा जिला पदाधिकारियों और वरिष्ठ नेताओं से महत्वपूर्ण चर्चा की। प्रांत सम्पर्क प्रमुख गंगा शंकर मिश्र ने पार्षदों और कार्यकर्ताओं से चर्चा करते हुए वैक्सिनेशन अभियान पर जोर देकर कहा कि हर किसी को जल्दी से जल्दी टीका लगवाया जाए ताकि कोई भी व्यक्ति टीके से वंचित न रह पाए। कोरोना महामारी में टीका ही सुरक्षा दे सकता हैं।

टीकाकरण कराना ही मानव की सच्ची सेवा है। कोरोना के खिलाफ इस लड़ाई में टीकाकरण ही कारगर हथियार है जो अभयदान दे सकता है। सभी पार्षद और भाजपा कार्यकर्ता मानवता की सेवा में तन मन धन से पूर्ण योगदान देकर समाज की सेवा करें। उन्होंने कहा की सभी पार्षद अपने अपने वार्ड में हर व्यक्ति का टीकाकरण सुनिश्चहित करें। जिला प्रशासन द्वारा आक्शीजन सिलेंडर रीफिलिंग और रेमडेशिविर इंजेक्शन उपलब्ध कराने के लिए उचित प्रणाली विकसित की गई है। जगह जगह कोविड केयर सेंटर विकसित करके बेड की व्यवस्था की जा रही है।

स्वास्थ्य अधिकारी की लापरवाही से चली गई एक महिला की जान

वेंटीलेटर बेड खाली होने की बात कहकर मरीज बुलाया अस्पताल

कविता। पलवल

बीती रात पलवल में एक महिला मरीज की जान वहां के स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा की गई लापरवाही के कारण चली गई। महिला के परिजनों को वेंटीलेटर देने की बात कहकर पलवल के सिविल अस्पताल में बुलवा लिया, लेकिन उसे वेंटीलेटर बेड दो घंटे तक भी उपलब्ध नहीं कराया। फोन रिसीव न होने पर परिजनों ने एक निजी अस्पताल ले जाने लगे, लेकिन इलाज के आभाव में महिला की मौत हो गई। इस विषय में जब सीएमओ, पलवल से बात करने का प्रयास किया गया, तो उन्होंने फोन नहीं उठाया।

नहीं मिले डॉक्टर

फरीदाबाद के डीग गांव निवासी पवन ने बताया कि उसकी 34 वर्षीय बहन अनीता कोरोना ग्रस्त हो गई। शनिवार रात को फरीदाबाद में जगह न मिलने पर पलवल के बघौला गांव में स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया। जहां ऑक्सीजन लेबल कम होने पर उसे रविवार की रात को वेंटीलेटर की जरूरत बताई गई। पूछताछ में पता चला कि पलवल में वैंटीलेटर की सुविधा है। पानीपत और पलवल के बीजेपी जिला अध्यक्षों ने सीएमओ को महिला को दाखिल करने के लिए कहा। जिस पर सीएमओ ने पवन को उसकी बहन अनीता को पलवल सिविल अस्पताल में वैंटीलेटर वाला बिस्तर उपलब्ध कराने का वायदा किया। उन्होंने एम्बुलेंस भेजकर मरीज को सिविल अस्पताल में बुलवा लिया, लेकिन न तो स्टाफ को इसकी सूचना नहीं दी। मिन्नते करने पर आधे घंटे बाद मरीज को ऑक्सीजन लगाई गई।

नहीं दिया वेंटीलेटर

ऑक्सीजन का लेबल पूरा करके चिकित्सकों ने चला दिया, लेकिन इसके बाद कोई सुनवाई नहीं की। वेंटीलेटर के लिए सीएमओ को 18 बजकर 47 मिनट से 21 बजकर 14 मिनट तक लगातार फोन किए, लेकिन उन्होंने फोन नहीं उठाया। एक दो बार किसी अन्य ने उनका फोन रिसीव कर बताया कि सीएमओ ने कॉल डायवर्ड कर रखा है। जिस पर वे मरीज को एक निजी अस्पताल ले जाने का जतन करने लगे, लेकिन एम्बुलेंस मिलने से पहले ही अनीता ने दम तोड़ दिया।

परिजनों ने लगाया आरोप

पवन का कहना है कि अनीता की मौत पलवल सीएमओ की लापरवाही से हुई है। यदि सीएमओ द्वारा स्टाफ व चिकित्सकों को पहले बता दिया, होता, तो आज वेंटीलेटर पर ही सही अनीता जिंदा होती। सीएमओ को इस तरह से मरीजों की जान से खिलवाड़ नहीं करना चाहिए। यदि वेंटीलेटर अस्पताल में नहीं था तो मना कर देते, करीब दो से ढाई घंटे तक अनीता तड़पती तो नहीं।

कोरोना से जिले में 50 मौत सरकारी आंकड़ों में मात्र 8

जिले में 1347 पॉजिटिव से आंकड़ा पहुंचा 89444

मृतक में 27 पॉजिटिव फरीदाबाद से और शेष 23 अन्य शहरों से शामिल

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

जिले में जहां एक तरफ कोरोना संक्रमित मरीज तेजी से ठीक होने का आंकड़ा जिला स्वास्थ्य विभाग की तरफ से दर्शाया जा रहा है, लेकिन आज भी कोरोना पॉजिटिव मृतकों की संख्या का आंकड़ा बढ़ रहा है।

सोमवार को जिले में जहां एक तरफ 50 मृतकों का अंतिम संस्कार नगर निगम की टीमों के द्वारा शहर के विभिन्न श्मशान घाटों पर किया गया। वहीं दूसरी तरफ जिला स्वास्थ्य विभाग ने मात्र आठ मृतकों की मौत का आंकड़ा दर्शा कर काम समाप्त कर दिया। जबकि जिले में किए गए 50 अंतिम संस्कारों में 27 पॉजिटिव फरीदाबाद से और शेष 23 पॉजिटिव अन्य शहरों से शामिल थे।

सोमवार को जारी स्वास्थ्य विभाग के बुलेटिन के मुताबिक कोरोना पीड़ित 1347 नए मरीज पाए गए हैं। जबकि कोरोना को मात देने वाले लोगों की संख्या 2355 दर्शाई गई। वहीं जिले का रिकवरी रेट 85.2 प्रतिशत दर्शाया गया। 1347 मरीजों में शहर के विभिन्न हिस्सों से लोग शामिल रहे। जिसमें सर्वाधिक मरीज सेक्टर-16 से 56, सेक्टर-21 से 48, सैनिक कॉलोनी से 37, जवाहर कॉलोनी से 26, सेक्टर-8 से 39, सेक्टर-3 से 32, सेक्टर-28 से 46, सेक्टर-86 से 36, सेक्टर-88 से 34, एसजीएम नगर से 44, एनएच-दो से 28, सेक्टर-9 से 22, सेक्टर-15 से 23, सेक्टर-19 से 24, सेक्टर-55 से 20, सेक्टर-37 से 18, सेक्टर-7 से 26 और बाकि अन्य एरियों से मरीज शामिल रहे।

ये हैं आंकड़े

अब तक कुल जांचें	: 718261
अब तक पॉजिटिव	: 89444
अब तक नेगेटिव	: 626960
रिपोर्ट आनी शेष	: 1857
ऑक्सीजन पर हैं	: 889
वैंटिलेटर पर हैं	: 87
अब तक कुल मौत	: 584
अब तक ठीक	: 76175
जिले में एक्टिव	: 12685

लूटपाट करने वाले गिरोह का तीसरा सदस्य गिरफ्तार

फरीदाबाद। क्राइम ब्रांच सेक्टर-48 की टीम ने फरीदाबाद में छह मई की रात को गुड़गांव कैनाल बल्लभगढ़ के पास से राहगीर से गाड़ी, रुपये और मोबाइल फोन हथियारों के बल पर लूटने वाले गिरोह के एक ओर सदस्य अनीश उर्फ राजू को गिरफ्तार किया है। पुलिस इससे पहले गिरोह के दो सदस्यों चिन्टू उर्फ चरणजीत और राहुल बंगाली को पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। दोनों आरोपियों को तीन दिन की रिमांड पर लेकर पूछताछ की जिसमें सामने आया कि आरोपियों ने हथियारों से फायरिंग करके एक ही रात में अलग- अलग जगह पर चार वारदातों को अंजाम दिया था।

छह मई की रात आरोपियों ने सबसे पहले ड्यूटी से लौट रहे प्रधान सिपाही कुशल कुमार की कार रुकवाकर लूटने की कोशिश की थी। बाईपास पर चावला कॉलोनी के पास टैक्सी चालक से पिस्तौल के बल पर उसकी कार लूटी थी। कार से सुभाष कॉलोनी पहुंचे। जहां उन्होंने आकाश नामक युवक पर गोली चलाई, जिसमें वह बाल-बाल बच गया। आरोपियों ने दयालपुर में भी एक युवक पर गोली चलाई थी। इससे पहले आरोपियों ने छांयसा थानाक्षेत्र से पिस्तौल दिखाकर एक बाइक, मोबाइल और पैसे लूटे थे। इसी बाइक से आरोपियों ने टैक्सी ड्राईवर से कार लूटी थी। क्राइम ब्रांच सेक्टर-48 प्रभारी राकेश कुमार की टीम ने तीसरे आरोपी अनीश उर्फ राजू को रविवार को आईएमटी पुल के पास से एक देशी कट्टा व 9 कारतूस सहित गिरफ्तार किया।

माइक्रो कंटेनमेंट जोन में तैनात पुलिस कर्मियों का हौसला बढ़ाया

कुत्तों को बिस्किट खिलातीं पुलिस उपायुक्त डॉ. अंशु सिंगला।

लॉकडाउन में पक्षियों और जानवरों का भी रखें ख्याल : अंशु सिंगला

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

पुलिस उपायुक्त डॉ. अंशु सिंगला ने सेक्टर 46 व सेक्टर 21सी में माइक्रो कंटेनमेंट ड्यूटियों का जायजा लेकर पुलिस कर्मचारियों को कोरोना ड्यूटी से संबंधित आवश्यक दिशा निर्देश दिए। सिंगला ने ड्यूटी में तैनात पुलिस कर्मचारियों को आवश्यक सावधानी बरतने के निर्देश दिए और कहा कि पुलिसकर्मी मास्क पहने, सैनिटाइजर का उपयोग करें, उचित दूरी बनाए रखें और रोग प्रतिरोधक बढ़ाने वाली दवाओं का सेवन करते रहें ताकि संक्रमण को फैलने से रोका जा सके।

पुलिस उपायुक्त ने थाना व् चौकी प्रभारी को दिशा-निर्देश देते हुए कहा कि वह अपने अधीनस्थ पुलिसकर्मियों का ख्याल रखें। पुलिसकर्मी इस विकट घड़ी में कड़ी मेहनत के साथ ड्यूटी कर रहे हैं। अब यही आपका परिवार है इसलिए उनके खान-पान, रेस्ट और सेहत का पूरा ध्यान रखें। सिंगला ने कहा कि लॉकडाउन के दौरान बाजार बंद है जिसकी वजह से जानवरों को पानी और खाना नहीं मिल पा रहा जिसकी वजह से वह भूख प्यास से तड़प रहे हैं। इसलिए नागरिकों से अनुरोध है कि वह अपने घर के बाहर पक्षियों और जानवरों के लिए पानी व भोजन की व्यवस्था करें। इस विकट समय में आप ही उनका एकमात्र सहारा है इसलिए उनका विशेष तौर पर ख्याल रखें। माइक्रो कंटेनमेंट जोन में तैनात पुलिसकर्मियों को निर्देश देते हुए सिंगला ने कहा कि कोरोना के मरीज दिन प्रतिदिन बढ़ते जा रहे हैं इसलिए संक्रमण को रोकने के लिए पुलिस द्वारा सख्ती से लॉकडाउन के नियमों का पालन करवाया जाना अति आवश्यक है।

लॉकडाउन में सिर्फ 11 लोगों की उपस्थिति में होगी शादी

बढ़ती मृत्यु दर को देखते हुए सूखे पेड़ काटने की अनुमति दी

देश और प्रदेश में कोरोना संक्रमण के बढ़ते मामलों को देखते हुए राज्य सरकार के निर्देशानुसार उपायुक्त एवं जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के चेयरमैन यशपाल ने आदेश जारी करके लॉकडाऊन की अवधि को 10 मई से बढ़ाकर 17 मई 2021 प्रात:काल पांच बजे तक कर दिया है। राज्य सरकार के निर्देशानुसार बढ़ाई गई लॉकडाउन की इस अवधि को महामारी अलर्ट सुरक्षित हरियाणा का नाम दिया गया है।

जिलाधीश ने बताया कि लॉकडाउन की बढ़ाई गई इस अवधि में कुछ शर्तों में संशोधन भी किया गया है। उन्होंने कहा कि शादी या अन्य सामाजिक कार्यक्रमों में अब केवल 11 व्यक्ति शामिल हो सकते हैं। बारात के लिए अनुमति नहीं होगी, केवल घर पर या कोर्ट में अधिक से अधिक 11 लोगों की उपस्थिति के साथ शादी करने की अनुमति होगी। नए आदेशों के तहत दूध डेयरी और दूध से बने सामान से सम्बंधित दुकानें प्रात : आठ बजे से दोपहर एक बजे तक और सायं छह बजे से आठ बजे तक खोलने की अनुमति होगी। उन्होंने बताया कि वन विभाग को सुखे पेड़ काटने की अनुमति दी गई है ताकि इस महामारी में नगर निगम यमुनानगर-जगाधरी और जिला प्रशासन को पर्याप्त मात्रा में सूखा ईंधन उपलब्ध हो सके।

यशपाल ने कहा कि 17 मई तक लोग अपने घरों में रहें। किसी भी व्यक्ति को बिना वजह बाहर घूमने, वाहन लेकर चलने और सार्वजनिक स्थलों पर इकट्ठे होने या टहलने की अनुमति नहीं होगी। आपातकालीन स्थिति या अत्याधिक आवश्यक होने पर सरल पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन करके अनुमति प्राप्त करने के उपरांत ही कोई भी व्यक्ति घर या शहर से बाहर जा सकता है। उन्होंने कहा कि प्रशासन द्वारा लोगों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए आवश्यक सामान की घर पर आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है।

उन्होंने बताया कि स्वास्थ्य और चिकित्सा सुविधाओं के लिए जिला प्रशासन व स्वास्थ्य विभाग द्वारा नियंत्रण कक्ष स्थापित किए गए हैं। इन नियंत्रण कक्षों पर कोई भी व्यक्ति कोरोना से सम्बंधित अथवा चिकित्सा से सम्बंधित अपनी समस्या बता सकता है और जिला प्रशासन द्वारा उस पर त्वरित कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि लाकडाउन को लेकर शेष हिदायतें तीन मई को जारी किए गए आदेशों के अनुरूप ही रहेंगी। उन्होंने इन ओदशों की सख्ती से पालना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए है और आदेशों की हिदायतों के पालन के लिए पुलिस और सिविल प्रशासन निरंतर चेकिंग भी कर रहा है।

तीन मई को जारी किए गए निर्देशों में जिन व्यक्तियों और सेवाओं को छूट दी गई है उनमें ऐसे लोग जो लॉ एंड आर्डर या आपात सेवाओं में तैनात होंगे। इनमें म्यूनिसिपल सेवाएं, पुलिस, सेना, सीआरपीएफ के वर्दीधारी कर्मचारी, स्वास्थ्य, बिजली, अग्निशमन, मीडियाकर्मी, कोविड-19 के अंतर्गत काम कर रहे सरकारी कर्मचारी शामिल हैं। इस अवधि के दौरान पहचान पत्र दिखाकर इन्हें आने-जाने में छूट मिल सकेगी। इसके अलावा किसी परीक्षा में शामिल होने के लिए या परीक्षा में ड्यूटी आदि पर जाने वाले लोगों को भी एडमिट कार्ड, पहचान पत्र दिखाकर आने-जाने में छूट रहेगी। शेष अन्य नियम लॉकडाउन एक के ही मान्य रहेंगे।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कर रहा जरूरमंदों की मदद

फरीदाबाद। जिला सत्र न्यायाधीश एवं चेयरमैन जिला विधिक सेवा प्राधिकरण यशवीर सिंह राठौर के निर्देशानुसार मंगलेश कुमार चौबे मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी और सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की देखरेख में पैनल अधिवक्तागण की टीम कोरोना के प्रति जागरूक कर रही है। जिसमें रविंद्र गुप्ता, राजेंद्र गौतम, रामवीर तंवर, शिव कुमार, ओम प्रकाश सैनी, गगन कुमार, अनिल गुप्ता, लखीराम और संगीता शर्मा जरूरतमंदों की मदद के लिए जुटे हुए हैं।

रविंद्र गुप्ता पैनल एडवोकेट ने बताया कि कोरोना महामारी फिर से बढ़ने के कारण कमजोर तबके के लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है, ऐसे में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की टीम के पैनल अधिवक्ता गणों ने जरूरतमंदों की मदद के लिए आगे आ रहे हैं। स्लम बस्तियों में जाकर जरूरतमंदों को मास्क सैनिटाइजर वह इम्यूनिटी बढ़ाने के लिए काढ़ा ऑक्सीजन का उपलब्ध कोरोना मरीजों के लिए खाने की व्यवस्था करना जो लोग अपने घर जा रहे हैं। उनके लिए खाने की व्यवस्था करना और जो लोग लॉकडाउन के कारण अपने घर पर हैं खाने की व्यवस्था नहीं हो पा रही है उन्हें कच्चा राशन उपलब्ध कराना। इसी कड़ी में न्यायालय परिसर सेक्टर 12 फरीदाबाद में एक हेल्प डेस्क बनाकर आने वाले अधिवक्ता गणों वह मुवक्किल को मास्क सैनिटाइजर का वितरण किया और उन लोगों को यह भी बताया कि अभी कोर्ट बंद है आपको कोर्ट में आने की जरूरत नहीं है।

संक्षिप्त समाचार

एसडीएम ने दुकानदारों को पढ़ाया नियमों का पाठ

बल्लभगढ़। एसडीएम अपराजिता ने आज सोमवार को बल्लभगढ़ के विभिन्न क्षेत्रों में किरयाने की दुकानों और फल, सब्जी बेचने वाली रेडियो के रेटों की जांच की और उन्हें सरकार द्वारा जारी हिदायतों के अनुसार दिशा निर्देश भी दिए। एसडीएम कम इंसीडेंट कमांडर अपराजिता ने कहा है कि सरकार द्वारा जारी हिदायतों के अनुसार रेहड़ियों पर फल व सब्जी विक्रेता और परचून की दुकानों पर डेली उपभोग का सामान बेचने वाले सभी दुकानदार अपनी-अपनी दुकानों पर सरकार द्वारा जारी हिदायतों के अनुसार रेट की सूची लगाना सुनिश्चित करें। यदि कोई रेहड़ी चालक या दुकानदार सरकार द्वारा जारी हिदायतों के अनुसार रेटों से अधिक रेटों पर फल व सब्जियां या डेली उपभोग का सामान बेचता पाया गया तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। इंसीडेंट कमांडर अपराजिता ने आमजन से अपील करते हुए कहा है कि वे सरकार द्वारा जारी आदेशों के अनुसार दुकानों और रेहड़ियों पर पहले चस्पा की गई रेट लिस्ट की जानकारी लें और उसके बाद ही फल, सब्जियां और सामान खरीदें। यदि कोई दुकानदार या रेहड़ी चालक अधिक रेटों पर सामान, फल और सब्जी बेचता है, तो उसके उसकी शिकायत तुरंत सहायक खाद्य आपूर्ति नियंत्रक व एसडीएम कार्यालय में करें।

ये दिन अगर बुरे हैं तो अच्छे भी आएंगे : सीपी

फरीदाबाद। पुलिस आयुक्त ओपी सिंह ने कोरोना महामारी के इस विकट समय में लोगों को हौसला बनाए रखने व अच्छे समय की उम्मीद बनाए रखने की अपील की है। उन्होंने कहा कि यह बुरा समय है जो जल्द ही बीत जाएगा, हमें हौसले और जज्बे के साथ कोरोना के साथ लड़ी जा रही जंग को जीतने की उम्मीद को बांधे रखना है। हौसले के आगे बड़ी-बड़ी चुनौतियां भी घुटने टेक देती हैं। हौसलों के साथ लड़ी गई जंग किसी भी मनुष्य के लिए जीत का दरवाजा खोल सकती है इसलिए हमें हिम्मत नहीं हारनी चाहिए और सकारात्मक सौच के साथ आगे बढ़ना चाहिए। कोरोना से जंग जितने के लिए हमें अपना सुरक्षा कवच मजबूत रखने की आवश्यकता है। इस वक्त मास्क, सेनेटाइजर और 2 गज दूरी ही हमारे सुरक्षा कवच है। इसलिए यह जंग जितने के लिए हमारे द्वारा इन संसाधनों का उपयोग करना अति आवश्यक है। नवीनतम आंकड़ों के अनुसार फरीदाबाद पुलिस के 266 पुलिसकर्मियों में 41 पुलिसकर्मी कोरोना को मात दे चुके है। लॉकडाउन के दौरान नियम तोड़ने वालों के खिलाफ दर्ज 230 मुकदमों में 296 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है जिनमें दवाओं और ऑक्सीजन सिलेंडर की कालाबाजारी करने वाले 11 लोग शामिल हैं। पुलिस द्वारा 73192 लोगों को मास्क वितरित किए गए और 4875 लोगों की कांटेक्ट ट्रेसिंग की गई। साथ ही 32362 लोगों के मास्क के चालान काटकर एक करोड़ 61 लाख 81 हजार रुपयों का जुर्माना लगाया गया।

ऑक्सीजन लंगर समाजसेवा का बेहरीन उदाहरण

फरीदाबाद। कोविड-19 वैश्विक महामारी से जूझ रहे देश में ऑक्सीजन की किल्लत ने जहां एक ओर चुनौतियां बढ़ा दी हैं। वहीं गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा सुखममणि भवन सेक्टर-16 में कोविड-19 के मरीजों के लिए नि:स्वार्थ भाव से शुरू किया गया ऑक्सीजन लंगर समाजसेवा सेवा का बेहतरीन उदाहरण है। यह बात फरीदाबाद के विधायक नरेंद्र गुप्ता ने सोमवार को गुरुद्वारा में चल रहे अस्थाई अस्पताल का दौरा करने उपरांत ने कही। उन्होंने गुरुद्वारा के सेवादारों की नेक कार्य के लिए सराहना करते हुए कहा कि अन्य धार्मिक व सामाजिक संगठनों को भी इस तरह के कार्य करने चाहिए ताकि हम कोरोना जैसी घातक बीमारी पर जल्द से जल्द काबू पा सकें। मौके पर गुरुद्वारा के सेवादारों प्रधान चरण सिंह जौहर, सचिव अवतार सिंह पसरीचा, कुलदीप सिंह साहनी व टोनी पहलवान ने बताया कि गुरुद्वारा सुखमनी भवन द्वारा अस्पतालों में ऑक्सीजन की कमी को देखते हुए दो सप्ताह पूर्व यह सेवा कार्य शुरू किया गया था। उन्होंने बताया कि ऑक्सीजन की आपूर्ति को लेकर आज वे जिला रेडक्रॉस सोसायटी के सचिव विकास कुमार व विमल खंडेलवाल से भी मिले, जिन्होंने पूर्ण आश्वासन दिया कि यहां इलाज करवा रहे मरीजों के लिए ऑक्सीजन की किसी भी प्रकार की कमी नहीं होने दी जाएगी। गुरुद्वारा प्रबंधन ने अपने स्तर से ऑक्सीजन सिलिंडर जुटाकर उन्हें जरूरतमंदों को उपलब्ध कराने बीड़ा उठाया है। पिछले दो सप्ताह में यहां सैकड़ों कोविड-19 के मरीजों को ऑक्सीजन उपलब्ध करवाकर उनका अमूल्य जीवन बचाने का कार्य किया। मौके पर सुरेंद्र सांगा, जगजीत कौर, गुरमीत सिंह, तेजेंद्र सिंह चड्ढा, सर्वजीत सिंह चौहान, अनिल अरोड़ा, संदीप बंसल, अनुराग गर्ग आदि सेवादार सेवा कार्य में बढ़चढ़कर भाग ले रहे हैं।

49 सरकारी अस्पतालों में लगवायें वैक्सीन : उपायुक्त

फरीदाबाद। उपायुक्त यशपाल ने बताया कि वैश्विक महामारी कोविड-19 के कोराना संक्रमण के बचाव के लिए वैक्सीन लगाने का कार्य सभी 49 सरकारी अस्पतालों में निरन्तर चल रहा है। उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा कि जिन लोगों ने कोराना बचाव का वैक्सीन नहीं लगवाया है अपने नजदीक सरकारी अस्पताल में जाकर यह वैक्सीन अवश्य लगवाएं। वैक्सीन कोराना संक्रमण के बचाव में कारगर साबित हो रही है। जिला चिकित्सा विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार बीके जिला नागरिक अस्पताल, ईएसआई मेडिकल कॉलेज एनएच -3 फरीदाबाद और पीपीसी ईएसआई मेडिकल कॉलेज एनएच -3 फरीदाबाद में प्रात: 10 बजे से सायं 4 बजे तक कोराना बचाव के वैक्सीन लगाए जा रहे हैं। एसडीएच बल्लभगढ़, सीएचसी कुराली, सीएचसी खेड़ी कलां, पीएचसी पनेहरा खुर्द, पीएचसी मोहना, पीएचसी दयालपुर, पीएचसी छांयसा, पीएचसी तिगांव, पीएचसी अनंगपुर,पीएचसी पल्ला, पीएचसी पाली, पीएचसी धौज, पीएचसी फतेहपुर तैग्गा, पीएचसी फतेहपुर बिलोच, पीएचसी सीकरी, एफआरयू-1 सेक्टर-30 फरीदाबाद, एफआरयू-2 सेक्टर-3 बल्लभगढ़, यूएचसी एसजीएम नगर, यूएचसी मुजेसर, यूएचसी संजय कॉलोनी, यूएचसी सेहतपुर, यूपीएचसी एसी नगर, यूपीएचसी आदर्श नगर, यूपीएचसी एत्मादपुर, यूपीएचसी भारत कॉलोनी, यूपीएचसी भीम बस्ती, यूपीएचसी डबुआ कॉलोनी, यूपीएचसी हरि विहार, यूपीएचसी मेवाला महाराजपुर, यूपीएचसी नंगला एनक्लेव, यूपीएचसी प्रतापगढ़, यूपीएचसी राजीव कॉलोनी, यूपीएचसी सुभाष कॉलोनी, यूपीएचसी शिव दुर्गा विहार, यूपीएचसी सारण, सीडी सेक्टर- 7 ए, सीडी सूरजकुंड, ईएसआई -1 सेक्टर -27 बी फरीदाबाद, ईएसआई -2 सेक्टर-19 फरीदाबाद, ईएसआई -3, एनआईटी -5 फरीदाबाद, ईएसआई -4 एनआईटी -1, ईएसआई -5 एनआईटी -2, ईएसआई -6 जवाहर कॉलोनी, ईएसआई -7 सेक्टर -8, ईएसआई सैक्टर -55, ईएसआई -8 जीएच में कोविड-19 वैश्विक महामारी कोराना के बचाव के लिए वैक्सीन लगाए जा रहे हैं।

कोरोनाकाल में ह्रदय रोगी बरतें अधिक सावधानी : डॉ. सपरा

फरीदाबाद। जब कोरोना का ट्रीटमेंट चालू होता है तो कई बार देखा गया है कि लोग अपने ह्रदय रोग का इलाज, ह्रदय संबंधी सावधानियां और शारीरिक क्रियाएं बंद कर देते हैं। इससे उन्हें ज्यादा नुकसान और खतरा हो सकता है। इस समय महत्वपूर्ण है कि आप अपनी ह्रदय रोग की दवाइयां बंद न करें। क्योंकि शरीर में किसी दूसरे इंफेक्शन के कारण ह्रदय के संतुलन पर बहुत ज्यादा जोर पड़ता है और ऐसे में अगर ह्रदय रोग की दवाइयां, ह्रदय संबंधी सावधानियां बंद हो जाएं तो ह्रदय को मिलने वाला सपोर्ट बिल्कुल खत्म हो जाता है और अचानक से ह्रदय के कार्य करने की क्षमता धीमी पड़ सकती है। यह बात क्यूआरजी हेल्थ सिटी अस्पताल से ह्रदय रोग विभाग के निदेशक एवं वरिष्ठ विशेषज्ञ डॉ. राकेश राय सप्रा ने कही।

कोरोना मरीजों का एलोपैथी के साथ ही आयुर्वेदिक पद्धति से भी होगा इलाज

सिद्धेश्वर स्कूल सेक्टर नौ में शुरू हुआ 50 बेड का कोविड केयर सेंटर

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

सेवा भारती द्वारा सिद्धेश्वर स्कूल सेक्टर-9 स्कूल में बनाए गए कोविड केयर सेंटर का उद्घाटन सोमवार को विधायक सुधीर सिंगला ने किया। इस मौके पर सिविल सर्जन डॉ. वीरेंद्र यादव, श्री एसएन सिद्धेश्वर स्कूल व मंदिर के अध्यक्ष राम अवतार बिट्टू, शिक्षाविद् डॉ. अशोक दिवाकर समेत अनेक गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

गुरुग्राम शहर में ऑक्सीजन बेड व आइसोलेशन वार्ड की आवश्यकता को देखते हुए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़ी संस्था सेवा भारती ने यह 50 बेड का कोविड केयर सेंटर शुरू किया है। विधायक सुधीर सिंगला ने कहा कि इस सेंटर का संचालन करके सेवा भारती ने अपने नाम को सार्थक किया है। वास्तव में जिस तरह से कोरोना महामारी का प्रकोप है, उससे समाज विकट परिस्थिति से गुजर रहा। ऐसे में समाज के हर वर्ग को अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाने की आवश्यकता है। अनेक संस्थाएं इस पुनीत कार्य में लगी हुई हैं। सेवा भारती भी इस दिशा में सराहनीय कार्य कर रही है।

गुरुग्राम के सेक्टर-9 में सिद्धेश्वर स्कूल में कोविड केयर सेंटर का शुभारंभ करते विधायक सुधीर सिंगला।

सुधीर सिंगला के अनुसार सरकार इस महामारी से निपटने के लिए बेहतर कार्य कर रही है। अपने घरों में आइसोलेट कोरोना प्रभावित लोगों तक आक्सीजन सिलेंडर पहुंचाने का कार्य कर रही है। बीपीएल परिवारों को उनके खाते में पांच हजार रुपये दे रही है। प्रदेश सरकार बीपीएल कार्ड धारक को किसी भी अस्पताल में इलाज कराने पर 35 हजार रुपये तक का सहयोग कर रही है। हर स्तर पर सरकार काम कर रही है। फिर भी स्वयंसेवी संस्थाओं के सहयोग के बिना इस महामारी पर काबू पाना मुश्किल कार्य है। श्री सिंगला ने लोगों से भी आह्वान किया कि बदलते परिवेश में हमे भी अपनी कार्यशैली, जीवनशैली बदलने की आवश्यकता है। शारीरिक दूरी के साथ मास्क का नियमित प्रयोग करें। अनावश्यक घर से बाहर न निकले। शिक्षाविद डॉ. अशोक दिवाकर व सिद्देश्वर स्कूल के अध्यक्ष रामअवतार गर्ग का कहना है कि यह जनसेवा सेंटर पूर्णतया नि:शुल्क होगा। इलाज से लेकर दवा व भोजन की भी सुविधा उपलब्ध रहेगी। उनके अनुसार 24 घन्टे नर्स व चिकित्सक की पूर्ण व्यवस्था की गई है। इसके अलावा स्वयंसेवक भी लोगों की सेवा के लिए तत्पर रहेंगे।

इस सेंटर पर लगभग 20 स्वयंसेवक कार्य करेंगे। एक समय में 10 स्वयंसेवक कोरोना से पीड़ित लोगों का सहयोग करेंगे। यहां एलोपैथी इलाज के अलावा आयुर्वेदिक पद्धति से भी इस महामारी के प्रकोप को कम किया जाएगा। उनके अनुसार वातवरण को शुद्ध करने के लिए प्रतिदिन हवन यज्ञ के साथ ही योग साधना भी किया जाएगा। इस मौके पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विभाग कार्यवाह हरीश कुमार, महानगर कार्यवाह संजीव सैनी, सेवा भारती के जिला अध्यक्ष रामसजन सिंह, कोविड केयर सेंटर के सहयोगी दीपक कुमार, चिदंबरम, मोहित, भूपेंद्र, हरीश शर्मा के अलावा डिप्टी सीएमओ डॉ. अनुज गर्ग, डॉ. संजीव कुमार, डॉ. भारत भूषण विशेष रूप से उपस्थित थे।

गांवों में कोरोना का प्रसार रोकने को 7 हाई रिस्क क्षेत्रों में जुटा स्वास्थ्य विभाग

स्वास्थ्य विभाग की 138 टीमें घर-घर जाकर लोगों की कर रही हैं टेस्टिंग

3टी टेस्टिंग, ट्रेसिंग और ट्रीटमेंट पर ध्यान केंद्रित करते हुए किया जा रहा है काम

गुरुग्राम। जिला के ग्रामीण क्षेत्रों में कोरोना का प्रसार रोकने के उद्देश्य से स्वास्थ्य विभाग द्वारा 7 हाई रिस्क क्षेत्रों का एक्शन प्लान बनाया गया है। इसके तहत सघन टेस्टिंग अभियान चलाया जा रहा है, ताकि कोरोना संक्रमित मरीजों की जल्द से जल्द से पहचान कर उन्हें आइसोलेट करते हुए उनका ईलाज किया जा सके।

उपायुक्त डा. यश गर्ग ने बताया कि कोरोना की दूसरी लहर ने अब धीरे-धीरे ग्रामीण क्षेत्रों में भी अपने पैर पसारने शुरू कर दिए हैं। ऐसे में जरूरी है कि 3टी-टेस्टिंग, ट्रेसिंग व ट्रीटमेंट पर फोकस करते हुए कार्य योजना बनाई जाए। इसी कड़ी में राज्य सरकार के निर्देशानुसार जिला के ग्रामीण क्षेत्रों की ऐसे 7 पीएचसी क्षेत्रों नामत: भोंडसी, पलड़ा, बादशाहपुर, कासन, भांगरौला, भौड़ाकलां व फर्रूखनगर की पहचान की गई है, जहां पर कोरोना के मामले अपेक्षाकृत अधिक देखे जा रहे हैं। स्वास्थ्य विभाग द्वारा 3टी पर काम करते हुए 138 टीमें फील्ड में उतारी गई हैं, जो घर-घर जाकर एंटीजन टेस्टिंग के माध्यम से कोरोना के मरीजों की पहचान कर रही हैं। सिविल सर्जन डा. विरेन्द्र यादव ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग द्वारा कोरोना के लक्षण वाले मरीजों की मॉनीटरिंग की जा रही है। ग्रामीण क्षेत्रों में यह टेस्टिंग अभियान 8 मई से शुरू किया गया है। इन टीमों द्वारा 8 मई को 1669 घरों में रहने वाले लोगों के रैपिड एंटीजन टेस्टिंग से सैंपल लिए गए जिनमें से 25 लोग पॉजीटिव पाए गए। इसी प्रकार, 9 मई को 2194 ग्रामीणों के सेंपल एकत्रित किए गए, जिनमें से 33 लोगों की रिपोर्ट पॉजीटिव आई।

संक्षिप्त समाचार

दौला मार्ग पर बनी एमवीएन सोसायटी में कोरोना का विस्फोट

सोहना। दौला मार्ग पर स्थित एमवीएन सोसायटी में कोरोना का विस्फोट निकला। सोसायटी में मजदूरी करने वाले 10 से 12 मजदूरों के परिजन कोरोना संक्रमित पाए गए हैं। सभी मजदूरों को झोपड़ियों में ही क्वारेंटाइन किया गया है। शहर की सोसायटियों में रहने वाले परिवार कोरोना की चपेट में आने लगे हैं। इस वर्ष शहर में कोरोना ने सबसे पहले दस्तक गुरुग्राम मार्ग पर स्थित शहर की चुंगी नंबर एक पर स्थित एलडीको सोसायटी में कोरोना संक्रमित पास गए थे। जहां पर एक साथ तीन मामले कोरोना के पाए थे। एलडीको के बाद अब दौला मार्ग पर बनी एमवीएन सोसायटी में मजदूरी कर परिवार का पालन पोषण करने वाले 10 से 12 परिवारों के सदस्य कोरोना संकमित हो गए हैं। सोसायटी के अंदर ही मजदूर झोपड़ियों में रह रहे हैं। सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार सोसायटी के प्रशासकों ने इसकी जानकारी परिसर से बाहर नहीं जाने दी। जानकारों ने बताया कि सभी कोरोना संक्रमित मजदूरों को झोपड़ियों में ही आइसोलेट किया है। सूत्रों ने बताया कि मजदूरों ने तुरन्त ही आम लोगों से सम्पर्क तोड़ दिया है। जो स्वयं ही अपना खाना बनाकर खा रहे हैं।

हमले के आरोप में सात आरोपियों पर केस दर्ज

पलवल। चांदहट थाना क्षेत्र के अंतर्गत परिवार पर लाठी-डंडा व लोहे की रोड से हमला करने और जान से मारने की धमकी देने का मामला प्रकाश में आया है। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर सात नामजद आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस जांच अधिकारी धर्मेंद्र के अनुसार गांव सोल्ड़ा निवासी प्रेमपाल ने शिकायत दर्ज कराई है कि प्लाट में पशुओं के लिए खूंटे गाढ़ने को लेकर गांव निवासी किरणपाल के परिवार के साथ गत सात मई को कहासुनी हो गई थी। जिसका आठ मई को समझौता भी हो गया। आठ मई की शाम को पीड़ित का पुत्र सुंदर दुकान से सामान लेकर घर आ रहा था। उसी दौरान सुंदर को किरणपाल के पुत्र बंटी उर्फ विरेंद्र ने रास्ते में रोक लिया और उसके साथ मारपीट की। पीड़ित 9 मई की सुबह आठ बजे गांव के दो-तीन मौजीज लोगों को साथ लेकर किरणपाल के पास गया और दोनों पक्षों के बीच बातचीत शुरू हुई। उसी दौरान किरणपाल, बंटी, दयानंद, मनसो, योगेश, दलीप व सूरज ने मिलकर पीड़ित व उसके परिवार के सदस्य हुकमपाल, नानक उर्फ दुदा, सुंदर व अनीता पर लाठी-डंडा और लोहे की रोड से हमला कर दिया तथा जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए।

पुलिस ने कच्ची शराब बरामद की, आरोपी फरार

पलवल। चांदहट थाना क्षेत्र के अंतर्गत माला सिंह फार्म (बागपुर) के खेतों में भट्टी से कच्ची शराब निकाल रहे दो व्यक्ति पुलिस को देख मौके से फरार हो गए। पुलिस ने मौके से दस लीटर कच्ची शराब को बरामद कर एक नामजद व एक अन्य आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस जांच अधिकारी विनोद के अनुसार मुखबिर खास द्वारा सूचना प्राप्त हुई कि माला सिंह फार्म निवासी भजन सिंह शराब तस्करी का धंधा करता है और फिलहाल अपने खेतों में भट्टी लगाकर कच्ची शराब निकाल रहा है। सूचना मिलते ही टीम गठित कर मौके पर दबिश दी गई तो दो व्यक्ति दूर से ही पुलिस की गाड़ी के देख मौके से फरार हो गए। मौके से सफेद रंग की प्लास्टिक कैन को बरामद किया गया जिसमें दस लीटर कच्ची शराब भरी हुई थी। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

खाद्य सामग्री के रेट तय

पलवल। उपायुक्त नरेश नरवाल ने बताया कि कोविड-19 की परिस्थितियों के मद्देनजर जिला प्रशासन द्वारा आवश्यक वस्तुओं के तथा खाद्य सामग्री के रेट निर्धारित किए गए हैं ताकि कोई भी व्यक्ति निर्धारित दरों से अधिक रेट पर सामान की बिक्री न कर सके। जिला में इस समय खाद्य सामग्री का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है। उन्होंने बताया कि जिला में सोमवार 10 मई को सब्जियों व फलों के मंडी के रेट इस प्रकार रहे, जिसमें आलू की दर 700 से 850 रुपये प्रति क्विंटल, प्याज की दर 1000 से 1200 रुपये रुपये प्रति क्विंटल, टमाटर की दर 400 से 600 रुपये प्रति क्विंटल, घीया की दर 700 से 800 रुपये प्रति क्विंटल, गोभी 3000 से 4000 रुपये प्रति क्विंटल, हरी मिर्च की दर 1200 रुपये प्रति क्विंटल, कद्दू की दर 300 से 400 रुपये प्रति क्विंटल, बैंगन की दर 1200 से 1400 रुपये प्रति क्विंटल, खीरा की दर 500 से 700 रुपये प्रति क्विंटल, शिमला मिर्च की दर 800 से 1000 रुपये प्रति क्विंटल, लहसुन की दर 3200 से 3600 रुपये प्रति क्विंटल, फूल गोभी की दर 1500 रुपये प्रति क्विंटल, करेला की दर 700 से 1000 रुपये प्रति क्विंटल व भिंडी 1200 से 2200 रुपये प्रति क्विंटल की दर रही। उन्होंने बताया कि इसी प्रकार जिला में केले की दर 1500 रुपये प्रति क्विंटल, अंगूर की दर 4000 रुपये प्रति क्विंटल, सेब की दर 7000 रुपये प्रति क्विंटल, पपीता की दर 4000 रुपये प्रति क्विंटल तथा आम की दर 2800 से 3000 रुपये प्रति क्विंटल की दर रही।

नगर निगम गुरुग्राम ने दाह-संस्कार के रेट किए निर्धारित

गुरुग्राम। नगर निगम गुरुग्राम द्वारा दाह-संस्कार के लिए 5500 रुपये का चार्ज निर्धारित किया गया है। इसमें लकड़ियों का खर्च, पंडित की फीस एवं सफाई का शुल्क शामिल है। नगर निगम गुरुग्राम के आयुक्त द्वारा निगम सीमा में स्थित शमसान घाटों के इंचार्जों को निर्देश जारी किए गए हैं। जारी निर्देशों में कहा गया है कि आम जनता द्वारा यह शिकायत की गई थी कि विभिन्न श्मशान घाट इंचार्जों द्वारा अलग-अलग शुल्क वसूल किए जा रहे हैं। निगमायुक्त ने जनहित को ध्यान में रखते हुए 5500 रुपये की राशि निर्धारित की गई है। इन आदेशों की अवहेलना करने वालों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। आदेशों में श्मशान घाट इंचार्जों को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि वे इस बारे में रोजाना की रिपोर्ट नगर निगम गुरुग्राम को भेजना सुनिश्चित करेंगे।

व्यवस्था बनाए रखने को इंसीडेंट कमांडर नियुक्त

पलवल। जिलाधीश नरेश नरवाल ने जिला में कोविड-19 की परिस्थितियों के मद्देनजर कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से इंसीडेंट कमांडर नियुक्त किए हैं, जो ड्यूटी मजिस्ट्रेट के रूप में कोविड-19 की गाइडलाइन की अनुपालना सुनिश्चित करवाएंगे ताकि कोरोना संक्रमण को नियंत्रित किया जा सके। जिलाधीश नरेश नरवाल ने नगर परिषद पलवल के वार्ड नंबर-1,2,27 से 30 क्षेत्र के लिए जिला खाद्य एवं आपूर्ति नियंत्रक नरेंद्र सहरावत, नगर परिषद पलवल के वार्ड नंबर-10 से 17 क्षेत्र के लिए जिला शिक्षा अधिकारी अशोक कुमार बघेल, पुलिस स्टेशन गदपुरी क्षेत्र के लिए हरियाणा विद्युत प्रसारण निगम लिमिटेड पलवल के उपमंडल अभियंता देव रतन, पुलिस स्टेशन सदर पलवल क्षेत्र के लिए कृषि विभाग पलवल के उपमंडल अधिकारी कुलदीप तेवतिया को ड्यूटी मजिस्ट्रेट अथवा इंसीडेंट कमांडर नियुक्त किया गया है।

डोर-टू-डोर ऑक्सीजन का जल्द वितरण हो सुनिश्चित

कैम्प कार्यालय में निगमायुक्त जितेंद्र यादव ने अधिकारियों एवं डिलीवरी एजेंसियों के प्रतिनिधियों के साथ की बैठक

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

नगर निगम गुरुग्राम के आयुक्त जितेंद्र यादव ने सोमवार को कैम्प कार्यालय में निगम अधिकारियों एवं डिलीवरी एजेंसियों के प्रतिनिधियों के साथ एक विशेष बैठक की। उन्होंने निर्देश दिए कि डोर-टू-डोर लिक्विड मेडिकल ऑक्सीजन वितरण को कम से कम समय में मरीज तक पहुंचना सुनिश्चित किया जाए।

ऑक्सीजन वितरण को लेकर बैठक लेते नगर निगम आयुक्त जितेंद्र यादव।

इसके लिए नगर निगम के चारों जोनों में अलग-अलग टीमों को जिम्मेदारी देने के निर्देश दिए गए। एक जोन में जमैटो, एक जोन में डिलीवरी तथा 2 जोन में नगर निगम गुरुग्राम एवं सेवा भारती परिषद की टीमें डोर-टू-डोर ऑक्सीजन वितरण की व्यवस्था संभालेंगे। इसके अलावा नगर निगम गुरुग्राम की सीमा से बाहर के क्षेत्रों में नगर निगम गुरुग्राम की टीमें यह जिम्मेदारी निभाएंगी। श्री यादव ने कहा कि इस व्यवस्था में भुगतान के लिए अलग से बैंक खाता खुलवाया जाएगा। ऑक्सीजन का भुगतान क्यू आर कोड के माध्यम से सीधे बैंक खाते में होगा। प्रत्येक एजेंसी व टीम का अलग-अलग क्यूआर कोड होगा। उन्होंने कहा कि इस व्यवस्था में खाली सिलेंडर के बदले लिक्विड मेडिकल ऑक्सीजन से भरा हुआ सिलेंडर मरीज के घर पर उपलब्ध करवाया जाएगा। उन्होंने कहा कि होम आइसोलेशन में रहने वाले कोविड मरीज या उसके परिजन द्वारा पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन किया जा रहा है। प्राप्त आवेदन के आधार पर कम से कम समय में आवेदनकर्ता तक लिक्विड मेडिकल ऑक्सीजन पहुंचनी सुनिश्चित की जाएगी। यह व्यवस्था पहले आओ-पहले पाओ के सिद्धांत पर कार्य कर रही है। बैठक में वरिष्ठ आईएएस अधिकारी राजनारायण कौशिक, अतिरिक्त निगमायुक्त सुरेंद्र सिंह, एडिशनल म्युनिसिपल कमिश्नर रोहताश बिश्नोई, डिस्ट्रिक्ट ड्रग कंट्रोल ऑफिसर अमनदीप चौहान, सयुंक्त आयुक्त हरिओम अत्री, अधीक्षक अभियंता रमेश शर्मा, एटीपी सिद्धार्थ खण्डेलवाल सहित जमैटो व डिलीवरी कम्पनी के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

बिजली कर्मचारियों को भी कोरोना योद्धा घोषित करने की मांग

गुरुग्राम। कोरोना महामारी से लगातार बिजली कर्मचारी एवं अधिकारी संक्रमित हो रहे हैं। इस कारण कर्मी लगातार काल का ग्रास बन रहे हैं। इसलिए बिजली कर्मचारियों को भी कोरोना योद्धा घोषित किया जाए। यह मांग हरियाणा बिजली पेंशनर्स वेलफेयर एसोसिएशन गुरुग्राम की ओर से की गई है।

एसोसिएशन के ऑर्गेनाइजर बनवारी लाल शर्मा ने गुरुग्राम के हालात को देखते हुए राज्य सरकार एवं निगम मैनेजमेंटों से सुरक्षा की मांग की है। इस दौर में बिजली निगमों के कच्चे पक्के कर्मचारी एवं अधिकारी लगातार अपनी जान को जोखिम में डालकर फील्ड में लाइनों पर रात दिन कार्य करते रहते हैं। इस कारण वे संक्रमित भी हो रहे हैं।

पूर्व मंत्री कैप्टन अजय ने सीएम के समक्ष रखे गुरुग्राम के हालात

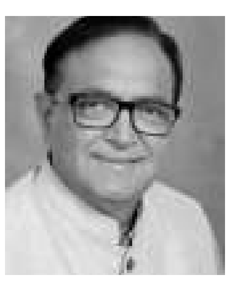

गुरुग्राम। कोरोना काल में गुरुग्राम में स्वास्थ्य सेवाओं की बढ रही समस्याओं को लेकर सोमवार को पूर्व मंत्री कैप्टेन अजय सिंह यादव ने मुख्यमंत्री मनोहर लाल से चंडीगढ में उनके निवास स्थान पर जाकर दूरभाष के माध्यम से गुरुग्राम के हालात रखे।

कैप्टन अजय यादव ने कहा कि प्रदेश की आर्थिक राजधानी कहा जाने वाला गुरुग्राम के अस्पतालों में ऑक्सीजन नहीं है। वेंटिलेटर की कमी के चलते लोग दम तोड रहे हैं। इसलिए वित्त मंत्री होने के नाते जल्द से जल्द परचेज कमेटी द्वारा वेंटिलेटर की खरीदारी करवाई जाए। प्रदेश में रोजाना करीब 15 हजार मामले आ रहे हैं और सेंकड़ों लोग कोरोना से मर रहे हैं। ऐसी परिस्थिति में लोगों को आर्थिक पैकेज व सूखा राशन दिया जाए। प्रदेश में कंप्लीट लॉकडाउन लगाया जाए, ताकि कोरोना की चेन को तोड़ा जा सके। श्री यादव ने कहा कि कोरोना काल में गुरुग्राम में जमकर कालाबाजारी हो रही है। उन पर भी कड़ा संज्ञान लेने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि गुरुग्राम के अस्पतालों में खाली बेड नहीं मिल रहे हैं। ऐसे में गुरुग्राम में जल्द से जल्द अस्थाई अस्पताल बनाने के आवश्यकता है। कैप्टन अजय सिंह ने गांवों के हालात ऐसे हो गए है कि लगभग हर परिवार में कोई न कोई बीमार है।

लगभग हर गांव में किसी न किसी व्यक्ति की कोरोन से मौत हो चुकी है। गांवों में कोरोना के टेस्ट नहीं हो रहे, साथ ही वैक्सिनेशन का भी बुरा हाल है। गांवों में पीएचसी सेंटर दूर-दूर स्थापित हैं। कैप्टन के मुताबिक मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने आश्वासन दिया है कि आपके द्वारा बताई गई सभी खामियों का तुरंत प्रभाव से समाधान किया जाएगा।

तीन सदस्यीय टीम देखेगी ऑक्सीजन आपूर्ति

गुरुग्राम। जिला में कोरोना संक्रमित होम आइसोलेशन में रह रहे मरीजों को लिक्विड ऑक्सीजन की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए जिला प्रशासन ने वरिष्ठ आईएएस अधिकारी राज नारायण कौशिक की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय विशेष टीम का गठन किया है।

इस विशेष टीम के सदस्यों में गुरुग्राम नगर निगम के अतिरिक्त आयुक्त सुरेंद्र सिंह और जिला रेडक्रॉस सोसायटी के सचिव श्याम सुंदर शर्मा को शामिल किया गया है। गुरुग्राम के जिलाधीश डॉ. यश गर्ग ने इस संबंध में आदेश जारी किए हैं, जिनमें कहा गया है कि यह टीम जरूरतमंद मरीजों को समय पर लिक्विड ऑक्सीजन की आपूर्ति सुनिश्चित करेगी। ऑक्सीजन वितरण में एनजीओ तथा अमेजॉन, जोमेटो, देहलीवेरी आदि का उपयोग इस प्रोजेक्ट की सफलता के लिए कर सकती है। टाइप-बी और टाइप-डी के सिलेंडरों के रीफिलिंग और डिलिवरी के रेट भी यही विशेष टीम निर्धारित करेगी और इनको उपायुक्त से अधिसूचित करवाएगी।

शहर में कोरोना संक्रमित मरीजों की संख्या में आ रही कमी

पायनियर समाचार सेवा। सोहना

स्वास्थ्य विभाग एक बार फिर से शहर के अति संवेदनशील वार्ड और कॉलोनियों में कोरोना जांच के शिविर लगाएगा। ताकि कोरोना संक्रमितों की खोज हो सके। शहर में कोरोना संक्रमितों की संख्या घटना के साथ-साथ होम आइसोलेट के ठीक होने का ग्राफतेजी से बढ़ रहा है। स्वास्थ्य विभाग के टीकाकरण और कोरोना जांच के अभियान से कोरोना संक्रमितों की संख्या अब कम होने लगी है।

कोरोना संक्रमण रोग की शहरी क्षेत्र में उल्टी गिनती शुरू हो गई है। सोमवार को 48 घंटे पहले की गई करीब 150 लोगों की कोरोना जांच में 15 संक्रमित पाए गए है। सोमवार को 12 कोरोना संक्रमित ठीक हुए हैं। होम आइसोलेट होने वालों की संख्या 98 पहुंच तक आ गई है। पिछले चार दिन से आ रही रिपोर्ट के अनुसार होम आइसोलेट होने वालों की संख्या

सोहना के नागरिक अस्पताल में कोरोना की जांच करते हुए।

100 से कम रही है। जिसमें सात मई को 76, 8 मई को 94, 9 मई को 95 और 10 मई को 98 रही है। जबकि पांच मई को होम आइसोलेट होने वालों की संख्या 132 थी। जो छह मई को 107 पर आ गई थी। उसके बाद से आइसोलेट होने वालों की संख्या में दिन प्रति दिन गिरावट हो रही है।

जो स्वास्थ्य विभाग के साथ-साथ आम लोगों के लिए राहत की बात है। कोरोना संक्रमित होने वालों की संख्या में भी कमी आने लगी है। आठ मई को संक्रमितों की संख्या 57 थी। रविवार को यह संख्या 13 और सोमवार को 12 रह गई है।

क्या कहते हैं एसएमओ

नागरिक अस्पताल के एसएमओ डॉक्टर नवल किशोर ने बताया कि कोरोना संक्रमितों की पहचान के लिए नागरिक अस्पताल की तरफ से अधिक संवेदनशील कॉलोनियां व वार्डों में जांच के शिविर लगाएं जाएंगे। जहां पर एन्टीजन के टेस्ट होंगे। सोमवार को शहर के वार्ड-5 में स्थित अंबेडकर भवन में शिविर लगाकर शुरुआत की गई।

दूसरे चरण के लॉकडाउन में पुलिस हुई सख्त, बाजार बंद कराए

पायनियर समाचार सेवा। सोहना

स्थानीय पुलिस ने दूसरे चरण के सम्पूर्ण लॉकडाउन में घरों से बाहर निकलने वालों पर शिकंजा कसना शुरु कर दिया है। पुलिस ने सोमवार सुबह ही बाजारों में खुली दुकानों को साढ़े आठ बजे से ही बंद करना शुरू कर दिया। जिससे बाजारों और सड़कों पर भीड़ कम हो गई। पुलिस का सख्त रवैया देखते हुए पूरा दिन स्थानीय सड़कें सुनसान पड़ी रहीं।

सोमवार से प्रदेश में लागू दूसरे चरण के साप्ताहिक सम्पूर्ण लॉकडान के पहले ही दिन प्रशासन और पुलिस के आदेशों में सख्ती नजर आई। पुराने शहर के मुख्य रास्तों पर बैरिकेडिंग करके पुलिस कर्मियों को तैनात कर दिया। शहर के बाजारों में खुली दुकानों को एक घंटे पहले ही बंद करानी शुरू कर दिया। पुलिस सुबह आठ बजे ही बाजारों की सड़कों पर उतर आई। जिससे घरों से जरूरत का

गुरुग्राम जाने वाला एलिवेटेड मार्ग पर पसरा सन्नाटा। सोहना की चुंगी नंबर एक पर पुलिसकर्मी नाकाबंदी करके बाइक सवार दंपति को रोकर लॉकडाउन का पाठ पढ़ाते हुए।

सामान की खरीरी करने निकले लोगों में हड़कंप मच गया।

सोहना की सीमाएं सील

शहरी पुलिस ने दूसरे शहरों से आने वाले मार्गों पर सख्ती बरते हुए नाकाबंदी कर दी। नूंह, पलवल, मिडकौला, गुरुग्राम, तावडू को जाने वाली सड़कों पर शहर की सीमा में घुसने में पांबदी कर दी। सिटी चौकी पुलिस ने शहर के अंदर की सड़कों पर आने जाने वालों को पकड़ा और बिना कारण निकलने वालों पर सख्ती बरती।

सड़कों पर नहीं दिखे वाहन

सोमवार को शहर की अंदर और बाहर की सड़कों पर वाहनों की गति पर ब्रेक लग गया। गुरुग्राम-सोहना के बीच राष्ट्रीय एलिवेटेड मार्ग पर भी छोटे वाहन ही दौड़ते नजर आए।

क्या कहते हैं अधिकारी

सिटी थाना प्रभारी इंस्पेक्टर अरविन्द कुमार ने बताया कि उच्चाधिकारियों के आदेश को पूर्णरूप से लागू किया जा रहा है। लॉकडाउन के नियम तोड़ने वालों पर केस दर्ज करने के साथ-साथ वाहनों को जब्त किया जाएगा। जिसके लिए पुलिस की टीमों को चयन करके नाकों पर तैनात कर दिया है।

पुलिस ने एलिवेटेड मार्ग पर सिटी थाना, अंबेडकर बाईपास चौक और चुंगी नंबर एक पर बैरिकेडिंग करके वाहना चालकों को लॉकडाउन का पाठ पढ़ाते हुए कानून का उल्लंघन न करने की सलाह दी।

सीएनएच इंडस्ट्रीयल द्वारा कोविड-19 के मामलों से निपटने के प्रयास जारी

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा/ग्रे.नोएडा

पूरे देश में कोविड-19 महामारी की दूसरी लहर को देखते हुए सीएनएच इंडस्ट्रियल ने कोविड-19 की रोकथाम के कई कदम उठाये हैं और इस कठिन समय में अपने कर्मचारियों और उनके परिवारों के साथ खड़ा रहने को प्रतिबद्ध है। महामारी की शुरुआत से ही कम्पनी अपने ग्रेटर नोएडा, पुणे, पीथमपुर प्लांट और गुड़गांव कॉर्पोरेट कार्यालय में आवश्यक सावधानियां बरत रही है जैसे कि दैनिक तापमान की जांच, सामाजिक दूरी बनाए रखना, अरोग्य सेतु ऐप पर अनिवार्य पंजीकरण, कम्पनी के सभी केंद्रों पर मास्क और दस्ताने के साथ-साथ आंखों की सुरक्षा के उपकरणों का प्रावधान करना और फिर दैनिक स्वच्छता में नियमितता बरतना।

सीएनएच इंडस्ट्रीयल, इंडिया और सार्क के कंट्री मैनेजर, रौनक

कर्मचारियों और उनके परिवारों की मदद के लिए टास्क फोर्स का गठन

वर्मा ने बताया, सीएनएच इंडस्ट्रियल में हमारे लिए सबसे पहले और सबसे महत्वपूर्ण कर्मचारियों का स्वास्थ्य और सुरक्षा है। हम ने अपने कार्मिकों के मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य की रक्षा के सभी उपाय किए हैं। हमारी नेतृत्व टीम और मेरे द्वारा हमारे कार्य स्थलों की स्थिति की रियल टाइम सीधी निगरानी की जाती है ताकि यदि कोई कर्मचारी बीमार हो और अस्पताल में भर्ती हो तो समय से सेवा और सहायता दी जाए। उन्होंने बताया, वैक्सीन जैसे ही उपलब्ध होंगे हम अपने सभी कर्मचारियों के लिए वैक्सीन की व्यवस्था करने को प्रतिबद्ध हैं। यह काम पूरा होने के बाद हम कार्य क्षेत्र में आने के लिए वैक्सीनेशन होना अनिवार्य करने का लक्ष्य रखते हैं ताकि हमारे परिसर सुरक्षित रहें।

इस बीच हम कर्मचारियों को वायरस से बचाने के मोर्चे पर सबसे आगे रहेंगे और इसमें सरकार की मदद करते रहेंगे। हालांकि यह कदम भारत के सभी जिम्मेदार व्यवसाय संगठन आमतौर पर लेते हैं लेकिन सीएनएच इंडस्ट्रीयल इस लिहाज से खास है कि इसने कर्मचारियों के स्वास्थ्य और सुरक्षा के लिए कई अतिरिक्त महत्वपूर्ण उपाय किए हैं, जिनमें कोविड संक्रमण के प्रति सभी कर्मचारियों और उनके निकटतम परिवार जनों के लिए बीमा - जांच में पॉजिटिव या घर पर क्वारेंटाइन सभी कर्मचारियों को 50,000 की आर्थिक सहायता दी जाती है।

सुरक्षित हरियाणा लॉकडाउन का पालन कराने के लिए पुलिस ने निकाला फ्लैग मार्च

लोग घरों में रहकर कोरोना बीमारी से बचाव करें

ललित गर्ग। पुन्हाना

फ्लैग मार्च निकालते हुए डीएसपी।

सोमवार से प्रदेश सरकार द्वारा पुनः लगाए गए सुरक्षित हरियाणा के नाम से लॉकडाऊन का पालन कराने के लिहाज से स्थानीय पुलिस प्रशासन शहर में पूरी तरह सख्त दिखाई दिया। पुलिस कप्तान नूंह के दिशा निर्देशानुसार डीएसपी पुन्हाना शमशेर सिंह के नेतृत्व में पुन्हाना थाना, सिटी चौकी व सीएस स्टाफ की टीम ने शहर में फ्लैग मार्च निकालकर लोगों को सरकार और प्रशासन द्वारा दिये जा रहे लॉकडाउन के नियमों का पालन करने का आह्वान किया।

ऐसे में पुलिस प्रशासन ने चोरी छिपे दुकान खोलने वाले दुकानदारों व बिना काम के घरों से बाहर घूमने वाले लोगों पर सख्ती से पेश आएं और इस तरह दोबारा दुकानें नहीं खोलने और फिजूल में बाहर नहीं घूमने की चेतावनी दी।

डीएसपी शमशेर सिंह ने बताया कि प्रदेश सरकार दोबारा 17 मई तक लॉकडाउन समय बढ़ाते हुए लोगों को घरों में रहकर इस कोरोना बीमारी से बचाव का आह्वान किया है। इसमें हम सभी का फर्ज बनता है कि ऐसी महामारी से बचने के लिए हमें बचाव की जरूरत है। सरकार और प्रशासन का पूरा पूरा प्रयास है कि प्रदेश की जनता सुरक्षित रखने को लेकर अब की बार सरकार ने इस लॉकडाउन को सुरक्षित हरियाणा के नाम से शुरू किया है। जिसमें पूरी तरह सख्ती से इस लॉकडाउन का पालन कराया जाना है। डीएसपी शमशेर सिंह की अगुवाई में शहर के बस स्टैंड, मेन बाजार, पंजाबी कॉलोनी, सब्जी मंडी, जैन मंदिर मार्ग, जमालगढ़ रोड इत्यादि मार्गों से फ्लैग मार्च निकाला गया। इस दौरान बाजारों में गाड़ियों या बाइकों से बिना काम घूम रहे लोगों को चेतावनी देकर छोड़ा और चोरी छिपे दुकानों को खोलने वाले दुकानदारों को भी कड़े शब्दों में कहा कि सरकार व प्रशासन की लॉकडाउन की हिदायतों को सभी पूरा करें, अन्यथा पुलिस प्रशासन पूरी सख्ती से कार्रवाई करेगा। डीएसपी पुन्हाना शमशेर सिंह ने कहा कि देश और प्रदेश में फैली कोरोना महामारी से डरने की जरूरत नहीं है, लेकिन इससे सभी को बचने की जरूरत है। वह तभी सम्भव है जब हम लोग सामाजिक दूरी, मास्क, सैनिटाइजर प्रयोग व बिना काम घरों से न निकलने जैसे नियमों का पालन करेंगे। इसलिए सभी इस बीमारी से बचने के लॉकडाउन का पालन करें।

संक्षिप्त समाचार

दो माह के लिए अवैध खनन पर प्रतिबंध

नूंह। जिले के अरावली क्षेत्र में अवैध खनन रोकने संबंधी सर्वोच्च न्यायालय के आदेश का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए नूंह के जिलाधीश धीरेंद्र खड़गटा ने आदेश जारी किए हैं। जारी आदेशों में आपराधिक प्रक्रिया संहिता, 1971 की धारा 144 के तहत जिले के पहाड़ी क्षेत्रों में गैरकानूनी अवैध खनन कार्यों पर सख्ती से प्रतिबंध लागू करने और जिले की सीमा में इस मकसद के लिए उपयोग विस्फोटक पदार्थों, जेसीबी मशीन, ड्रील मशीन जो ट्रैक्टर के साथ जुड़ी है के प्रवेश और प्रयोग पर प्रतिबंध रहेगा। ताकि अवैध खनन का कार्य जिले के गैर मुनकिन पहाड़ों पर न हो सके। ये आदेश आगामी दो माह के लिए तुरंत प्रभाव से लागू किए गए हैं। जिलाधीश धीरेंद्र खड़गटा ने जारी आदेशों में कहा है कि विस्फोटक पदार्थों के साथ अवैध खनन गतिविधि मानवीय जीवन, उनके स्वास्थ्य व सुरक्षा के लिए खतरा हैं। उन्होंने बताया कि यह आदेश आगामी सात जुलाई तक लागू रहेंगे। इस अवधि के दौरान नूंह जिले की सीमा के भीतर कोई भी व्यक्ति पहाड़ी क्षेत्रों में अवैध खनन के मकसद से विस्फोटक पदार्थों, जेसीबी मशीन, ड्रील मशीन जो ट्रैक्टर के साथ जुड़ी है के प्रयोग व प्रवेश पर प्रतिबंध रहेगा। उन्होंने अपने आदेशों में कहा है कि जनहित में सरकारी विकास कार्यों के लिए मशीनों के प्रयोग के लिए संबंधित उपमंडल मजिस्ट्रेट से लिखित अनुमति लेनी होगी। आदेश की अवेहलना करने वालों पर आईपीसी के तहत कार्रवाई होगी।

सभी राशन कार्ड धारक डिपो होल्डर से पीओएस रशीद प्राप्त करें

नूंह। हरियाणा सरकार ने एएवाई व बीपीएल और ओपीएच कटैगरी के कार्ड धारकों को माह मई में सरकार द्वारा निर्धारित राशन प्रदान किया जाएगा। यह जानकारी देते हुए उपायुक्त धीरेन्द्र खड़गटा ने बताया कि मई माह का राशन सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करते हुए निम्नलिखित प्रकार से वितरण किया जाना है। एएवाई राशन कार्ड पर 35 किलो ग्राम गेहूं 02 रुपये प्रति किलो प्रति राशन कार्ड, एक किलो चीनी 13.50 रुपये प्रति किलो, नमक एक किलो छह रुपये प्रति किलो और दो लीटर सरसों का तेल 20 रुपये प्रति लीटर प्रदान किया जाएगा। बीपीएल राशन कार्ड पर माह अप्रैल में पांच किलो गेहूं दो रुपये प्रति किलो प्रति व्यक्ति, एक किलो चीनी 13.50 रुपये प्रति किलो और दो लीटर सरसों का तेल 20 रुपये प्रति लीटर व नमक एक किलो छह रुपये प्रति किलो प्रदान किया जायेगा। ओपीएच राशन कार्ड पर मास मई में पांच किलोग्राम गेहूं दो रुपये प्रति किलोग्राम, प्रति यूनिट के हिसाब से दी जाएगी। उन्होंने बताया कि खाद्य आपूर्ति विभाग द्वारा सभी निरीक्षकों को आदेश दिए गए हैं कि वे सोशल डिस्टेंसिंग का पालन कराते हुए सभी डिपो धारकों को प्रतिदिन सुबह से शाम तक खुलवाने का कार्य करेंगे। यदि किसी भी डिपो धारक द्वारा सोशल डिस्टेंसिंग में कोई कोताही बरती गई तो उसके विरुद्ध विभाग कड़ी कार्रवाई करेगा। किसी भी कार्ड धारक को डिपो धारक से राशन प्राप्त होने में कोई कठिनाई आती है तो व उसके निवारण के लिए जिला कंट्रोल रूम एवं खाद्य आपूर्ति विभाग से संपर्क कर सकता है। उन्होंने सभी राशन कार्ड धारकों से अनुरोध किया है कि वह डिपो धारकों से प्राप्त किए गए राशन की पीओएस रशीद, स्लिप अवश्य प्राप्त करें।

आहूं गांव का ग्रामीण इतिहास शोध का एक अनुपम उदाहरण

कैथल। गांव आहूं राज्य का ऐसा गांव बना गया है जिसके पास अपना व्यवस्थित, प्रमाणित तथा लिखित इतिहास है। केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल के पूर्व अधिकारी शिव कुमार शर्मा द्वारा पांच वर्षों के गहन शोध के बाद ऋगवेद कालीन गांव आंहू पर लिखी 28 पृष्ठ की इस पुस्तक का विमोचन जिला एवं सत्र न्यायाधीश चन्द्रशेखर वाशिष्ठ ने एक वर्चुवल कार्यक्रम में किया। न्यायाधीश चन्द्रशेखर वशिष्ठ ने कहा कि गांव का इतिहास अभी तक भी पूर्ण रूप से उपेक्षित ही रहा है। राजाओं महाराजाओं, रियासतों और नगरों के तो इतिहास लिखे गए परंतु गांव के प्रमाणिक इतिहास लिखने पर इतिहासकारों का ध्यान नहीं गया। इसका एक बड़ा कारण गांव को लेकर किसी प्रमाणिक शोध सामग्री का उपलब्ध न होना है। इस दृष्टि से आहूं गांव का ग्रामीण इतिहास शोध का एक अनुपम उदाहरण है। पूंडरी के विधायक, हरियाणा पर्यटन निगम के चेयरमैन रणधीर गोलन ने कहा कि गांव का इतिहास रूचि पूर्ण बातों से भरा होता हैलेकिन उपेक्षा के कारण धीरे-धीरे खत्म होता रहता है। गांव के इतिहास में सबसे आकर्षण पहलू यह है कि इसमें अपने ही पूर्वजों और स्थानों का वर्णन होता है जिससे लोग सबसे अधिक जुड़ाव महसूस करते हैं। इस दृष्टि से यह केवल आहूं गांव का ही नहीं अपितु पूंडरी क्षेत्र तथा संपूर्ण कुरुक्षेत्र जनपद का भी इतिहास है। कैथल के विधायक लीलाराम ने इस पुस्तक को कैथल जिले के लिए अत्यंत संग्रहणीय बताते हुए इतिहासकारों से आह्वान किया है कि अब गांवों के इतिहास लेखन की ओर चले। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार संजीव शर्मा ने इस अवसर पर कहा कि प्राचीन नदी सरस्वती के आसपास बसी वैद्दिक सभ्यता के अवशेष अब भी कुरुक्षेत्र जनपद के गांव गांव में बिखरे हुए हैं, बस उन्हें संजोने की आवश्यकता है। इस पर काफी शोध कार्य हुआ लेकिन काफी कुछ होना अभी शेष है। पुस्तक के लेखक शिव कुमार शर्मा ने बताया कि आहूं गांव अहन नामक प्राचीन तीर्थ के नाम पर पड़ा। इसका वर्णन ऋगवेद में भी है। इस शोध कार्य के दौरान हजारों बैबसाइटों, सैकड़ों भारत और पाकिस्तान के आहू के जुड़े लोगों से बातचीत, अनेक संग्रहालयों से मिले दस्तावेजों ने बहुत मदद की। पुस्तक में गांव के प्रशासन के पुराने नियम कायदे, जमीन से संबंधित मामले, गांव की आबादी, शिक्षा, स्वास्थ्य तथा गांव के विशेष लोगों पर भी अलग-अलग अध्याय है। गांव में एक किला भी था। यह लगभग 100 साल तक एक सिख परिवार की जागीर भी रहा। उन्होंने बताया कि इस पुस्तक को अब वह अंग्रेजी व उर्दू में भी अनुवादित करने पर विचार कर रहे हैं। बाद में उन्होंने गांव के मंदिर में इस पुस्तक के लिए महत्वपूर्ण जानकारियां देने वाले आहूं के ही चौधरी बलवंत सिंह और चौधरी कर्ण सिंह को उनके पोर्ट्रेट भेंट कर उन्हें सम्मानित किया तथा घर-घर जाकर लोगों को पुस्तक की प्रतियां बांटी।

जिले में जल्द शुरू होगा 100 बेड का क्रिटिकल केयर सेंटर

रोहतक मेडिकल कॉलेज के स्टाफ से बढ़ेगी सीएचसी में बेड की संख्या

दीपक कुमार। नूंह

होम क्वारेंटाइन में ऑक्सीजन का सुविधा लेते कोरोना मरीज।

उपायुक्त धीरेंद्र खड़गटा ने कहा है कि कोरोना के इस संकट के दौर में जिला प्रशासन लगातार अपने स्वास्थ्य सुविधाओं की क्षमता बढ़ा रहा है और आने वाले वक्त में हम इस बीमारी पर जल्दी ही सफलता प्राप्त करने में कामयाब होंगे।

उपायुक्त ने बताया कि प्रदेश सरकार लगातार इस जिले के लिए लगातार सहयोग कर रही है और इसी के चलते हैं जल्द ही 100 बेड का एक क्रिटिकल केयर सेंटर जिले में जल्द ही स्थापित कर लिया जाएगा, जिसमें से 25 बेड इसी सप्ताह शुरू होने की संभावना है। अगर ऐसा होता है तो हम जिले के हमारे मौजूदा वेंटीलेटर्स का भी सही इस्तेमाल कर पाएंगे और कुछ वेंटिलेटर स्कोर आसपास के इलाकों में भेजकर जिले का दबाव कम कर पाएंगे। इसके साथ ही जिला उपायुक्त ने बताया कि आने वाले वक्त में आईसीयू बेड की संख्या भी बढ़ाई जा रही है जो अत्याधुनिक वेंटीलेटर्स और सभी प्रकार की सुविधाओं से लैस होंगे। उपायुक्त ने बताया कि इसके लिए स्टाफ भी पीजीआई रोहतक से जिले को मिल रहा है जल्द ही वहां से विशेषज्ञ और पीजी स्टूडेंट जिले में भेजे जाएंगे। इसके अलावा 100 इंटर्न भी जिले के अलग-अलग कोविड सेंटर और सीएचसी में तैनात किए जाएंगे। जिससे कि सीएससी में भी बेड की संख्या बढ़ाई जा सके। ऑक्सीजन की सप्लाई आज के वक्त में सबसे बड़ी जरूरत है और इसीलिए मौजूदा 16 ऑक्सीजन की सप्लाई पॉइंट्स को बढ़ाकर नल्हड़ मेडिकल कॉलेज के लिए यह संख्या 40 तक ले जाने की योजना है। इसके अलावा मांडीखेड़ा अस्पताल में भी एक सेंट्रलाइज ऑक्सीजन सप्लाई जल्द ही की जाएगी जो 100 बेड की सुविधाएं वहां पर और बढ़ा देगी। उपायुक्त ने कहा कि लगातार जिला प्रशासन को सरकार की तरफ से सहयोग मिल रहा है और उन्हें उम्मीद है कि आने वाले वक्त में जल्द ही इस कोरोना की बीमारी के खिलाफ जंग जीत ली जाएगी।

कोविडग्रस्त होम क्वारेंटाइन मरीजों को मेडिकल आक्सीजन की होम डिलीवरी

नूंह। हरियाणा सरकार के निर्णय अनुसार जिले में मेडिकल ऑक्सीजन की सप्लाई नियमित रखने के लिए होम डिलीवरी की सुविधा शुरू कर दी गई है। उपायुक्त धीरेन्द्र खड़गटा ने जानकारी देते हुए बताया कि जिले में मेडिकल आक्सीजन के रीफिल सिलेंडर के लिए 19 जरूरमंद व्यक्तियों के आनलाइन पोर्टल पर आवेदन प्राप्त हो चुके हैं। उनमें आठ आवेदनकर्ताओं को मेडिकल आक्सीजन के रीफिल सिलेंडर संस्थाओं के माध्यम से उपब्लध कराये जा चुके हैं।

उन्होंने बताया कि अन्य व्यक्तियों को आक्सीजन उपलब्ध कराने का कार्य प्रगति पर है। जिला स्तर पर रेडक्रॉस सचिव महेश गुप्ता के नेतृत्व में मेडिकल आक्सीजन के कार्य के लिए दायित्व दिया है। उपायुक्त के आदेश का पालन करते हुए जिले में कार्यरत समाजसेवी संस्था, भूतपूर्व सैनिक, सामाजिक कार्यकर्ता के साथ मेडिकल आक्सीजन सिलेंडर रीफलिंग से सम्बन्धित बैठक का आयोजन रेडक्रॉस भवन, नूंह में किया। जिसमें हरियाणा सरकार द्वारा निर्धारित पोर्टल के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी दी गई।

24 घंटे में उपलब्ध होगी मेडिकल आक्सीजन

उपायुक्त ने बताया कि कोविड-19 महामारी को हल्के में लेना सबसे बड़ी चूक है अतः कोरोना से प्रभावित व्यक्ति जिसे मेडिकल आक्सीजन की आवश्यकता है वह http://o&ygenhry.in पोर्टल पर अपना रजिस्ट्रेशन कराएं ताकि अतिशीघ्र मेडिकल आक्सीजन की रीफलिंग नियमानुसार की जा सके। इसी श्रृंखला को बढ़ाते हुऐ रेडक्रॉस टीम के माध्यम से सरकार द्वारा निर्धारित पोर्टल पर 32 समाजसेवी संस्थाओं और 300 से अधिक स्वयंसेवकों का रजिस्ट्रेशन किया गया। इन समाजसेवी संस्थाओं एवं स्वयसेवकों के माध्यम से जरूरतमंद व्यक्तियों को पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन उपरान्त 24 घंटे के अन्दर मेडिकल आक्सीजन के रीफलिंग सिलेंडर उपलब्ध कराये जाएंगे। कोरोना वायरस की परिस्थिति को ध्यान में रखते हुए रेडक्रॉस टीम एवं स्वयंसेवक ग्राम स्तर पर पहुँचकर आमजन को जागरुक करेंगे।

नशे की दवाइयों के साथ एक गिरफ्तार

पुलिस गिरफ्त में आरोपी।

पुन्हाना। पुन्हाना थानांतर्गत चांदडाका चौकी पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर एक आरोपी को नशे में प्रयुक्त होने वाली प्रतिबंधित दवाइयों की ढाई सौ शीशी के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस के मुताबिक किसी भी सूरत में नशीले पर्दाथों की बिक्री बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

चांदडाका चौकी प्रभारी राजेश कुमार ने बताया कि उन्हें गुप्त सूचना मिली कि गांव मानोता में अंजुम नामक व्यक्ति नशे में प्रयोग होने वाली कोरेक्स दवाई की बिक्री करता है। यह दवाई प्रतिबंधित है और इसे नशे में प्रयोग किया जाता है। जो इस समय काफी मात्रा में नशे की शीशियों को बिक्री कर रहा है, जो इस समय मौके पर छापेमारी की जाए तो भारी मात्रा में शीशियों के साथ आरोपी पकड़ में आ सकता है। सूचना पाकर प्रभारी राजेश कुमार ने टीम गठित मौके पर छापेमारी की तो आरोपी के घर से दो सौ चालीस कोरेक्स दवाई की शीशियां बरामद हुईं। जो कि आरोपी इन्हें नशे में प्रयोग करने वाले लोगो को बिक्री करता था। यह दवाइयां पूर्ण रूप से प्रतिबंधित हैं। मौके से आरोपी अंजुम पुत्र सफी मोहम्मद निवासी मानोता को गिरफ्तार किया है। प्रभारी राजेश कुमार ने बताया कि आरोपी के मामला दर्ज कर लिया है। किसी भी सूरत में नशीले सामानों की बिक्री बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

डीसी ने आईटीआई और पीएचसी का किया दौरा

नूंह। उपायुक्त धीरेन्द्र खड़गटा ने सोमवार को खंड पिनगवां आईटीआई व पीएचसी का दौरा कर पिनगवां में जारी स्वास्थ्य सुविधाओं और कोरोना को लेकर प्रशासन की तैयारियों का जायजा लिया। उपायुक्त ने बताया कि जल्द ही पिनगवां खंड में कोविड केयर सेंटर पीएचसी में बना जाएगा और 32 स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी व कर्मचारी का स्टाफ स्थानांतरित किया जाएगा। इसके अलावा उन्होंने कहा कि पीएचसी नई बिल्डिंग को जल्दी स्वास्थ्य विभाग के सौंप दिया जाएगा। जिसे एक आधारभूत ढांचा आने वाले वक्त में इस कोरोना के खिलाफ लड़ाई के लिए तैयार हो सके और यहां कोविड केयर सेंटर बनाया जा सके। इसके साथ ही उपायुक्त ने बताया कि पीएचसी पिनगवां में जल्द ही 30 ऑक्सीजन बेड मुहैया कराए जाएंगे। इन 30 बेड के बढ़ जाने से आसपास के इलाकों से दबाव थोड़ा कम होगा और पिनगवां के पास लगते क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाएं बढ़ पाएंगी।

बच्चों की कहासुनी में खूनी संघर्ष गोली लगने से एक की मौत

पायनियर समाचार सेवा। नूंह

नूंह खंड के गांव मेवली में बच्चों को लेकर दो पक्षों के बीच हुए खूनी संघर्ष में गोली लगने से 25 वर्षीय युवक साबिर हुसैन पुत्र मजीद की मौत हो गई। वहीं झगड़े में कई लोग घायल हो गए। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और झगड़ा शांत कराया।

जानकारी के अनुसार रविवार को क्षेत्र में हुए बरसात के बाद देर शाम को गांव मेवली में मजीद पुत्र हंसा पक्ष के बच्चे एक गली में बैठे हुए थे। इसी दौरान वहां से अय्युब पुत्र अब्दुल पक्ष के कई युवाओं ने उन्हें अंधेरे में टॉर्च जलाकर देखा तो इसी बात को लेकर शाम को उनके बीच मामूली विवाद हो गया। इसके बाद सोमवार को इसी मामले को लेकर दोनों पक्षों के बीच आमने सामने की लड़ाई शुरू हुई। इसके बाद गोली चलने लगी। जिसमें मजीद के बेटे साबिर हुसैन की गोली लगने से मौके पर ही मौत हो गई। साबिर हुसैन मेडिकल कॉलेज में नौकरी करता था। कुछ दिनों पूर्व ही उसकी शादी हुई थी। इसके अलावा मजीद पक्ष के ही इमरान पुत्र रज्जाक, अख्तर व रज्जाक पुत्र हंसा, अरमान पुत्र इमरान को भी कई छर्रे लगे और अन्य 12-13 लोग भी घायल हो गए। दूसरे पक्ष के अय्युब के बेटे इस्माइल के भी पैर में गोली लगी जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसे उपचार के लिए मेडिकल कॉलेज नलहड़ में दाखिल कराया। इसके अलावा उनके पक्ष के कई लोग भी घायल हुए। वहीं इस बारे में जांच अधिकारी आकेड़ा चौकी प्रभार बलबीर ने बताया कि मृतक पक्ष की शिकायत पर अय्युब पक्ष के नामजद 11 लोगों के खिलाफ हत्या सहित अन्य कई धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस मामले की आगामी कार्रवाई में जुटी हुई है। जांच के बाद ही मामले का पता चल पाएगा।

पायनियर पाठकों के लिए

यदि आपको अखबार की प्रति मिलने में कठिनाई आ रही है,तो आप निम्न पते से प्राप्त कर सकते हैं

- तरुण सतीजा दुकान नंबर 3689 निकट काबली गुरुद्वारा एसजीएम नगर 7701965422
- विनोद कुमार, ओल्ड रेड लाइट
- आनंद,एनआईटी 4-5 चौक 9818848494
- कामरेड,बल्लभगढ़ रेड लाइट
- मदनलाल, अंबेडकर चौक बल्लभगढ़ 9811477204
- पाहुजा,पलवल मीनार गेट
- त्रिलोक,फोर्टिस हॉस्पिटल, नीलम चौक
- हितेश सेक्टर 29, 9910533103

गिरावट आ रही किरदार में रफ़्तार से शायद
सबक़ लेता नहीं कोई ख़ुदाई मार से शायद
कफ़न तक हो रहे चोरी अगर श्मशान-स्थल से
तो फिर इँसानियत ही मिट गयी सँसार से शायद

वार्ड-12 माइक्रो कंटेनमेंट जोन घोषित होने पर स्वास्थ्य विभाग अलर्ट

वार्ड में किसी व्यक्ति को न तो आने दिया जाएगा न ही बाहर जाने दिया जाएगा

पॉयनियर समाचार सेवा। फिरोजपुर झिरका

वार्ड नं12 पूर्ण रूप से सील।

कोरोना का टेस्ट कराते लोग।

वार्ड नंबर 12 माइक्रो कंटेनमेंट जोन घोषित होने पर स्वास्थ्य विभाग की टीम अलर्ट हो गई है। आपको बता दें किसी भी वार्ड में अगर एक ही परिवार तीन से ज्यादा कोरोना पॉजिटिव केस आ जाते हैं तो उस वार्ड को माइक्रो कंटेनमेंट जोन घोषित कर दिया जाता है। जिसमें अभी तक लगभग तीस लोग कोरोना संक्रमित निकले हैं जिन्हें होम आइसोलेट कर दिया गया है।

वहीं वार्ड नंबर बारह में एसएमओ कृष्ण कुमार के निर्देशन में स्वास्थ्य विभाग की सिविल सर्जन टीम ने सभी लोगों का कोरोना टेस्ट किया। जिसमें 261 लोगों के आरटी पीसीआर सैंपल लिए और उनके सैंपल जांच के लिए लैब में भेज दिए।

वहीं ड्यूटी पर मुस्तैद डॉ. स्वाति ने बताया कि शहर के वार्ड नंबर 12 को माइक्रो कंटेनमेंट जोन मानकर इस वार्ड में डोर टू डोर जाकर लोगों की कोविड जांच की जा रही है और उसके साथ ही यह भी पूछा जा रहा है। उनके घर मैं खांसी, जुकाम, बुखार के मरीज तो नहीं ताकि स्वास्थ्य विभाग द्वारा रोजाना देखभाल हो सके और समय पर उनका उपचार किया जा सके। उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा कि सभी लोग अपना समय पर कोरोना जांच कराएं, कोरोना की चेन तोड़ने में स्वास्थ्य कर्मियों का साथ दें।

वार्ड नंबर 12 को किया गया सील

वार्ड नंबर 12 में लगभग तीस कोरोना पॉजिटिव केस आने पर नपा प्रशासन ने पुलिस टीम के साथ मिलकर पूरे वार्ड को सील कर दिया। वहीं डीएसपी चंद्रपाल विश्नोई ने पूरे वॉर्ड का मुआयना किया और साथ ही लोगों को यह अल्टीमेट दिया गया कि सभी लोग अपना कोरोना टेस्टिंग कराएं और इस कोरोना की चेन तोड़ने में सरकार-प्रशासन का सहयोग करें जो लोग कोरोना के नियमों का पालन नहीं करते हैं तो उन्हें दंडित किया जाएगा।

साथ ही वॉर्ड 12 के पार्षद मुरारीलाल जैन को भी यहां की व्यवस्था संभालने के लिए कहा गया कि वार्ड नंबर 12 में किसी भी व्यक्ति को नहीं आने दिया जाए न ही यहां के व्यक्ति को बाहर जाने दिया जाए और लोगों को अपने ही घरों में रहकर सुरक्षित रहने के लिए कहा जाए।

इस मौके पर नपा चेयरमैन अशोक गुर्जर, आबिद एमपीएचडब्ल्यू, चंद्रकांत वार्ड बॉय, अंजू आशा वर्कर, नीतू आशा वर्कर, एएनएम बबीता आदि नपा प्रशासन की टीम मुस्तैद रही।

मुस्लिम धर्मगुरुओं ने ईद की नमाज घरों में अदा करने की अपील

सेनायत खां। फिरोज पुर झिरका

सोमवार को फिरोज झिरका में कोरोनो संक्रमण व लाकडाउन के चलते हुई बैठक में समस्त मौलवियों ने लोगों से अपील की है कि कोरोना वायरस का संक्रमण बहुत ही तेजी से फैलता जा रहा है। इसलिए हर व्यक्ति सरकार के लाकडाउन का सख्ती से पालन करे और अपने घरों में रहे।

मौलवी अतहर, मौलवी रहीमुद्दीन, मौलवी अय्यूब, जकरिया, मौलवी मुस्तकीम, साहिद आदि डेढ़ दर्जन मुस्लिम धर्म गुरुओं के बीच कोरोना के बढ़ते संक्रमण को लेकर मंथन किया गया, धर्मगुरुओं ने सरकार द्वारा कोरोना संक्रमण को लेकर किये जा रहे प्रयास का समर्थन करते हुए कहा कि हम सब को सरकार के लाकडाउन का सख्ती से पालन करना चाहिए। बैठक में खास बात यह रही कि हर व्यक्ति ईद की नमाज अपने घर पर अदा करें। धर्मगुरुओं ने इलाके लोगों से अपील करते हुए कहा कि सरकार के लाकडाउन हमें कोरोना संक्रमण से बचाने के लिए है। हर व्यक्ति मास्क लगाए और दो गज दूरी बना कर रखे साथ ही सेनेटाइज का प्रयोग करे ताकि कोरोना की दूसरी लहर की जंग जीती जा सके।

मेवात की खबरों एवं विज्ञापन के लिए संपर्क करें

बेदखली सूचना, नाम परिवर्तन, गुमशुदगी, रस्म पगड़ी इत्यादि के विज्ञापन सस्ते दरों पर प्रकाशित करवाने के लिए पायनियर परिवार से जुड़िए

कासिम खान
ब्यूरो प्रमुख (साउथ हरियाणा)
9050976800
9416103259
ओल्ड थाना पिनगवां के सामने मन्नी मार्केट पिनगवां, मेवात।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक प्रवीण मोहंती द्वारा सोका क्रिएशन प्राइवेट लिमिटेड, प्लाट नंबर 262 आईकेएल, सेक्टर-24, फरीदाबाद (हरियाणा) से प्रकाशित और बीएफएल इंफोटेक लिमिटेड, सी-9, सेक्टर-3, नोएडा -201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक : चंदन मित्रा, स्थानीय सम्पादक : प्रवीण मोहंती । दूरभाष नंबर : (0129) 4195000। पी.आई.बी. एक्ट के अनुसार सभी विवादित समाचारों की जिम्मेदारी लेखक की होगी। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किये गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापन के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं।

असम का फैसला

सोनोवाल की विदाई

जब भाजपा नेतृत्व ने सर्बानंद सोनोवाल को असम विधानसभा चुनाव के पहले मुख्यमंत्री का चेहरा नहीं घोषित किया था तो स्पष्ट हो गया था कि इस मुद्दे का फैसला चुनाव के बाद किया जाएगा तथा हिमंत बिश्व शर्मा को मौका मिलने की संभावना थी। सोनोवाल ने मुख्यमंत्री के रूप में सफल सरकार का संचालन किया था, एक भ्रष्टाचार मुक्त सरकार चलाई थी तथा बिना कोई गलती किए अनेक जटिल चुनौतियों का सामना किया था। जब भाजपा के हिंदुत्व समर्थन आधार में आदिवासियों को जोड़ने में प्रमुख भूमिका निभाने वाले उनके जैसे व्यक्ति को मुख्यमंत्री पद के उपयुक्त नहीं माना गया तो दीवाल की लिखावट साफ थी। केन्द्रीय नेतृत्व ने चार दिन की वार्ता और विचार-विमर्श की औपचारिकता निभा कर राज्य की कमान ऐसे व्यक्ति को दे दी जो अपने तमाम अनुभवों और वित्तीय शक्ति के बावजूद घोटालों और भ्रष्टाचार में लिप्त रहा है। आखिरकार 2015 में कांग्रेस से पाला बदलने के पहले सीबीआई ने उनके खिलाफ कई भ्रष्टाचार मामलों में जांच की थी। निष्ठा और वैचारिक जुड़ाव को बहुत अधिक महत्व देने का दावा करने वाली भाजपा जैसी पार्टी द्वारा मुख्यमंत्री पद के लिए ऐसे व्यक्ति को पुरस्कृत करना उसके दृष्टिकोण में बड़ा बदलाव है। निसंदेह सोनोवाल एक गैर-विवादास्पद लोकप्रिय व्यक्ति थे जिन्होंने 2016 में भाजपा का चुनाव अभियान चला कर मजबूत कांग्रेस सरकार को उखाड़ दिया था। लेकिन सोनोवाल को इस बात का खामियाजा भुगतना पड़ा कि वे राजनीतिक

रूप से चालाक व हिमंत की तरह जनता में लोकप्रिय नहीं थे।

सोनोवाल के पास दिल्ली में अमित शाह जैसा गाडफादर भी नहीं था। आदिवासी नेता का असम के बाहर प्रभाव भी अधिक नहीं था, जबकि हिमंत ने पूरे पूर्वोत्तर में भाजपा की पकड़ मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। येन-केन-प्रकारेण उन्होंने सुनिश्चित किया था कि भाजपा इस क्षेत्र में प्रमुख शक्ति के रूप में उभरे। असंदिग्ध रूप से जहां सोनोवाल लोकप्रिय आदिवासी नेता थे, वहीं हिमंत एकसाथ अनेक आयामों वाले नेता थे। हिमंत को पिछले लोकसभा चुनाव में भाजपा के शानदार प्रदर्शन का जिम्मेदार माना जाता था और वे सीएए-विरोधी आंदोलन तथा महामारी से निपटने में भी सफल हुए थे। इस बीच सोनोवाल को मोदी सरकार में कैबिनेट पद का प्रस्ताव किया गया है, पर पता चला है कि वे अपने साथ हुए व्यवहार से बहुत दुखी हैं और वे यह प्रस्ताव स्वीकारेंगे या नहीं। उनके अगले कदम पर नजर रहेगी। यदि वे केन्द्र में वापसी के लिए तैयार होते हैं जहां वे असम के मुख्यमंत्री बनने के पहले खेल मंत्री थे तो भाजपा नेतृत्व राहत की सांस लेगा। ऐसा न होने पर वे हिमंत के लिए अनेक आदिवासी समूहों तथा विधायकों का समर्थन प्राप्त करने के मामले में एक मजबूत चुनौती बन सकते हैं। पूर्वोत्तर के प्रभावशाली नेता हिमंत जैसे नेता को 'राहुल गांधी द्वारा मुलाकात के पहले घंटों प्रतीक्षा कराने के अपमान' के कारण कांग्रेस छोड़नी पड़ी थी। इससे स्पष्ट होता है कि कांग्रेस की ज्यादातर मुसीबतें स्वयं उसकी पैदा की हुई हैं। हिमंत की पदोन्नति से निसंदेह सोनोवाल को चोट लगी है, पर इससे राहुल गांधी को ज्यादा पीड़ा होगी।

जन-स्वास्थ्य बीमा का पुनरीक्षण जरूरी

अब भारत में नीतिगत चिकित्सकों को वास्तविक चिकित्सकों के साथ समन्वय स्थापित करना होगा जिससे कि ऐसे तीव्र समाधान प्रस्तुत किए जा सकें जो सभी के लिए एक स्वस्थ जगत का निर्माण करने में सक्षम हों।

मोईन काज़ी
(लेखक विकास पेशेवर हैं)

स्वस्थ परिवार स्वस्थ समुदायों की नींव हैं, इस प्रकार, परिवार के लिए अच्छे स्वास्थ्य और विश्वसनीय स्वास्थ्य सेवा से ज्यादा महत्वपूर्ण कुछ नहीं है। सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि सभी लोग वित्तीय कठिनाई से पीड़ित हुए बिना गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा प्राप्त करें। सबसे बड़ी चुनौती दुनिया के गरीबों और बीमारों को नुकसान पहुंचाने वाले कई संकटों का मुकाबला करना है। वर्तमान महामारी के कारण हम दबाव की चुनौतियों का सामना कर रहे हैं और स्वास्थ्य संबंधी खर्च अब एक प्रमुख मार्ग बन गया है। भारत ने सार्वजनिक स्वास्थ्य बीमा में एक बड़ी छलांग ली जब उसने प्रधान मंत्री जन आरोग्य योजना (पीएम-जेएवाई) और आयुष्मान भारत (एबी) योजना शुरू की। ये देश की प्रमुख संरचनाएं हैं जिन्हें सार्वभौमिक स्वास्थ्य सेवा में मदद करने के लिए बनाया गया है ताकि आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को कर्ज के जंजाल में फंसे बगैर उचित चिकित्सा देखभाल मिल सके। सरकार की लागत लगभग 1,052 रुपए प्रति परिवार है, जिसका 60 प्रतिशत केंद्र और बाकी राज्यों द्वारा वहन किया जाता है।

हालांकि इस योजना के कई प्रशंसनीय उद्देश्य और उपन्यास विशेषताएं हैं, इसकी सीमाएँ हैं। स्पष्ट रूप से दुर्जेय लाभार्थी आधार होने के बावजूद, एबी-पीएमजेएवाई के पास अभी भी समग्र रोगी देखभाल प्रावधान में एक छोटा सा हिस्सा है। यह अस्पतालों के कम समानीकरण के कारण है, एबी-पीएमजेएवाई लाभों के वितरण के लिए निजी प्रदाताओं की एक सामान्य अनिच्छा, और अस्पतालों के समग्र व्यवसाय में एबी-पीएमजेएवाई का सीमित योगदान। सरकार सार्वजनिक और निजी अस्पतालों को कार्यक्रम के तहत कवर किए गए लोगों के इलाज के लिए निर्धारित दरों का भुगतान करती है और यह निजी क्षेत्र की व्यवहार्यता के साथ फिट नहीं है। सार्वजनिक स्वास्थ्य के वितरण में निजी क्षेत्र को किस प्रकार सह-चुना जा सकता है, यह देखने के लिए नए तरीकों की खोज की जानी चाहिए। उसी समय, सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली - विशेष रूप से ग्रामीण भारत में - को पुन: उत्पन्न करना होगा।

गरीबों के लिए, स्वास्थ्य अक्सर समृद्धि के मार्ग या विनाश में एक स्लाइड के बीच विभाजन रेखा है। मामलों को बदतर बनाने के लिए, आमतौर पर अस्थिर और अनिश्चित आय और गुणवत्ता स्वास्थ्य सेवा की अनुपस्थिति के संयोजन का मतलब है कम आय वाले समुदायों को न केवल स्वास्थ्य सेवा तक पहुंच की आवश्यकता है, बल्कि इसके लिए भुगतान करने की क्षमता भी है। निजी हेल्थकेयर में भयावह लागत है जो रोगियों की कड़ी मेहनत से अर्जित बचत को काट देती है। नतीजों में स्पिलओवर के परिणाम होते हैं, जिसके परिणामस्वरूप घरों में भोजन, शिक्षा, आवास और अन्य आवश्यकताओं के लिए कम धन उपलब्ध होता है।

असफल फसल की तुलना में स्वास्थ्य आपातकाल किसानों के लिए एक बड़ा जोखिम है। एक बार जब वे अपनी जमीन / पशुधन बेच देते हैं, तो वे गिरमिटिया मजदूर बन जाते हैं और इसे ठीक करने में एक पीढ़ी या उससे अधिक समय लगता है। भारत के सार्वजनिक अस्पतालों में देखभाल तकनीकी रूप से मुफ्त है। लेकिन वास्तव में देखभाल की खराब गुणवत्ता, मानव संसाधनों और उपकरणों की कमी ने उन्हें अत्यधिक रोगी भार का सामना करने से रोक दिया है। परिणामस्वरूप, बहुत से वंचित भारतीयों को महंगे निजी अस्पतालों में इलाज कराने के लिए मजबूर किया जाता है जो वे बर्दाश्त नहीं कर सकते हैं, या बस बिना देखभाल के चलते हैं।

न केवल एक स्वास्थ्य प्रकरण में खड़ी चिकित्सा लागत शामिल है, बल्कि आकस्मिक खर्च भी हैं। यह उस अवधि के दौरान आय के नुकसान से आगे बढ़ जाता है जब कोई व्यक्ति बीमार हो या घायल हो या किसी प्रियजन की देखभाल कर रहा हो। बीमा के बिना, लोग अक्सर इन जोखिमों का प्रबंधन करने के लिए अनौपचारिक साधनों की ओर रुख करते हैं, लेकिन ऐसी रणनीतियां अपर्याप्त सुरक्षा प्रदान करती हैं। इसलिए जब दुर्भाग्य का प्रहार होता है, तो कई कर्ज के जाल में फंस जाते हैं क्योंकि वे अपने साधनों से परे हो जाते हैं। यह उन्हें उत्पादक संपत्ति बेचने, बच्चों को स्कूल से निकालने या उन्हें काम पर रखने, भोजन पर समझौता करने, या अन्य बीमारियों को छोड़ने के लिए ले जा सकता है। इस गतिशील के कारण, एक स्वास्थ्य मुद्दा आसानी से वित्तीय सिंकहोल बन सकता है। स्वास्थ्य बीमा व्यक्तियों के लिए दो प्राथमिक कार्य करता है। सबसे पहले, यह निवारक सेवाओं और / या उपचार दोनों के लिए स्वास्थ्य सेवा के लिए वित्तीय पहुंच को सुरक्षित करता है। दूसरा, यह उन सेवाओं की लागतों को बढ़ाता है, जो संभावित विनाशकारी आर्थिक झटके से बचाते हैं।

भारत में स्वास्थ्य बीमा नीतियां आम तौर पर आउट पेशेंट या अधिवास उपचार को कवर नहीं करती हैं, जहां प्रमुख खर्चों में फार्मेसी बिल, नैदानिक ?? और रोग परीक्षण शामिल हैं। कई स्वास्थ्य बीमा कार्यक्रम बीमारी या अन्य स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के कारण वेतन हानि को कवर करते हैं, लेकिन कई नहीं करते हैं। इन कवरेज अंतरालों के कारण, यहां तक ?कि बीमित लाभार्थी उच्च अप्रत्यक्ष लागतों को उकसा सकते हैं, खासकर ऐसे मामलों में जिन्हें अस्पताल में भर्ती होने की आवश्यकता होती है। उदाहरण के लिए, भारत की प्रमुख सार्वजनिक स्वास्थ्य बीमा योजना, एबी, अस्पताल में भर्ती होने से जुड़ी अप्रत्यक्ष लागतों को पहचानने और क्षतिपूर्ति करने में विफल है - और ये गरीबों के लिए काफी महत्वपूर्ण हैं। इनमें अस्पताल और वापस आने-जाने का खर्च शामिल है। इसके अतिरिक्त, अस्पताल में या घर पर रहकर, अस्पताल में भर्ती होने के बाद, मजदूरी का नुकसान होता है। अक्सर, परिवार से देखभाल करने वाले परिचारकों को भी कई दिनों तक मजदूरी करनी पड़ती है और इलाज के लिए उनके पैतृक शहर से दूर ले जाने की स्थिति में उनके ठहरने की व्यवस्था करनी पड़ती है। गरीब परिवार कर्ज ले सकते हैं, उत्पादक संपत्ति बेच सकते हैं या अपना घर भी।

यह एक नकारात्मक प्रतिक्रिया पाश का खतरा है- गरीबी खराब स्वास्थ्य की ओर ले जाती है, जो आगे गरीबी उत्पन्न करती है। वे उपचार से बचने या देरी करने के लिए मजबूर हो सकते हैं, क्योंकि वे अपना वेतन नहीं खो सकते। इसी तरह, जिन्हें लंबे समय तक अस्पताल में भर्ती रहने की आवश्यकता होती है, वे काम पर वापस जा सकते हैं भले ही वे पूरी तरह से ठीक न हुए हों। खोई हुई आय, अक्सर वित्तीय झटके के सबसे बड़े घटकों में से एक, बीमाधारक के बीच बहुत कम होती है, क्योंकि यह उन्हें जल्द देखभाल करने की अनुमति देता है।

चूंकि महिलाओं की कई चिंताएं आसानी से बीमा योग्य नहीं हैं, जैसे, मातृत्व लागत, एक अधिक प्रासंगिक उत्पाद वह होगा जो बीमा और बचत को जोड़ता है। इस तरह, उदाहरण के लिए, एक महिला अपनी बचत का उपयोग सामान्य प्रसव की लागत, और अप्रत्याशित जटिलताओं की लागत को कवर करने के लिए बीमा का उपयोग कर सकती है। एबी की सफलता का मूल्यांकन करने में, जो मायने रखता है, यहां तक कि लाभार्थियों की गिनती से भी अधिक मायने रखता है, क्या यह लक्ष्य की आबादी में उनकी दैनिक जरूरतों पर आजीविका को प्राथमिकता देने की आवश्यकता को हटाता है। यह आमतौर पर ज्यादातर गरीब परिवारों के लिए होता है, जिनके पास उपचार के दौरान आय समर्थन की कमी होती है।

यह सिर्फ माध्यमिक और तृतीयक देखभाल के बजाय प्राथमिक, दिन-प्रतिदिन स्वास्थ्य सेवा सहित विचार कर सकता है। इसका कारण यह है कि खराब ढंग से वितरित प्राथमिक देखभाल अनिवार्य रूप से लाइन पर माध्यमिक और तृतीयक स्तरों पर स्वास्थ्य और वित्त पर बोझ बढ़ाती है। पारंपरिक चिकित्सा के नर्सों और चिकित्सकों को नई बीमारियों के भयावह रूपों के बारे में जानकारी रखने के लिए पुल पाठ्यक्रम लेना होगा। रोग स्थिर चीजें नहीं हैं। रोगजनक बदलते हैं, मेजबान बदलते हैं और वातावरण बदलते हैं। हमारी प्रतिरक्षा प्रणाली संक्रमणों को दूर करने के परिणामस्वरूप बदल जाती है। और, ज़ाहिर है, हमारी जीवन शैली बदलती है, सामाजिक मानकों, चिकित्सा प्रणालियों और सार्वजनिक-स्वास्थ्य कार्यक्रमों के रूप में भी।

इस प्रकार, अस्पताल में भर्ती के दौरान वेतन और आकस्मिक खर्चों को शामिल करने के लिए लाभों को बढ़ाना आवश्यक है। यह पहले से ही विशिष्ट तुलनीय योजनाओं का प्रचलन है। इस तरह की योजनाएं, अस्पताल की नकदी, या वेतन हानि लाभ प्रदान करती हैं, जो कि अस्पताल में भर्ती होने के प्रत्येक दिन के लिए परिवहन और मजदूरी हानि के लिए एक निश्चित राशि है। विकासशील देशों में कुछ योजनाएं अस्पताल में भर्ती होने की प्रत्येक रात के लिए लाभार्थी को एक निश्चित राशि प्रदान करती हैं, भले ही वास्तविक खर्चों के बावजूद। इस टॉप-अप कवरेज का उपयोग किसी भी अन्य सामाजिक सुरक्षा योजना के साथ किया जा सकता है, जिसका सदस्य नामांकन कर सकते हैं। कवरेज को बढ़ाने से यह योजना सही मायने में गरीब हो सकती है। और, यह देखते हुए कि यह अतिरिक्त लाभ पूर्व अस्पताल में भर्ती होने पर सशर्त होगा, नैतिक खतरे या अनुचित दावों का कोई जोखिम नहीं है।

सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज केवल तभी एक वास्तविकता बन जाएगी, जब व्यक्तियों, परिवार और समुदाय को अपनी स्वयं की स्वास्थ्य आवश्यकताओं की पहचान करने हेतु सशक्त हों तथा उन बीमारियों को संबोधित करने के लिए कदम उठाएं, जो देखभाल की लागत में वृद्धि करते हैं और हमारे स्वास्थ्य प्रणालियों पर बोझ को कम करने में योगदान करते हैं।

वैश्विक महामारियों का चरित्र एवं विभीषिका

प्रफुल्ल गोराड़िया
(लेखक लोकप्रिय स्तम्भकार हैं)

हम सभी जानते हैं कि पूरी दुनिया पर भयानक हमला करने वाली कोरोना पहली वैश्विक महामारी नहीं है। ऐसे में केवल यही उम्मीद की जा सकती है कि यह न देशों को पराजित कर सकेगी और न उनके इतिहास की दिशा मोड़ सकेगी। वैश्विक महामारी से मुकाबला करने में उसकी प्रकृति समझना और यह जानना जरूरी है कि वह कैसे पैदा हुई। बीमारी के केन्द्र में क्या नष्ट करने की आवश्यकता है और उसे कैसे नष्ट किया जाए। हालांकि, चिकित्सा वैज्ञानिकों और विशेषज्ञों ने इसका रास्ता निकाल लिया है, पर बीमारी ने भयानक विभीषिका पैदा की है। इस बात से सांत्वना मिलती है कि कोरोना पहली वैश्विक महामारी नहीं है। इसके पहले 11 वैश्विक महामारियां आ चुकी हैं और कोरोना बारहवीं है। जहां तक लिखित इतिहास हमें बताता है, पहली विभीषिका ब्यूबोनिक प्लेग ने पैदा की थी सिकी शुरुआत छठी शताब्दी में मिस्र के एक बंदरगाह से अचानक हुई थी। रिकार्ड में इसे ताऊन कहा गया था और वैश्विक महामारी शब्द की खोज बाद में हुई। प्लेग बहुत व्यापक रूप से फैला था और यह एड्रियाटिक समुद्र पार कांस्टेंटिनोपोल तक पहुंचा तथा इसका विस्तार रोम से लेकर उसके साम्राज्य के पश्चिम तक था। शुरुआती वर्षों से प्लेग को 'ब्लैक डेथ' का नाम दिया गया था।

इसके बाद ब्रिटेन समेत इसका विस्तार पश्चिमी यूरोप में हुआ। संयोग से उस समय कांस्टेंटिनोपोल पर जस्टीनियन साम्राज्य का शासन था। मुझे याद है कि उसे इतिहास में हगिया सोफिया के निर्माता, एक शहर के प्रख्यात वास्तुविद व शताब्दियों तक एक साम्राज्य के निर्माता के रूप में जाना जाता था। तुर्क विजेताओं ने इसमें चार मीनारें जोड़ कर इसे मस्जिद में बदल दिया था तथा कमाल मुस्तफ अतातुर्क ने 1920 के दशक में इसे एक संग्रहालय में बदल दिया था। अभी हाल ही में राष्ट्रपति इर्दोगान ने इसे फि एक मस्जिद में बदल दिया है। संयोग से जर्मन बोलने वाले क्षेत्रों में यहूदियों पर आरोप लगाया जाता था कि उन्होंने कुंओं के पानी में जहर मिला दिया था। इसके लिए दंड स्वरूप यहूदियों को या तो ईसाई बनने या मौत की सजा का विकल्प दिया गया था। धर्मांतरण न करने वाले यहूदियों को उनके धर्मस्थलों में ले जाकर सामूहिक रूप से जला दिया गया था। कुछ इतिहासकारों का विश्वास है कि प्लेग ने पूर्वी रोमन साम्राज्य को भारी धक्का दिया था जो बीतते समय के साथ और कमजोर हो गया। आश्चर्य नहीं कि उसके बाद आने वाला बैजेन्टियम मध्य एशिया से आने वाले तुर्कों का मुकाबला नहीं कर सका। तुर्कों ने पहले एंटोलिया और इसके बाद कांस्टेंटिनोपल पर हमला कर इसका नाम इस्तांबुल कर दिया। इससे पता चलता है कि कोई वैश्विक महामारी कैसे एक सभ्यता का भविष्य बदल सकती है। पूर्वी यूरोपीय रोमन साम्राज्य के अवतार के रूप में ईसाइयत पर तो कोई प्रभाव नहीं पड़ा, पर साम्राज्य नष्ट हो गया। चर्च का मुख्यालय अब भी इस्तांबूल में है जहां जनसंख्या में दो या तीन प्रतिशत ईसाई बचे हैं।

चेचक अगली वैश्विक महामारी थी जो समय-समय पर व एक या दूसरे स्थान पर उभरती रही। लेकिन इसके बावजूद यह व्यापक रूप से भय पैदा करने वाली बीमारी थी और इसे वैश्विक महामारी माना गया। यह दशकों बाद तक लोगों को डराती रही। इसका भय इतना अधिक था कि एशिया के अधिकांश हिस्सों में हर बच्चे का इसके लिए अनिवार्य टीकाकरण कराया जाता था। इस भय के कारण भारत में बीमारी को शीतला माता के रूप में पूजा जाता था और उनके मंदिर बने थे। विशेषज्ञों को आशंका है कि इसकी शुरुआत गायों, ऊंटों या बंदरों से निकलने वाले वायरस से हुई थी। उन उपयोगी जानवरों से वायरस मनुष्यों में उस समय आए जब इनको पालना शुरू हुआ था। माना जाता है कि इस बीमारी की शुरुआत ईसा से 1,100 साल पहले हुई थी क्योंकि इसे मिस्र की कुछ ममियों में पाया गया। नई सहस्राब्दी शुरू होने के बाद निकट एक या दो रोमन राजा चेचक से मरे थे। चेचक ने पश्चिमी यूरोप व खासकर स्पेन को भी नहीं छोड़ा। वहां से इसका विस्तार 16वीं शताब्दी के शुरुआती वर्षों में लैटिन अमेरिका तक हुआ। प्रकाशित विवरणों के अनुसार इसका स्पैनिश समाधान यह था कि पूरे परिवार के संक्रमित होने के बाद पूरी इमारत को गिरा दिया जाता था और इस प्रकार अनेक लोगों को दफ्न करने से बचा जाता था। कालरा एक और विभीषिका थी जिसका विस्तार मुख्यत: पानी या किसी और द्रव के माध्यम से होता था। विश्वास किया जाता है कि इसका जन्म गंगा के मैदान में हुआ था। यहां से इसका प्रसार सारी दुनिया में हुआ और यह रूस समेत 19वीं शताब्दी के प्रारम्भ में यूरोप तक पहुंच गया। इसके बाद यह बीमारी एटलांटिक समुद्र पार कर अमेरिका पहुंच गई तथा इसका विस्तार पूरे अमेरिका के साथ ही लैटिन अमेरिका में हो गया। कालरा वैश्विक महामारी के स्रोत का पता जर्मन वैज्ञानिकों ने 19वीं शताब्दी के अंत में लगाया था। इस खोज के बावजूद कालरा पूरब में इंडोनेशिया तथा दक्षिण-पश्चिम में कुछ अफ्रीकी देशों तक पहुंच गया। कालरा की विभीषिका फैलने से रोकने के लिए लोगों को केवल संदिग्ध पेय जल से दूर रहना था। पश्चिम में इसे 'ब्लू डेथ' का नाम दिया गया था, हालांकि कोलकाता में डाक्टरों ने इसके पहले लक्षण मल के रंग से पहचाने थे। यदि मल सफेद नहीं होता था तो व्यक्ति को कालरा से संक्रमित नहीं माना जाता था।

कुछ अन्य वैश्विक महामारियों में डिप्थीरिया, टायफायड, पोलियो, खसरा, इन्फ्लुएंजा और यलो फीवर शामिल हैं। कालरा की तरह टायफायड भी जल या द्रव-जनित बीमारी थी। पोलियो, खसरा और इन्फ्लुएंजा वायु-जनित बीमारियां हैं। इनके कारण जीव अलग-अलग हैं। इन्फ्लुएंजा ने प्रथम विश्वयुद्ध के बाद दुनिया के अधिकांश हिस्सों में विभीषिका पैदा की थी। मलेरिया इनमें सबसे अलग है। भारत में इसका कारण एक खास प्रजाति के मच्छर का बार-बार पैदा होना है। संयोग से आधुनिक यूरोपीय इतिहास पढ़ते समय मुझे नैपोलियन बोनापार्ट का एक संदर्भ मिला जिसके हजारों सैनिक 'यलो फीवर' के कारण मर गए थे।

आप की बात

दरगाह या आक्सीजन

राजस्थान सरकार के पास अपने अस्पतालों में आवश्यक आक्सीजन प्लांट लगाने के लिए पैसा नहीं था। पर सहसा मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के पास चिश्ती दरगाह, अजमेर को देने हेतु 100 करोड़ रुपये निकाल आये। सो वे जाकर चढ़ा आये। किसी मीडिया चैनल ने उनसे सवाल पूछने की जहमत नहीं उठायी कि लोगों की जान प्राणवायु से बचेगी या कब्र के श्रृंगार से। वैसे इस प्रश्न के उत्तर में कांग्रेस के एक प्रवक्ता ने कहा कि जान तो मंदिर बनाने से भी नहीं बचेगी। वे भूल गए कि मंदिर तो जनता खुद के पैसे से बनवा रही है। खैर, गहलोत जहां से प्रेरणा लेते हैं, उस राजीव गांधी फाउंडेशन ने कितना पैसा कोरोना से लड़ाई में खर्च किया? जवाब है शून्य। और हर साल वह भी करोड़ों रुपया चिश्ती दरगाह को देता रहता है। यदि फाउंडेशन निजी रूप से वित्तपोषित होता तो दरगाह को देने की उसकी मर्जी पर शायद किसी को आपत्ति न होती। किन्तु उसका कोष सरकारी अनुदानों से भरा पड़ा है। यूपीए सरकार और उससे भी पहले नरसिम्हा सरकार के दिनों से हर वर्ष 100 करोड़ अथवा उससे ज्यादा जनता के टैक्स का पैसा फाउंडेशन को प्राप्त होता रहा है। ऐसे समय कोरोना के खिलाफ खर्च करके वह जनता के कर्ज को कुछ उतार सकता था।

शिक्षा की अर्थव्यवस्था

आज पूरा विश्व गंभीर चुनौतियों का सामना कर रहा है ऐसे में शिक्षण संस्थान और शिक्षा दोनों ही बुरी तरह प्रभावित हुई हैं पिछले साल महामारी के बाद से लगे लॉकडाउन ने शिक्षा पद्धति को पूरी तरह बदल दिया।आज लगभग सभी देशों के शैक्षिक संस्थान, विद्यार्थियों के सुरक्षा की दृष्टिकोण से ऑनलाइन माध्यम का रुख अख्तियार किए है जबकि गौर करने वाली बात यह है कि अभी भी भारत में विद्यार्थियों के दो बुनियादी जरूरतें अधूरी है, जिसका नकारात्मक प्रभाव उनकी शिक्षा पर पड़ रहा है जिसमें एक तो आर्थिक रूप से अपंग और दूसरा जरूरी संसाधन जैसी डिजिटल मोबाइल, लैपटॉप की कमी। ऑनलाइन शिक्षा के अंतर्गत गूगल क्लासरूम, जूम और क्लाउड एप्लिकेशन के कई सारे विकल्प हैं, लेकिन आज भी भारत की आधी आबादी इंटरनेट का उपयोग नहीं करती जबकि अन्य देशों के मुकाबले, भारत में काफी सस्ता नेट उपलब्ध है। इंटरनेट एंड मोबाइल एसोसिएशन ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक भारत में सिर्फ छत्तीस फीसद लोग ही इन्टरनेट उपयोग कर रहे। जहां एक ओर लगातार बढ़ रहे संक्रमण के मामले सभी तरह से आय के श्रोत को बंद कर दिया है। वहीं दूसरी ओर खर्च अभी भी उतना ही है।

- अमन जायसवाल, दिल्ली विश्वविद्यालय

सेवा के विभिन्न रूप

कोरोना संक्रमित परिवारों को भोजन उपलब्ध कराने हेतु लोग आगे आ रहे है। यह बेहद स्वागतयोग्य है। यही मानवता है। इलाज में अधिक खर्च होने के कारण विभिन्न परिवारों की आर्थिक स्थिति बिगड़ जाने से भोजन की पुनीत समाज सेवा का कार्य कर रहे है जो कि प्रशंसनीय कार्य है ठीक उसी तरह समाज सेवी लोग एवं समिति सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर जिन सुविधाओं की आवश्यकता है वहाँ पर आवश्यक सामग्री भेंट कर रहे है।मानवसेवा के ऐसे उदाहरण अब हर गांव, शहरों में देखने को मिल रहे है। कई लोग अस्पताल तक ले जाने में अपनी भूमिका निभा रहे है। सहयोग और समर्पण भाव ने कई पीड़ितों एवं परिजनों के मन को शांति प्रदान कर फिक्र,तनाव को कम किया साथ ही रोग प्रतिरोध शक्ति बढ़ाने वाले अभियान जैसे योग, आर्युवैदिक नुस्खे का मार्गदर्शन दिया। कोरोना गाइड लाइन का पालन, चिकित्सा सुविधा, मानव सेवा आदि से इंसान जल्द संक्रमण से मुक्त होकर स्वास्थ्य लाभ प्राप्त कर सकता है।

- संजय वर्मा, मनावर, मप्र

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से
pioneerhry@gmail.com
पर भी भेज सकते हैं।

फरमाया

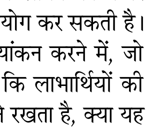

प्रत्येक अस्पताल में आक्सीजन की उचित आपूर्ति बनाए रखना कठिन है। हम केंद्र से दिल्ली को प्रतिदिन 700 मीट्रिक टन आक्सीजन देने की मांग करते हैं।

- मनीष सिसोदिया
दिल्ली के उपमुख्यमंत्री

8 मई 1945 मुक्ति का दिन है। उन लोगों की इन स्मृतियों को जीवित रखना हमारा दायित्व है जिनकी उन वर्षों के दौरान अपना जिन्दगियां समाप्त हो गईं।

- एंजेला मारकेल
जर्मन चांसलर

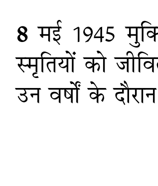

जीवन दांव पर लगे हैं। उन्हें बचाना हमारी प्राथमिकता है और यह दायित्व प्रत्येक पंजाबी का है कि वह उन जिंदगियों को बचाए।

- कैप्टन अमरिंदर सिंह
पंजाब के सीएम

होम आईसोलेशन: मरीज व्हाटसएप्प पर लें नि:शुल्क परामर्श

विशेषज्ञ चिकित्सक कोविड पॉजिटिव नागरिकों को दूरभाष पर देंगे परामर्श

पायनियर समाचार सेवा। रेवाड़ी

डीसी यशेन्द्र सिंह के निर्देश पर सिविल सर्जन रेवाडी ने आज सोमवार को 28 विशेषज्ञ चिकित्सकों की सूची जारी की है, जो होम आइसोलेशन में रह रहे कोविड-पॉजिटिव नागरिकों को नि:शुल्क परामर्श देंगे। जिला की कोई भी कोरोना पॉजिटिव नागरिक ओडियो, वीडियो, व्हाट्सअप के माध्यम से सम्पर्क कर नि:शुल्क परामर्श ले सकता है।

सिविल सर्जल डॉ कृष्ण कुमार ने बताया कि मेडिसन के डॉ एसपी यादव मोबाईल नंबर 9416454499, मेडिसन के डॉ एसआर यादव मोबाइल नंबर 9812172941, छाती के डॉ बीएल गोयल मोबाइल नंबर 9416117898, छाती के डॉ राजीव गुलाटी मोबाइल नंबर 9896244444, ऑर्थोपैडिक्स के डॉ अनिल यादव मोबाइल नंबर 8901063366, कान-नाक-गला के डॉ कंवर सिंह मोबाइल नंबर 9416478099, आंख के डॉ कविता यादव मोबाइल नंबर 9315510320, साइकेटरी के डॉ विजय भार्गव मोबाइल नंबर 9812160922, पिएडीआट्रिक्स के डॉ अजीत सिंह मोबाइल नंबर 9053547445, ऑर्थोपेडिक्स के डॉ आरबी यादव

मोबाइल नंबर 9050861900, सर्जरी के डॉ राजीव जैन मोबाइल नंबर 9416330609, प्लाज्मा थैरेपी के डॉ एनएस यादव मोबाइल नंबर 01274-350095 व 6, आंख के डॉ विभोर गुप्ता मोबाइल नंबर 9910855125, आंख के डॉ हरपाल झागता मोबाइल नंबर 9812390988, आंख के डॉ प्राची जैन मोबाइल नंबर 9992529940, कार्डियोलोजी के डॉ अश्वनी यादव मोबाइल नंबर 9873882330, कार्डियोलोजी के डॉ राहुल सिंगला मोबाइल नंबर 8769676570, ओरथोपेडिक्स के डॉ अजय यादव मोबाइल नंबर 7042556330, ओरथोपेडिक्स के डॉ आदित्या यादव मोबाइल नंबर 7509102102, स्किन के डॉ संजय वत्स मोबाइल नंबर 9813432156, एनेस्थेसिया के डॉ पवन गुप्ता मोबाइल नंबर 9671147225, कान-नाक-गला के डॉ आदेश सक्सेना मोबाइल नंबर 9416479700, सर्जरी के डॉ सुनील यादव मोबाइल नंबर 9466885864, फिजीशियन के डॉ रनबीर सिंह मोबाइल नंबर 9416388503, ओरथोपेडिक्स के डॉ पीसी सिंगला मोबाइल नंबर 9812136906, न्यूरोसर्जरी के डॉ जेएस सांगवान मोबाइल नंबर 9671147225, कान-नाक-गला के डॉ मनीष यादव मोबाइल नंबर 9764475004, चाइल्ड स्पेशिलस्ट के डॉ राजेश बतरा 9215897158, जनरल फिजीशियन के डॉ कपिल यादव मोबाइल नंबर 9896464499 पर सम्पर्क कर विशेषज्ञ चिकित्सक से नि:शुल्क ओडियो, वीडियो, वट्सअप के माध्यम से सम्पर्क कर सकते हैं।

नगर पालिका कर्मी ट्रैक्टर पर मशीन रख कर रहे सैनेटाइज

उपायुक्त बोले, सार्वजनिक स्थान, मार्केट और कंटेंमेन्ट जोनों को कराएंगे सैनेटाइज

पायनियर समाचार सेवा। रेवाड़ी

कोविड-19 वायरस के विस्तार को रोकने के लिए राज्य सरकार द्वारा समय-समय पर जारी दिशा-निर्देशों की अनुपालना में बढ़ते कोरोना संक्रमण को रोकने के लिए नगर परिषद् द्वारा शहर में तथा पंचायत विभाग द्वारा ग्रामीण क्षेत्र में सैनिटाइजेशन का कार्य लगातार जारी है।

उपायुक्त यशेन्द्र सिंह ने यह जानकारी देते हुए बताया कि नगर परिषद व नगर पालिका द्वारा अपने-अपने क्षेत्रों में शहर के सभी वार्डों में सैनिटाइजेशन का कार्य किया जा रहा हैं। कोरोना वायरस के विस्तार को रोकने के लिए शहर के सार्वजनिक स्थानों, मार्केटों तथा कान्टेनमेन्ट जोनों को सैनेटाइज किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि प्रतिदिन घरों, गली-मोहल्लों व बाजारों को सैनेटाइज करवाने के साथ-साथ कोरोना वायरस से बचने के लिए लोगों को जागरूक भी किया जा रहा हैं । डीसी ने बताया कि शहरों के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों में भी पंचायत विभाग के माध्यम से ट्रैक्टर पर मशीनों व अन्य साधनों से सेनेटाइजेशन का कार्य किया जा रहा तथा लोगों को इस संक्रमण से बचने के लिए जागरूक किया जा रहा हैं।

उपायुक्त यशेन्द्र सिंह ने लोगों से अपील की है कि लोगों को घबराने की जरूरत नहीं है, वे घरों में रहे सुरक्षित रहें, मास्क का प्रयोग और दो गज की दूरी का पालन करें। उन्होंने कहा कि कोरोना वायरस से खुद को सुरक्षित रखने का सबसे बेसिक और महत्वपूर्ण उपाय है कि हम सफाई से रहें। साफ-सफाई का ध्यान रखना सबसे जरूरी है। आप सबके सहयोग से ही हम कोरोना की चेन तोड़ सकते हैं।

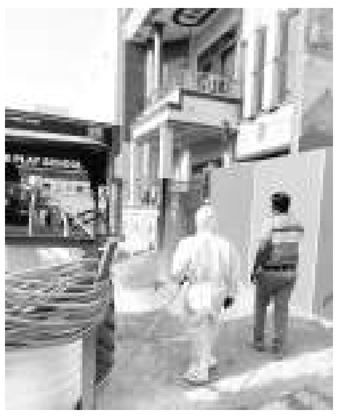

सेक्टर-4, रेवाड़ी में सैनेटाइजेशन करते कर्मचारी।

जिले के ग्रामीण क्षेत्र में सनिटाजेशन कार्य करते कर्मचारी।

कोविड अस्पताल: तय से अधिक चार्ज लेने वाले बख्शे नहीं जाएंगे: डीसी

रणबीर रोहिल्ला। सोनीपत

जिलाधीश-कम-चेयरपर्सन, जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, सोनीपत श्याम लाल पूनिया ने कहा स्वास्थ्य विभाग और परिवार कल्याण विभाग द्वारा कोविड से संक्रमित मरीजों का इलाज करने के लिए प्राइवेट अस्पतालों में बेडों की दर निर्धारित की गई है। इस पर निगरानी करने के लिए जिला स्तर पर समिति का गठन किया गया है। जिसमें एसडीएम सोनीपत शशि वसुंधरा चेयरपर्सन रहेंगी। पूनिया ने अपने आदेशों में कहा कि यह समिति जिला स्तर पर कोविड रोगियों के लिए चिकित्सा बिलों पर पूरी निगरानी रखेगी। कोविड रोगियों के चिकित्सीय बिलों का 10 प्रतिशत रेंडेमली चेक करेगी ताकि सरकार द्वारा निर्धारित रेटों अनुरूप ही मरीजों से चार्ज किया हुआ हो। यदि कोविड मरीजों से सरकार द्वारा निर्धारित रेटों से अधिक धनराशि किसी अस्पताल द्वारा ली गई हो तो यह कमेटी बिना किसी दबाव के अपनी रिपोर्ट तैयार करेगी।

कोविड अस्पतालों के रेटों पर निगरानी के लिए गठित की गई कमेटी

जिलाधीश ने अपने आदेशों में कहा है कि यह समिति कोविड-19 नियंत्रण कक्ष में प्राप्त शिकायतों और उच्च प्रभार के संबंध में नोडल अधिकारियों द्वारा अग्रेषित की गई शिकायतों की जांच करेगी और किसी भी कदाचार की रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी। इसके अलावा जिलाधीश ने समिति को निर्देश दिए है कि आदेशों की पालना न करने वाले कोविड अस्पताल को भारतीय दंड संहिता की धारा 188 के तहत समिति द्वारा जुर्माना लगाया जाए।

सरकारी अस्पताल में बनाई हेल्प डेस्क

पायनियर समाचार सेवा। भिवानी

जिलाधीश राहुल नरवाल ने कोविड-19 के रोगियों की सुविधा को मध्यनजर रखते हुए स्थानीय चौधरी बंसीलाल नागरिक अस्पताल में हेल्प डेस्क बनाया है।

हेल्प डेस्क के माध्यम से रोगियों को अस्पताल में दाखिल होने, बैड की व्यवस्था करने तथा ऑक्सीजन की आपूर्ति जैसी सुविधाएं मुहैया करवाई जाएंगी। जिलाधीश राहुल नरवाल ने बताया कि कोविड-19 के रोगियों को अस्पताल परिसर में पहुंचने के पश्चात किसी प्रकार की दिक्कत नहीं आने दी जाएगी। हैल्प डेस्क पर जिला रेडक्रास सोसायटी के 25 वॉलियंटियर 24 घंटे अपनी सेवाएं देगे। वॉलियंटियर जिला प्रशासन के लिए आंख और कान का काम करेगे। उन्होंने बताया कि चार से पांच तक वॉलियंटियर की ड्यूटी एक साथ अलग-अलग शिफ्टों में रहेगी। वॉलियंटियर को पहले खुद की सुरक्षा करने के पश्चात कोविड के रोगियों की मदद के लिए कार्य करना होगा।

उन्होंने बताया कि वॉलियंटीयर को रोगियों के लिए ऑक्सीजन के सिलेंडर भी अलाट किए जाएंगे। जिलाधीश ने बताया कि रेडक्रास सोसायटी के वॉलियंटीयर नोडल अधिकारी दलजीत सिंह (एचसीएस) के मार्ग दर्शन में कार्य करेंगे। इन वॉलियंटीयर में वरूण बजरंगी, राहुल, विजय, हिमांशु, ललित, कृष्ण नादल, सुनील कुमार, सुरेश कुमार, रवि, आशिष, पवन कुमार, राकेश आदि शामिल हैं।

श्मशान घाट सहित कालोनियों में किया दवा का छिड़काव

पायनियर समाचार सेवा। सोनीपत।

कोरोना वायरस के संक्रमण को कम करने के लिए भारतीय जनता पार्टी कार्यकर्ताओं द्वारा चलाए गए सैनिटाइजेशन अभियान के तहत शहर के सभी श्मशान घाट समेत अनेक कॉलोनियों में दवा का छिड़काव किया गया।

सोमवार को पार्टी कार्यकर्ताओं ने सेक्टर-15 स्थित मुक्तिधाम, मोहन नगर स्थित कोविड से हुई मृतकों के लिए आरक्षित, ऋषि कॉलोनी में नाहर सिंह शमशान, सुभाष स्टेडियम के पास हरिजन शमशान, शंभू दयाल के सामने खटीक समाज शमशान, गोहाना रोड स्थित शिव मुक्तिधाम, पटेल नगर लिटिल एंजल्स स्कूल के पास स्थित श्मशान घाटों को सैनिटाइज किया गया।

इस बारे में भाजपा नेता एवं मुख्यमंत्री पूर्व मीडिया सलाहकार राजीव जैन ने कहा कि पिछले एक माह से लगातार सैनिटाइजेशन अभियान जारी है। इससे नागरिक काफी राहत महसूस कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि पार्टी कार्यकर्ता उन घरों को विशेषकर सैनिटाइज करते है, जिन घरों में कोविड पॉजिटिव मरीज होम आईसोलेट में रह रहे है, ताकि संक्रमण परिवार के अन्य सदस्यों तक ने फैले।

उन्होंने बताया कि पिछले तीन दिनों में श्रीनगर, अहमदपुर, झुग्गी बस्ती इंडस्ट्रियल एरिया, विकास नगर ककरोई रोड, वेस्ट राम नगर, शांति विहार, दहिया कॉलोनी, जीवन नगर, मॉडल टाउन आदि क्षेत्रों में सैनिटाइजेशन अभियान चलाया गया। इसके अलावा झुग्गी बस्ती इंडस्ट्रियल एरिया में स्प्रे करवाई गई।

शिव मुक्ति धाम के गेट पर दवा का छिडक़ाव करता व्यक्ति।

संक्रमितों को ऑक्सीजन दिलवाने को अफसरों की लगी ड्यूटी

भिवानी। जिला प्रशासन द्वारा कोविड-19 के रोगियों को ऑक्सीजन सिलेंडर उपलब्ध करवाने के लिए विभिन्न विभागों के अधिकारियों की ड्यूटी लगाई गई है। यह जानकारी देते हुए जिलाधीश राहुल नरवाल ने बताया कि दिन-प्रतिदिन बढ़ते जा रहे संक्रमण के दृष्टिगत ऑक्सीजन की मांग भी बढ़ रही है। उन्होंने बताया कि जिला प्रशासन द्वारा खाली सिलेंडर एकत्रित करने के लिए विभिन्न विभागों के अधिकारियों की ड्यूटी लगाई गई है। उन्होंने बताया कि ये अधिकारी खाली सिलेंडर स्टोन क्रे शर एवं उद्योगिक क्षेत्रों से एकत्रित करेंगे ताकि संकट की इस घड़ी में रोगियों को ऑक्सीजन की आपूर्ति की जा सकें। उन्होंने बताया कि इस कार्य के लिए संबंधित एसडीएम एवं उप पुलिस अधीक्षक, खनन अधिकारी, आरओ प्रदुषण नियत्रंण बोर्ड तथा महा प्रबंधक जिला उद्योग केंद्र के साथ आपसी तालमेल बनाकर खाली सिलेंडरों को एकत्रित करेंगे।

कोविड-19 नियमों के तहत जारी है बर्खास्त पीटीआई का धरना

बर्खास्त पीटीआई के धरने को पूरे हो चुके 330 दिन

पायनियर समाचार सेवा। भिवानी

अपनी बहाली की मांग को लेकर जारी बर्खास्त पीटीआई के धरने को 330 दिन पूरे हो चुके हैं। आज के क्रमिक अनशन की अध्क्षता करते हुए सतीश प्रहलादगढ़ ने कहा कि पूरे हरियाण में पीटीआई के धरने लगातार कोविड-19 के नियमों का पालन करते हुए चल रहे हैं। इस महामारी के दौरान लगभग 100 पीटीआई असामयिक मौत का शिकार हो चुके है। मगर सरकार को किसी प्रकार की कोई चिंता नहीं हैं। वर्तमान भाजपा-जजपा सरकार ने पीटीआई के पेट पर लात मारकर उनके और उनके बच्चों के भविष्य को अंधकार में धकेल दिया हैं और भूखे मरने के लिए मजबूर कर दिया हैं। सरकार बार-बार पीटीआई को झूठ बोलकर और कोर्ट का बहाना बनाकर बरगलाने का काम कर रही हैं।

पुलिस नाके पर भाजपा मंडल अध्यक्ष ने बांटे मास्क

पायनियर समाचार सेवा। भिवानी

भाजपा शहरी मंडल अध्यक्ष एवं पार्षद प्रतिनिधि सुभाष तंवर ने अनाजमंडी पुलिस नाके से जरुरी कार्य को लेकर गुजरने वाले राहगीरों को सैनिटाइजर व मास्क वितरित किए। इस दौरान उन्होंने नाके पर तैनात सभी पुलिस कर्मचारियों को भी मास्क दिए। उन्होंने लोगों से जरूरी कार्य होने पर ही घरों से बाहर निकलने को कही। चौकी इंचार्ज सुरेश कुमार ने कहा कि घरों में ही रहकर कोरोना वायरस संक्रमण की चेन को तोड़ सकते है। घरों में भी मास्क पहने, सोशल डिस्टेंस अपनाए तथा सरकारी नियमों का पालन करें। तभी हम सब मिलकर कोरोना संमक्रण की चेन को तोड़ सकते है।

प्रेरणा

विकेश भारतीय
लेखक एवं मोटिवेशनल स्पीकर

तपती सी दुनिया को, जलती सी दुनिया को,
गले से लगा ले दाता, हमें तू बचा ले दाता,
कि जिसने अपने खोए, कि जिसने सपने खोए,
उसे तू बचा ले दाता, गले से लगा ले दाता।

कोविड सेंटर के लिए 100 बेड सौंपे

कोविड-19 के प्रकोप के बीच युवा भी आगे आएं : खैहरा

पायनियर समाचार सेवा। कुरुक्षेत्र।

कोरोना के बढते प्रकोप के बीच जननायक जनता पार्टी के युवा जिलाध्यक्ष व शुगरकेन कंट्रोल बोर्ड के सदस्य डा. जसविंद्र खैहरा ने पहल करते हुए कोविड सेंटर में प्रयोग के लिए 100 बैड पिहोवा प्रशासन को भेंट किए हैं। इससे कोरोना मरीजों के लिए बनाए जाने वाले कोविड सेंटर में कोविड मरीजों को राहत मिलेगी।

इस कार्य के लिए पिहोवा के एसडीएम सोनू राम ने डा. जसविंद्र खैहरा की खुले मन से प्रशंसा करते हुए कहा कि कोरोना महामारी के दौरान हर किसी को आगे आने की जरूरत है। डा. जसविंद्र खैहरा ने समाज हित में नेक कार्य किया है। इससे कोरोना मरीजों के लिए कोविड सेंटर बनाया जा सकेगा। डा. जसविंद्र खैहरा ने कहा कि कोरोना बीमारी ने विकराल रूप धारण कर लिया है। ऐसे में स्वयं व अपने आस-पास लोगों को कोरोना जैसी महामारी से बचाना आवश्यक है।

जब सभी युवा एकजुट होकर इस कार्य को करेंगें तभी कोरोना को देश से भगाया जा सकेगा। डा. खैहरा ने कहा कि उन्होंने पिहोवा में कोविड सेंटर बनाने के लिए 100 बैड पिहोवा प्रशासन को भेंट किए हैं। जिसमें बैड के अलावा गद्दे, बैड सीट व तकिए भी शामिल हैं। खैहरा ने कहा कि कोविड के बढ़ते प्रकोप के मद्देनजर सरकार द्वारा गांवों में कोविड सेंटर बनाने का भी ऐलान किया है।

कोविड केयर सेंटर के लिए बेडों को उतारते डॉ जसविन्द्र खैहरा

संक्षिप्त समाचार

एम्बुलेंस सेवा का किया स्वागत: चरणजीत गाबा

कुरुक्षेत्र। पंजाबी सभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष चरणजीत गाबा ने पुलिस विभाग की गाड़ियों को कोविड एमरजेंसी में एम्बुलेंस के रूप में चलाए जाने के निर्णय पर हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल, गृह मंत्री अनिल विज का स्वागत किया है। गाबा ने कहा कि सरकार का यह कदम बड़ा ही सराहनीय है। कोरोना की महामारी में पुलिस कर्मचारी आमजन के बीच जाकर लोगों की सेवा करेंगे, इससे पुलिस व आमजन की दूरियां दूर होंगी और पुलिस की छवि को निखारने का मौका मिलेगा। उन्होंने कहा कि पुलिस विभाग पर महामारी में बड़ा भारी दबाव होते हुए भी इतनी भारी जिम्मेवारी उठाई है इसके लिए सरकार एवं पुलिस विभाग बधाई के पात्र है। गाबा ने सरकार को किसान आंदोलन के बारे में भी आगह किया कि किसानों के बीच जाकर प्राथमिकता के तौर पर इस आंदोलन को खत्म करवाए। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से अपील की कि वे इस मुद्दे को जल्द से जल्द खत्म करवाने का प्रयास करे।

दाह संस्कार में 11 से अधिक व्यक्ति शामिल न हों: जिलाधीश

सोनीपत। जिलाधीश-कम-चेयरपर्सन, जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण सोनीपत श्याम लाल पूनिया ने आपदा प्रबंधन अधिनियम महामारी अलर्ट के लिए आदेश जारी किए हैं। जिलाधीश ने अपने आदेशों में कहा है कि लॉकडाउन की अवधि के दौरान दाह संस्कार-अंत्येष्टि सहित 11 से अधिक व्यक्तियों के एकत्रित होने की अनुमति नहीं है। उन्होंने अपने आदेशों में कहा है कि विवाह समारोह केवल 11 व्यक्तियों की अधिकतम सीमा के साथ घर और न्यायालयों में आयोजित करने की अनुमति है, इस दौरान बारात की अनुमति नहीं है। उन्होंने कहा कि इस दौरान जिला सोनीपत के सभी निवासी इनडोर रहेंगे। कोई भी व्यक्ति अपने घर को नहीं छोड़ेगा। किसी भी सड़क या सार्वजनिक स्थान के आसपास पैदल या वाहन द्वारा घूमने नहीं जाएंगे। पूनिया ने अपने आदेशों में कहा है कि वन विभाग और हरियाणा वन विकास निगम के पेड़ कटाई के कार्य इस शर्त पर चालू रहेंगे कि उन्हें केवल नगर परिषद, समिति और जिला प्रशासन की ईंधन लकड़ी की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए आवश्यक सीमा तक अनुमति दी जाएगी।

औद्योगिक एसोसिएशन केयर सेंटर स्थापित करने को आई आगे

सोनीपत। उपायुक्त श्याम लाल पूनिया ने औद्योगिक श्रमिकों के लिए एक 20 सामान्य तथा 20 बिस्तर ऑक्सीजन समर्थित कोविड देखभाल केंद्र स्थापित करने के लिए कुंडली इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के प्रस्ताव को सहमति देते हुए कहा कि वे शीघ्र ही इसकी स्थापना करें।उपायुक्त श्याम लाल पूनिया ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग की देख रेख में यह केयर सेंटर नजदीकी क्षेत्र में काफी कारगर सिद्ध होगा। औद्योगिक एसोसिएशन द्वारा उठाया गया यह कदम काफी सराहनीय है। इस केयर सेंटर की स्थापना के लिए जिला प्रशासन हर प्रकार की सहायता करने के लिए तैयार रहेगा। उन्होंने कुंडली एसोसिएशन के प्रधान धीरज चौधरी को निर्देश दिए कि इस केयर सेंटर को शीघ्रता से स्थापित करवाए और औद्योगिक क्षेत्र में काम करने वाले तथा वहां पर रहने वाली श्रमिकों को जरूरत पडऩे पर केयर सेंटर की सहायता मिल सकेगी।

सीबीएलयू देगा स्वास्थ्य विभाग को दो गाड़ियां

भिवानी। कोविड 19 से बचाव अभियान में हरकोई अपना महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। इसी कड़ी में चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय ने स्वेच्छा से कोविड-19 बचाव अभियान में एक माह के लिए अपनी दो अनुबंधित गाड़ियां जिला स्वास्थ्य विभाग दी है । विश्वविद्यालय से प्राप्त जानकारी के मुताबिक विश्वविद्यालय प्रशासन इस महामारी से बचाव अभियान में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राजकुमार मित्तल के कुशल नेतृत्व एवं कुलसचिव जितेन्द्र भारद्वाज के कुशल मार्गदर्शन में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। विवि की ये दोनों गाड़ियां स्वास्थ्य विभाग के चिकित्सकों की टीमों के लिए विभाग द्वारा प्रयोग की जायेंगी। विवि के कुलपति प्रो. आरके मित्तल ने कहा है कि इस महामारी से जंग जीतने के लिए हम सबको मिलकर प्रयास करने होंगे।

ग्रामीणों को कोविड के प्रति जागरूक कर टीकाकरण कराएं

भिवानी। कोविड आपदा प्रबंधन के जिला नोडल अधिकारी नितिन यादव ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि ग्रामीण इलाको के लोगो को अधिक से अधिक संख्या में कोविड महामारी के प्रति जागरूक करते हुए टीकाकरण अभियान से जोड़ा जाए। उन्होंने कहा कि यह वक्त इस बीमारी को हल्के में लेने का नहीं है। सिर्फ जागरूकता से ही इस बीमारी को हराया जा सकता है। यादव ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम जिला के अधिकारियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि जहां सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग इस दिशा में प्रोएक्टिव भूमिका निभाएं वहीं स्वयंसेवी संस्थाओं व वालंटियर को इस अभियान से जोड़ा जाए। उन्होंने कहा कि आजकल जो देखो वही स्वयम्भू डॉक्टर बन कर दूसरों को चिकित्सीय सलाह दे रहा है। हमें इस धारणा को बदलना होगा और लोगों में इस महामारी से लड़ने के लिए वैज्ञानिक अवधारणा को बढ़ाना होगा।

कोरोना मरीजों को नियमित मिल रही ऑक्सीजन

सोनीपत। उपायुक्त श्याम लाल पूनिया ने बताया कि कोरोना से निपटने के लिए बीपीएस महिला मेडिकल कालेज खानपुर कलां में कोरोना मरीजों के लिए 500 बेड्स की व्यवस्था की गई है। जिसमें आईसीयू में 200 आक्सीजन बेड्स तथा 100 नॉन ऑक्सीजन बेड्स तथा 50 वेंटीलेटर बेड्स शामिल हैं। इसके अलावा आईसीयू से अलग भी 130 ऑक्सीजन बेड्स की उचित व्यवस्था की गई है। उपायुक्त ने बताया कि बीपीएस खानपुर में आईसीयू में 100 नॉन ऑक्सीजन बेड्स में से 84 खाली है वहीं आईसीयू में ही 200 ऑक्सीजन बेड्स में से 21 बेड खाली है। उन्होंने बताया कि आईसीयू से अलग 130 ऑक्सीजन बेड्स में से 15 बेड खाली है वहीं 50 वेंटीलेटर बेड्स में से 06 वेंटीलेटर बेड खाली है।

इसुजु ने लॉन्च की नए 1.9 लीटर डीडीआई इंजन की पर्सनल पिकअप व्हीकल

पायनियर समाचार सेवा। करनाल

इसुजु मोटर्स इंडिया ने आज भारत में बहु-प्रतीक्षित, बीएस-6 अनुपालित वी-क्रॉस वेरिएंट को लॉन्च किया है। कंपनी द्वारा निर्माण किए गए पिक-अप कल्चर की ओर आकर्षित होने वाले तेजी से उभरते शहरी भारतीय ग्राहकों की जरुरतों को पूरा करने के लिए कंपनी ने एक बिलकुल नए मॉडल इसुजु हाई-लैंडर और नए वी-क्रॉस जेड एटी वेरिएंट को पेश किया है।

बीएस-6 व्हीकल के लॉन्च पर इसुजु मोटर्स इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर, त्सूगुओ फूकुमुरा ने कहा कि, लॉन्च किए जाने के समय से ही इसुजु के पिक-अप और एसयूवी रेंज के पैसेंजर व्हीकल्स को लगातार अच्छी प्रतिक्रिया मिली है। एक गेम चेंजर होने के कारण वे समझदार और सूक्ष्मदर्शी ग्राहकों के लिए सकारात्मक छवि तैयार करने और उनकी महत्वाकांक्षी ज़रुरतों की पूर्ति करने में सक्षम रहे हैं। बड़ी संख्या में ग्राहकों तक सुविधा पहुंचाने के लिए हाई-लैंडर और वी-क्रॉस जेड 4×2 वेरिएंट के नए जुड़ाव के साथ हम इस सेगमेंट में अपनी पेशकश का विस्तार करके बेहद खुश हैं। हमारे मूल्यवान ग्राहकों के लिए इस श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ डिजाइन, परफॉर्मेन्स, कंफर्ट, सुरक्षा और ड्राइविंग के आनंद के साथ नई इसुजु व्हीकल्स वास्तविक रुप में मूल्य प्रस्ताव में वृद्धि करने के लिए विकसित किए गए हैं।

दो नए शानदार मॉडल का समावेश नई इसुजु हाई-लैंडर और नई वी-क्रॉस जेड-एटी

उन्होंने आगे यह भी कहा कि, हमारे लिए भारत एक महत्वपूर्ण बाजार है। वैश्विक स्तर पर पेश करने के लिए इसुजु के पास जो भी बेहतरीन टेक्नोलॉजी और इंजीनियरिंग है, उन्हें हम यहां लाना जारी रखेंगे। इसुजु दुनियाभर में मजबूत, भरोसेमंद और ईंधन कार्यक्षम व्हीकल्स का निर्माण करने के लिए जाने जाते हैं और हमारे नए बीएस-6 रेंज में यह सभी विशेषताएं मौजूद हैं।

केन ताकाशिमा, डिप्टी मैनेजिंग डायरेक्टर, इसुजु मोर्टर्स इंडिया ने कहा कि, एसयूवी के लिए भारतीय बाजार अपने विकास की चरम अवस्था में पहुंच रहा है। हम इस दौर में अपनी सबसे नवीनतम पेशकश के साथ मौजूद रहते हुए बेहद रोमांचित महसूस कर रहे हैं। भारत में अपना सबसे पहला लाइफस्टाइल एडवेंचर यूटिलिटी व्हीकल पेश करते हुए और बेंचमार्क तय करने पर हमें गर्व हो रहा है। हमारे नए तौर पर लॉन्च किए गए इसुजु हाई-लैंडर और वी-क्रॉस रेंज से नई वी-क्रॉस जेड एटी वैरिएंट के साथ सफलता के इस अध्याय को आगे ले जाते हुए हमें खुशी हो रही है। हमें पूर्ण विश्वास है कि महत्वाकांक्षी उत्पादों की इस व्यापक रेंज के साथ हम उभरते हुए शहरी ग्राहकों की ज़रुरतों को पूरा कर सकेंगे और इस सेगमेंट में अपनी स्थिति और भी मज़बूत कर सकेंगे।

मौजूदा प्रीमियम सिल्की पर्ल वाइट, सॉलिड वाइट, कॉस्मिक ब्लैक, सफायर ब्लू और टाइटेनियम सिल्वर रंगों के अलावा सभी व्हीकल्स रोमांचित करने वाले नॉटिलस ब्लू, स्पिनेल रेड और गैलेना ग्रे के नए रंगों में उपलब्ध होंगे। इसके साथ ही कंपनी ने एमयू-एक्स मॉडल को भी लॉन्च किया है।

ऑनलाइन नृत्य प्रतियोगिता में रूहानी व गरिमा ने मारी बाजी

पायनियर समाचार सेवा। कुरुक्षेत्र

कोरोना महामारी में लॉकडाउन के चलते जहां लोग घरों में रहने को मजबूर हैं। वहीं शहर का उड़ान डी रॉक कल्चरल एवं सोशल वेलफेयर ग्रुप ऑनलाइन कार्यक्रमों के माध्यम से बच्चों की प्रतिभा को निखारने का काम कर रहा है।

इसी कड़ी में ग्रुप द्वारा हर साल की भांति इस साल भी मातृ-दिवस के मौके पर सुपर किड्स एंड सुपर मॉम सीजन-5 का आयोजन किया। जिसमें विभिन्न शहरों से प्रतिभागियों ने नृत्य, कविता और मॉडलिंग विधाओं में अपनी प्रस्तुति दी। ग्रुप की कार्यक्रम संयोजिका विम्मी ने बताया कि यह कार्यक्रम हर साल किया जाता है। ग्रुप के मुख्यनिदेशक तरुण सहगल ने लोगों से कोरोना महामारी के चलते लॉकडाउन की पालना करने और बिना वजह घर से बाहर न निकलने की अपील की। उन्होंने बताया कि इसी को देखते हुए हमारा ग्रुप ऑनलाइन कार्यक्रम करने में प्रयासरत है। आज के कार्यक्रम में अलग-अलग उम्र वर्ग में प्रतिभागियों ने अपनी प्रस्तुति दी, जिसमें उम्र वर्ग 3-8 में नृत्य में रोहतक से रूहानी प्रथम रही। उम्र वर्ग 09-14 में कुरुक्षेत्र से गरिमा नृत्य और कविता में प्रथम तथा अभिमन्यु मॉडलिंग में प्रथम रहे। निर्णायक मंडल की भूमिका सुरभि काठपाल और प्रशांत कुमार द्वारा अदा की गयी।

प्रतियोगिता में प्रस्तुति देते विद्यार्थी

दीपेंद्र हुड्डा और टीम कोरोना मरीजों को उपलब्ध करा रही सेवाएं: अंकित गुप्ता

कुरुक्षेत्र। ऑल इंडिया लॉयर्स फोरम के हरियाणा स्टेट सेक्रेट्री एवं हरियाणा प्रदेश अग्रवाल वैश्य सम्मेलन के जिला अध्यक्ष एडवोकेट अंकित गुप्ता ने कहा कि राज्यसभा सांसद दीपेंद्र हुड्डा व टीम दीपेंद्र राजनीति से ऊपर उठकर जरूरतमंद मरीजों को प्लाज्मा, ब्लड, ऑक्सीजन व दवाइयां व अन्य सेवाएं उपस्थित उपलब्ध करा रहे हैं।

यह बहुत ही गर्व की बात है और इसके लिए वह प्रशंसा के पात्र हैं। गुप्ता ने कहा कि कोरोना काल में सांसद हुड्डा लोगों के लिए किसी मसीहा से कम नहीं उभरे हैं।

संक्षिप्त समाचार

नवीन जिंदल ने दूसरा ऑक्सीजन का टैंकर कुरुक्षेत्र भेजा

कुरुक्षेत्र। कोरोना वैश्विक महामारी का प्रकोप बढ़ता जा रहा है। हर जगह लोग ऑक्सीजन और बेड को लेकर चिंतित हैं। लोगों की इसी चिंता को दूर करने के लिए प्रसिद्ध उद्योगपति और 14वीं-15वीं लोकसभा के सांसद नवीन जिंदल ने अपने अंगुल प्लांट से कुरुक्षेत्र के लिए दूसरा ऑक्सीजन से भरा हुआ टैंकर सेक्टर-2 कुरुक्षेत्र में पहुंचाया। कांग्रेस के समन्वयक व पूर्व जिला अध्यक्ष पवन गर्ग और जिला परिषद की पूर्व उपाध्यक्ष सुनीता नेहरा ने कहा कि नवीन जिंदल ने नेकी और जिंदादिली की मिसाल कायम की है। केंद्र और हरियाणा सरकार का यथासंभव सहयोग करने से पीछे नहीं हट रहे हैं। जिंदल परिवार इस वैश्विक महामारी के चलते लोगों की मदद में जुटे हैं। उन्होंने बताया कि जिंदल ग्रुप की तरफ से निस्वार्थ सेवा भाव का परिचय देते हुए कई राज्यों में निःशुल्क ऑक्सीजन से भरे हुए टैंकर भेजे गए हैं।उन्होंने बताया कि नवीन जिंदल से हरियाणा सरकार को कुरुक्षेत्र के लिए दूसरा ऑक्सीजन से भरा हुआ टैंकर पहुंच गया है और वे केंद्र और राज्य सरकारों की मदद के लिए ऑक्सीजन निःशुल्क भेजते रहेंगे।

कोरोना को रोकने के लिए जागरूक हो आमजन : मधुसूदन

कुरुक्षेत्र। किसान कांग्रेस के जिलाध्यक्ष एवं जिला कैथल के आब्जर्वर एडवोकेट मधु सूदन बवेजा ने कहा कि कोरोना का प्रकोप लगातार बढ़ता जा रहा है। इसे रोकने के लिए आमजन को स्वयं जागरूक होना होगा। एडवोकेट मधु सूदन बवेजा वार्ड 10 के सेक्टर 3 व डेरा रामपुरा में विटामिन सी, पैरसीटमॉल 650 एमजी व मास्क वितरित करने के बाद लोगों को संबोधित कर रहे थे। उनके साथ महिला कांग्रेस की जिलाध्यक्ष निशी गुप्ता, मीना सिंह, कोविड टीम के सदस्य वीरेंद्र रोहिला व समाजसेवी सुनील यादव भी मौजूद रहे। कोविड कन्वीनर बवेजा ने कहा कि दवाईयां वितरित करने का यह अभियान थानेसर के सभी 31 वार्डों में चलाया जाएगा। मधुसूदन बवेजा ने कहा कि संकट के समय में भाजपा सरकार अपनी जिम्मेदारी इमानदारी से निभाएं, खानापूर्ति ना करें।

कुरुक्षेत्र में कोरोना से संक्रमित 263 नए केस: डा. संतलाल

कुरुक्षेत्र। जिला सिविल सर्जन डा. संत लाल वर्मा ने कहा कि कुरुक्षेत्र से 185 मरीजों को ठीक होने पर अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया गया है। इसके साथ-साथ कुरुक्षेत्र में कोरोना से संक्रमित 263 नए केस सामने आए हैं। इतना ही नहीं कुरुक्षेत्र में कोरोना वायरस से संक्रमित अब तक 16172 मरीज ठीक होकर घर लौट गए हैं। अहम पहलू यह है कि अभी तक लिए गए 314077 में से 292830 सैम्पलों की रिपोर्ट नेगेटिव आ चुकी है। उन्होंने कहा कि कुरुक्षेत्र में अलग-अलग जगहों से कोरोना वायरस से संक्रमित 263 नए केस सामने आए हैं। कुरुक्षेत्र में 185 मरीजों की कोरोना रिपोर्ट नेगेटिव आने पर डिस्चार्ज कर दिया गया है। कोरोना पॉजिटिव गोबिंदगढ़ सलारपुर रोड कुरुक्षेत्र निवासी 50 वर्षीय व्यक्ति, गांव बजीदपुर मथाना निवासी 30 वर्षीय व्यक्ति और जोशियान मोहल्ला मैन बाजार कुरुक्षेत्र निवासी 41 वर्षीय व्यक्ति की मृत्यु हो गई है। जिले में अब तक 18883 पॉजिटिव केस सामने आ चुके हैं। उन्होंने बताया कि कोरोना वायरस की जांच के लिए इस जिले से अब तक 314077 में से 292830 सैम्पल की रिपोर्ट नेगेटिव आ चुकी है। इनमें से 16172 मरीज ठीक होकर घर जा चुके है और 221 कोरोना पाजिटिव मरीजों की मृत्यु हो चुकी है। इस प्रकार कुरुक्षेत्र में कोरोना वायरस के 2490 एक्टिव केस हैं।

टोल फ्री नम्बर 1950: तीन दिनों में 63 लोगों ने मांगा बैड

कुरुक्षेत्र। कोविड कंट्रोल रुम से चिकित्सकों की विशेष टीमों द्वारा कोरोना से संक्रमित 345 मरीजों की सहायता की जा चुकी है। इन मरीजों को चिकित्सीय सलाह देने के साथ-साथ काउसिलिंग करके उत्साह वर्धन भी किया जा रहा है। इस समय कंट्रोल रुम टोल फ्री नम्बर 1950 पर नियमित रुप से कोरोना के संक्रमित मरीजों को सलाह दी जा रही। इस कंट्रोल रुम में 24 घंटे चिकित्सक और उनकी टीम के सदस्य मरीजों की सहायता के लिए उपलब्ध है। उपायुक्त शरणदीप कौर बराड़ ने बातचीत करते हुए कहा कि कंट्रोल रुम के टोल फ्री नम्बर 1950 को कोविड मरीजों की हर सम्भव सहायता उपलब्ध करवाने के लिए स्थापित किया गया है। इस कंट्रोल रुम में छह चिकित्सकों और उनकी टीम की डयूटी लगाई गई है। नोडल अधिकारी गुलजार अहमद का कहना है कि 7 मई से 9 मई तक 345 शिकायतों को दर्ज किया गया। सभी का समाधान किया गया। इसके अलावा 63 लोगों बैड के लिए कॉल की है। सभी लोगों की समस्या का हर सम्भव समाधान भी किया गया है। इसके अलावा टोल फ्री नम्बर 1950 पर दवाइयों, टीकाकरण, बैड और प्रोटोकॉल फॉर होम आईसोलेशन के लिए कॉल आ रही है। इस कंट्रोल रुम पर 24 घंटे लोगों की समस्या का समाधान करने के लिए कर्मचारी ईमानदारी के साथ अपनी डयूटी दे रहे हैं।

आखिरी सांस तक लड़ेंगे किसानों के हितों की लड़ाई: राजेवाल

कुरुक्षेत्र। तीन कृषि कानूनों को लेकर किसानों के हकों की लड़ाई लड़ रहे किसान नेता बलबीर सिंह राजेवाल आज ईशरगढ में किसानों द्वारा चलाए जा रहे लंगर पर पहुंचे। उनके पहुंचने पर लेकिन हरियाणा नंबरदार एसोसिएशन के प्रवक्ता हरप्रीत चीमा, किसान संगठनों के सदस्यों पदाधिकारियों और लंगर आयोजित कमेटी के परदान दिलबाग गिल द्वारा उन्हें सिरोपा व कृपाण देकर सम्मानित किया गया। राजेवाल ने कहा कि सरकार द्वारा चोर दरवाजे से तीन काले कृषि कानून जबरदस्ती किसानों पर थोपे गए हैं। जिन्हें किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। संयुक्त किसान मोर्चा इस समय किसानों के हकों की लड़ाई लड़ रहा है और आखरी सांस तक इस लड़ाई को जारी रखा जाएगा। केंद्रीय सरकार द्वारा अपने चंद पूंजीपति मित्रों को फायदा पहुंचाने के लिए देश के किसान को तानाशाह तरीके से बर्बाद किया जा रहा है, परंतु आज देश का किसान जाग चुका है। अपनी हकों की लड़ाई के लिए पिछले 6 महीने से आंदोलन को जारी रखे हुए हैं। केंद्रीय सरकार केवल किसान हितैषी होने का ढोंग करती है, जबकि इस सरकार को किसानों के हितों से कोई सरोकार नहीं है। किसान आंदोलन में शहीद हुए किसानों के लिए इस निर्दय सरकार ने एक आंसू तक नहीं बहाया और ना ही किसी भी शहीद किसान के लिए अपनी संवेदना प्रकट की।उन्होंने आयोजक कमेटी द्वारा लगातार चलाए जा रहे लंगर की प्रशंसा करते हुए कहा कि हरियाणा और पंजाब के किसानों ने किसान आंदोलन में एक बेहतरीन भाईचारे की मिसाल कायम की है।

ऑक्सीजन के कमरा नंबर-99 में कोई नहीं मिलता: विधायक

जैन स्कूल में बने अस्थाई अस्पताल में ना ऑक्सीजन, ना वेंटिलेटर और ना ही डाक्टर

पायनियर समाचार सेवा। रेवाडी

कोरोना काल में रेवाडी जिले के हालातों पर जिला उपायुक्त यशेंद्र सिंह ने जिला प्रशासन की वर्चुअल मीटिंग ली। इस वर्चुअल मीटिंग में रेवाडी विधायक चिरंजीव राव ने भी अपने सुझाव व समस्याओं से अवगत कराया।

चिरंजीव राव ने कहा कि रेवाडी के सरकारी अस्पताल के कमरा नंबर-99 जोकि ऑक्सीजन संबधी है, उसमें कोई नहीं मिलता है। मुझे इसकी शिकायत बहुत से लोगों ने की है। इसके अलावा ऑक्सीजन की कमी और अस्पतालों में बेड की कमी के लिए भी बहुत फोन आते हैं। वहीं जैन स्कूल में बने अस्थाई अस्पताल का भी बुरा हाल है। क्योंकि यहां पर भी ना ऑक्सीजन है, ना वेंटिलेटर है और ना ही डाक्टर्स स्टाफ है। ऐसे में इस अस्थाई अस्पताल बनाने का कोई फायदा नही हो पा रहा है।

विधायक चिरंजीव राव ने अपने सुझाव देते हुए कहा कि जिले को सैनेटाइज कराना चाहिए और ग्रामिण क्षेत्रों में भी कोरोनो ने अपने पैर पसार लिए हैं।

गांवों में टेस्ट नहीं हो पा रहे हैं यदि गांवों में टेस्ट शुरू हो जाएं तो हर घर में एक कोरोना संक्रमित निकलेगा। उन्होंने कहा कि सरकार कोरोना को रोकने के लिए हर गांव में स्वास्थ्य विभाग की टीम भेजें। यह टीम हर गांव में घर-घर जाकर हर परिवार के प्रत्येक सदस्य की कोरोना की जांच करें।

यदि गांवों में टेस्ट शुरू हो जाएं तो हर घर में मिलेगा एक कोरोना संक्रमित

साथ ही ग्रामिणों को जागरूक बनाने के लिए विशेष रूप से अभियान भी चलाए। साथ ही इंजेक्शन रेमडेसिविर की भी जिले में भारी कमी है इसकी ओर भी ध्यान दिया जाए व ज्यादा से ज्यादा वैक्सिनेशन किया जाए।

गीता स्कूल में बना 50 बैड का कोविड केयर सेंटर

पायनियर समाचार सेवा। कुरुक्षेत्र

कुरुक्षेत्र में हल्के लक्षण वाले कोरोना मरीजों की देखभाल के लिए कोविड केयर सेंटर स्थापित किया है। इस केयर सेंटर में 50 बेड की व्यवस्था की गई है। इस केयर सेंटर में उन कोरोना मरीजों को रखा जाएगा, जिनको हल्के लक्षण हैं। उनके घरों में अलग से कोई व्यवस्था नहीं है। ऐसे कोरोना मरीजों की देखभाल इस केयर सेंटर में की जाएगी।

गीता स्कूल में कोविड केयर सेंटर की व्यवस्था को देखने के लिए सोमवार को एसडीएम लाडवा अनुभव मेहता, सीएमओ डा. संत लाल वर्मा, डिप्टी सीएमओ डा. आरके सहाय, जिला शिक्षा अधिकारी अरुण आश्री सहित अन्य अधिकारियों ने निरीक्षण किया। इस स्कूल में कोविड केयर सेंटर से सम्बन्धित तमाम व्यवस्थाएं ठीक पाई गई। इसलिए इस स्कूल में 50 बैड के कोविड केयर सेंटर को बनाने की अनुमति दी गई है। सीएमओ डा. संत लाल वर्मा ने कहा कि राज्य सरकार के आदेशानुसार और उपायुक्त शरणदीप कौर बराड़ के मार्गदर्शन में गीता स्कूल में 50 बैड का कोविड केयर सेंटर बनाया गया है।

कोविड मरीजों को नहीं होने देंगे कोई समस्या: सुधा

विधायक सुभाष सुधा ने कहा कि कुरुक्षेत्र में कोविड मरीजों को आक्सीजन और बेड की कोई समस्या नहीं आने दी जाएगी। इस जिले में सरकार की तरफ से स्वास्थ्य सेवाओं से सम्बन्धित तमाम सुविधाएं उपलब्ध करवाई जा रही है। इस जिले में आक्सीजन के कोटे में लगातारी इजाफा भी किया जा रहा है ताकि सभी मरीजों को आक्सीजन मिल सके। इतना ही नहीं सरकार ने निजी मेडिकल कालेजों व अस्पतालों में कोविड-19 के उपचार के लिए अधिकतम दरे भी निर्धारित कर दी हैं। विधायक सुभाष सुधा ने सोमवार को बातचीत करते हुए कहा कि कुरुक्षेत्र में आक्सीजन व बैडों की व्यवस्था को लेकर दूरभाष पर मुख्यमंत्री मनोहर लाल से बातचीत कर मांग रखी कि इस जिले में सरकार की तरफ से हर सम्भव स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करवाई जा रही है।

गांव प्रेमनगर में मेडिकल कॉलेज निर्माण के लिए धरना 130वें दिन भी जारी

पायनियर समाचार सेवा। भिवानी।

गांव प्रेमनगर में चल रहे धरने को 130 दिन हो गये हैं। ग्रामीणों ने कहा कि वें वर्तमान सरकार की नीतियों एवं प्रशासनिक प्रबंधों की आलोचना करते हैं। वर्तमान हालातों के लिए सरकार का कुप्रबंधन व सरकार की नीतियां जिम्मेदार हैं।

धरने को संबोधित करते हुए राजेश बूरा ने कहा कि यदि समय रहते हरियाणा के मुख्यमंत्री भिवानी में बनने वाले मेडिकल कॉलेज को पूरा करवा देते, जिसके लिए गांव प्रेमनगर ने 37 एकड़ भूमि में की हुई है, तो आज कोरोना काल में सैकड़ों लोगों की जान बचाई जा सकती थी। लेकिन वर्तमान सरकार की नजर मेडिकल कॉलेज में राजनीति करण कर क्षेत्र की जनता को अपने हालातों पर मरने को छोड़ दिया है। जिस मेडिकल कॉलेज का निर्माण 29 जुलाई 2017 को गांव प्रेमनगर में की गई रैली की घोषणा व जेपी नड्डा के किए वायदे अनुसार 18 महीनों में 2019 तक पूरा हो जाना चाहिए था, वह मेडिकल कॉलेज सरकार अभी तक कागजों से बाहर भी नहीं निकाल पाई है। सरकार केवल जनता को गुमराह कर रही है। वर्तमान में जहां भिवानी शहर के अति महत्वपूर्ण ग्रामीण आंचल से जुड़ी दो बड़ी परियोजनाओं मिल्क प्लांट व मुर्राह कटड़ा फॉर्म को बंद व सीमित कर दिया है।

राजस्थान की तर्ज पर हरियाणा में भी परिवहन सेवाएं हों स्थगित

पायनियर समाचार सेवा। कुरुक्षेत्र

ऑल हरियाणा रोडवेज वर्कर्स यूनियन ने कोरोना महामारी के चलते रोडवेज कर्मचारियों की हुई मौतों पर गहरा दुख प्रकट किया। यूनियन ने सरकार के परिवहन मंत्री द्वारा इन असमय हुई मौतों पर उनके प्रति संवेदना प्रकट न करने पर गहरी निराशा व्यक्त की है।

यूनियन के राज्य प्रधान विनोद शर्मा, महासचिव सुखविंद्र सिंह ब्याना, वरिष्ठ उपप्रधान मायाराम उनियाल, उप महासचिव ज्ञान सिंह राठी व कोषाध्यक्ष मुनिन्द्र सिंह ने संयुक्त ब्यान जारी करते हुए कहा कि सरकार की कोरोना महामारी को लेकर कोई स्पष्ट नीति नहीं है जिसके चलते प्रदेश में कोविड के केस लगातार बढ़ रहे है और मौतों का आंकड़ा लगातार बढ़ रहा है।

कोविड के लगातार बढ़ रहे केस, रोडवेज कर्मी भी हो रहे कोरोना पॉजिटिव

वरिष्ठ उपप्रधान मायाराम ने हरियाणा सरकार से मांग की है कि पड़ोसी राज्य राजस्थान की तर्ज पर परिवहन सेवाएं स्थगित करने, रोडवेज कर्मचारियों को कोरोना योद्धा घोषित कर शहादत देने वाले कर्मचारियों के परिवार को 50 लाख रुपये की सहायता स्वास्थ्य व पुलिस विभाग की तर्ज पर देने तथा उनके परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी प्रदान करने का काम करें।

उन्होंने हैरानी प्रकट करते हुए कहा कि स्वास्थ्य मंत्रालय की गाइड लाइन में बार-बार स्पष्ट किया गया है कि 6 फुट की दूरी व मास्क है जरूरी, पर ये कैसे संभव है कि बस में 50 प्रतिशत यात्रियों में भी यह नियम लागू हो सकता है और परिचालक को प्रत्येक यात्री के पास जाकर किराया लेना होता है। सरकार ने मास्क व सैनिटाइजर जैसी सुविधाएं भी कर्मचारियों को नही दी है जबकि रोडवेज कर्मचारियों से ऑक्सीजन टैंकर व अस्पताल की सेवाएं भी सरकार ले रही है।

लॉकडाउन में कुवि कर्मचारी घर से करेंगे कार्य

कुरुक्षेत्र। मुख्य सचिव हरियाणा सरकार, उच्च शिक्षा विभाग ने प्राप्त निर्देशानुसार कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय प्रशासन ने 10 मई से 17 मई प्रातः 5 बजे तक विश्वविद्यालय बंद करने का निर्णय लिया है। लोक सम्पर्क विभाग के उपनिदेशक डॉ. दीपक राय बब्बर ने बताया कि कुवि कुलपति प्रोफेसर सोमनाथ सचदेवा के निर्देशानुसार कोरोना वैश्विक महामारी के मद्देनजर जरूरी आवश्यक सेवाओं को छोड़कर कुवि गैर-शिक्षक कर्मचारी, कांट्रेक्ट, पार्ट टाइम एवं आउटसोर्सिंग स्टाफ अब लॉकडाउन के समय में घर से ही कार्य करेंगे। इस दौरान अपने स्टेशन को नहीं छोड़ेंगे। उन्होंने बताया कि इस लॉकडाउन के दौरान सभी कर्मचारी मोबाईल फोन या ईमेल पर उपलब्ध होंगे व विश्वविद्यालय की वेबसाइट से लगातार अपडेट लेते रहेंगे।

भूतपूर्व सैनिकों को साल में एक बार जीवित प्रमाण पत्र दिखाना अनिवार्य

भिवानी। राज्य सरकार द्वारा भूतपूर्व सैनिकों एवं उनके आश्रितों को दी जाने वाली आर्थिक सहायता के दृष्टिगत संबंधित लाभपात्र को वर्ष में एक बार अपना जीवित प्रमाण पत्र देना अनिवार्य है।

यह जानकारी देते हुए जिला सैनिक बोर्ड के सचिव ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा दी जाने वाली आर्थिक सहायता को लगातार जारी रखने के लिए वर्ष में एक बार जीवित प्रमाण पत्र संबंधित गांव के सरपंच एवं नगर पार्षद के हस्ताक्षर करवाकर जिला सैनिक बोर्ड कार्यालय में 20 मई तक जमा करवा दें। उन्होंने बताया कि जीवित प्रमाण पत्र के साथ आधार कार्ड व बैंक पासबुक की फोटोप्रति तथा अपना मोबाईल नंबर आवश्य जमा करवाएं अन्यथा सरकार की हिदायतों के अनुसार आर्थिक सहायता बंद कर दी जाएगी।

कोरोना महामारी को लेकर खुद रखें सावधानी : लक्ष्मीकांत शर्मा

पायनियर समाचार सेवा। कुरुक्षेत्र।

देश मे कोरोना का कहर लगातार बढ़ता जा रहा है, जिसे लेकर अब सरकार से कोई उम्मीद रखने की बजाय देशवासियों को खुद ही सावधानी बरतनी होगी, क्योंकि सरकार के सब दावे फेल हो चुके हैं। ये शब्द प्रदेश कांग्रेस कमेटी पूर्व कार्यकारिणी सदस्य लक्ष्मी कांत शर्मा ने कहे।

कांग्रेस नेता ने कहा कि भाजपा सरकार अपने तुगलकी फरमानों के लिए जानी जाएगी जब देश मे 500 से भी कम मामले थे तब तुरंत लोकडाउन लगा दिया गया था। अब हर रोज चार लाख से ज्यादा केस आ रहे, जनता खुद लोकडाउन की मांग कर रही, यहां तक सर्वोच्च न्यायालय भी कह चुका मगर मोदी जी लोकडाउन नहीं लगा रहे। देश मे कोरोना से होने वाली मौतों का आंकड़ा प्रतिदिन चार हजार से ज्यादा हो चुका। उन्होंने कहा कि देश की जनता को कोरोना को लेकर खुद ही सजग होना होगा क्योंकि कोरोना की दूसरी लहर के लिए जिम्मेदार केंद्र सरकार अब लोगों की जान बचाने के मामले में पूरी तरह हाथ खड़े कर चुकी है।

उन्होंने कहा कि लोगों को खुद अपना ध्यान रखना होगा बार-बार हाथ धोना, फिजिकल डिसटेनसिंग, सैनेटाइज करना, जब तक बहुत जरूरी ना हो घर से बाहर ना निकलें और सबको करोना वैक्सीन का इंजेक्शन लगवाना जरूरी है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी केंद्र तथा प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कुमारी शैलजा जी राज्य सरकार को सम्पूर्ण सहयोग की ऑफर कर चुके मगर भाजपा के लोग मदद लेने में शायद अपनी तौहीन महसूस करते हैं।

एंबुलेंस का किराया फिर किया निर्धारित: डीआरओ

पायनियर समाचार सेवा। रेवाड़ी

जिला राजस्व अधिकारी एवं एंबुलेंस प्रबंधक कमेटी के नोडल अधिकारी राजेश ख्यालिया ने उपायुक्त यशेन्द्र सिंह के निर्देश पर जिले में प्राइवेट एंबुलेंस ऑपरेटरों के प्रतिवेदन को मध्यनजर रखते हुए जिले में एम्बुलेंस के रेट पुनः निर्धारित किए हैं। उन्होंने बताया कि नगरपालिका एरिया में बेसिक लाइफ स्पोर्ट एंबुलेंस के 800 रुपये व 0 से 25 किलोमीटर की दूरी तक 1200 रुपये, 26 से 50 किलोमीटर दूरी तक 2000 रुपये तथा 51 से अधिक किलोमीटर कि दूरी पर 20 रुपये प्रति किलोमीटर के हिसाब से चार्ज लिया जाएगा।

उन्होंने बताया कि इसी प्रकार एडवांस लाइफ स्पोर्ट एंबुलेंस नगर पालिका क्षेत्र में 1400 रुपये तथा 0 से 25 किलोमीटर दूरी तक 2000 रुपये, 26 से 50 किलोमीटर दूरी तक 4000 रुपये व 51 किलोमीटर से अधिक दूरी होने पर 40 रुपये प्रति किलोमीटर के हिसाब से चार्ज वसूला जाएगा। उन्होंने बताया कि इसके अलावा जरूरत के अनुसार अलग से चार्ज लिया जाएगा। सभी एंबुलेंस मालिक व चालक कोविड-19 के तहत सरकार द्वारा जारी हिदायतों की पालना सुनिश्चित करेंगे तथा कोविड-19 के दृष्टिगत एंबुलेंस में कार्यरत चालक व मरीज के बीच पार्टीशन होना अनिवार्य होगा।

एंबुलेंस में ऑक्सीजन की पर्याप्त मात्रा होना अनिवार्य होगा

एंबुलेंस वैन के अतिरिक्त इन एंबुलेंस में ऑक्सीजन की पर्याप्त मात्रा होना अनिवार्य होगा। चालक की पीपीई किट, आक्सीजन एवं वाशिंग के खर्चे का वहन मरीज या मरीज के सहायक द्वारा किया जाएगा। बेसिक लाइफ स्पोर्ट एंबुलेंस पूर्ण रूप से उपकरणों से युक्त होगी। एडवांस लाइफ स्पोर्ट एंबुलेंस भी पूर्ण रूप से उपकरणों व वेंटिलेटर युक्त होगी।

अब गांवों में भी कोरोना धारण कर रहा विकराल रूप: गोठड़ा

डिप्टी सीएम के साथ वीसी में जिला प्रधान ने उठाए कोविड के मुद्दे

अब ग्रामीण क्षेत्रों में भी कोरोना महामारी विकराल रूप धारण कर रही है।

पायनियर समाचार सेवा। भिवानी

जननायक जनता पार्टी के जिला प्रधान विजय गोठड़ा ने जिले के कोरोना की स्थिति और प्रबंधों से आज सोमवार को डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला को अवगत करवाया। उन्होंने डिप्टी सीएम को बताया की जिले में अतिरिक्त व्यवस्था प्रबधनों करने की जरूरत है।

उन्होंने बताया की शहरी क्षेत्रों के साथ-साथ अब ग्रामीण क्षेत्रों में भी कोरोना महामारी विकराल रूप धारण कर रही है। ऐसे में वर्तमान प्रबंध और उपलब्ध साधन कम पड़ रहे है।

इसलिए अतिरिक्त प्रबंध करने की आवश्यकता है। बताया कि भिवानी में अतिरिक्त ऑक्सीजन बैड व वेंटीलेटर बढ़ाए जाने की जरूरत है। उन्होंने सुझाव दिया की रोहतक रोड पर स्थित एमके हॉस्पिटल को भी कॉविड सेंटर बनाया जाना चाहिए। शहरी व ग्रामीण आबादी में तुरंत सैनेटाइजेशन करवाया जाना चाहिए और जिले की सीएचसी और उपमंडल व ब्लॉक स्तर पर और अस्पतालों में भी कोविड सेंटर बनाए जाने चाहिए।

गांवों में होम आइसोलेटेड मरीजों के लिए गांव में ही किसी पंचायत घर, स्कूल, पीएचसी, धर्मशाला व आंगनबाड़ी केंद्रों में आइसोलेशन सेंटर बनाने चाहिए। उनमें ऑक्सीजन बेड की व्यवस्था की जानी चाहिए। ताकी सभी को एक जगह ही सुविधा मिल सके और घर के अन्य सदस्यों को परेशानी ना हो। इसके लिए पंचायतों को अति शीघ्र फंड दिया जाना चाहिए। उन्होंने सुझाया कि टीकाकरण अभियान को और तेज करने की अति आवश्यकता है।

भौमवती अमावस्या पर रक्तदान दिलाता है मानसिक तनाव से मुक्ति: कौशिक

चन्द्र अग्रवाल। थानेसर

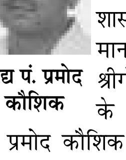

वैद्य पं. प्रमोद कौशिक

भौमवती अमावस्या मंगलवार को है, जिसका ज्योतिष शास्त्र में विशेष महत्व माना जाता है। श्रीगोविन्दानंद आश्रम के सह संरक्षक वैद्य पं. प्रमोद कौशिक ने जानकारी देते हुए बताया कि अमावस्या तिथि के दिन मंगलवार योग होने से इस योग को भौमवती अमावस्या कहा जाता हैं। यह दिन मंत्र-तंत्र साधना लोक कल्याण के लिए अति उत्तम दिन माना जाता है। व्यासजी ने कहा है कि इस अमावस्या काल में गंगाजी व कुरुक्षेत्र के 48 कोस के किसी भी तीर्थ में स्नान करने व लॉकडाउन में स्मर्ण करने से हजारों गायों के दान का फल मिल जाता है। इस दिन अपने पूर्वजों के निमित्त पीपल का पेड़ लगाने से, श्राद्ध तर्पण, दान, पूजा-पाठ करने से मनोवांछित फल की प्राप्ति होती है।

अमावस्या एक ऐसी तिथि है, जिसकी रात्रि में संपूर्ण अंधकार होता है। अन्य रात्रियों में चंद्रमा के दर्शन प्रायः हो जाते हैं परंतु अमावस्या में चंद्रमा के दर्शन नहीं होते हैं। कौशिक ने बताया कि अमावस्या कृष्ण पक्ष की सबसे अंतिम रात्रि होती है, जिसके बाद शुक्ल पक्ष प्रारंभ हो जाता है। इस दिन पीपल के वृक्ष के मूल में विष्णु भगवान का पूजन करने का विधान दिया गया है। इस दिन गऊशालाओं में कम से कम अपने वजन के बराबर गऊओं को हरी घास खिलाने का भी महत्व माना जाता है। अमावस्या को स्त्रियां अपने सुहाग की रक्षा और आयु वृद्धि के लिए पीपल की पूजा करती हैं।

भारत बना टीके की 17 करोड़ खुराकें देने वाला दुनिया का सबसे तेज देश

इतनी खुराकें देने में चीन को 119 दिन जबकि अमेरिका को 115 दिन लगे

एजेंसी। नई दिल्ली

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने सोमवार को कहा कि लोगों को कोविड-19 रोधी टीके की 17 करोड़ खुराकें देकर भारत ने दुनिया में सबसे तेजी से टीकाकरण किया है। मंत्रालय ने कहा कि इस आंकड़ा तक पहुंचने में चीन को 119 दिन जबकि अमेरिका को 115 दिन लगे। भारत में स्वास्थ्यकर्मियों को खुराकें देने के साथ 16 जनवरी से टीकाकरण अभियान शुरू किया गया। इसके बाद दो फरवरी से अग्रिम मोर्चे के कर्मियों का टीकाकरण आरंभ हुआ। इसके बाद अलग-अलग उम्र समूहों के लिए टीके देने की शुरुआत की गई। देश में टीके की 17 करोड़ खुराकें दी जा चुकी है। सुबह सात बजे तक अनंतिम रिपोर्ट के मुताबिक कुल 24,70,799 सत्र में 17,01,76,603 खुराकें दी गईं। इनमें से 95,47,102 स्वास्थ्यकर्मियों को पहली खुराक

और 64,71,385 को दूसरी खुराक दी गई। वहीं अग्रिम मोर्चे के 1,39,72,612 कर्मियों को पहली खुराक और 77,55,283 को दूसरी खुराक दी गई है। देश में 18-44 उम्र समूह में 20,31,854 लोगों को पहली खुराक दी गई है। जबकि, 45 से 60 वर्ष के समूह में 5,51,79,217 को पहली खुराक और 65,61,851 को दूसरी खुराक दी गई है। वरिष्ठ नागरिकों में 5,36,74,082 को पहली खुराक और 1,49,83,217 को दूसरी खुराक दी गई है।

अनंतिम रिपोर्ट के अनुसार कुल 24,70,799 सत्र में 17,01,76,603 खुराकें दी गई

देश 66.79 प्रतिशत टीकाकरण में महाराष्ट्र, राजस्थान, गुजरात, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, केरल, बिहार और आंध्र प्रदेश की भागीदारी है। मंत्रालय ने कहा कि टीकाकरण के 114 वें दिन (नौ मई) को टीके की 6,89,652 खुराकें दी गई।

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी समेत अब मंत्रिमंडल में नौ महिलाएं

बंगाल में 24 कैबिनेट मंत्री एवं 10 राज्य मंत्री समेत टीएमसी के 43 विधायक बने मंत्री

राज्यपाल जगदीप धनखड़ ने मंत्री पद की शपथ दिलाई, विभागों का हुआ बंटवारा

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी नीत नई सरकार के मंत्रिमंडल के कम से कम 43 सदस्यों को सोमवार को राजभवन में एक संक्षिप्त समारोह में मंत्री पद की शपथ दिलाई गई। कोविड-19 महामारी के प्रकोप के बीच राज्यपाल जगदीप धनखड़ ने एक संक्षिप्त समारोह में मंत्रियों को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई।

तृणमूल कांग्रेस के अमित मित्रा, ब्रत्य बासु और रतिन घोष को डिजिटल तरीके से शपथ दिलाई गई। मित्रा इस समय अस्वस्थ हैं और बासु तथा घोष कोविड-19 से उबर रहे हैं। आज जिन्हें शपथ दिलाई गई, उनमें 24 कैबिनेट मंत्री एवं 10 राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) हैं। आठ महिलाएं भी मंत्रिमंडल में शामिल की गई हैं तथा मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को मिलाकर अब मंत्रिमंडल में नौ महिलाएं हैं। राज्य सचिवालय में सरकार की पहली मंत्रिमंडलीय बैठक में मंत्रियों के विभाग तय किए गए।

मुख्यमंत्री ने गृह, पहाड़ी विषय, कार्मिक एवं प्रशासन, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, भूमि एवं भू सुधार,

शरणार्थी एवं पुनर्वास तथा सूचना एवं संस्कृति विषय तथा उत्तर बंगाल विकास विभाग अपने पास रखे हैं। अमित मित्रा, सुब्रत मुखर्जी, फरहाद हकीम और पार्थ चटर्जी समेत पिछली ममता बनर्जी सरकार के सभी वरिष्ठ मंत्रियों को फिर मंत्रिमंडल में जगह मिली है।

क्रिकेट से राजनीति में आए मनोज तिवारी, सुभेंदु अधिकारी के विरोधी अखिल गिरि एवं पूर्व आईपीएस अधिकारी हुमायूं कबीर मंत्रिमंडल में शामिल किए गए 16 नए चेहरों में शामिल हैं। वैसे ज्यादातर मंत्रियों को अपने पुराने विभाग मिले हैं लेकिन पार्थ चटर्जी को उद्योग, वाणिज्य एवं उपक्रम तथा सूचना प्रौद्योगिकी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स तथा संसदीय कार्य विभाग सौंपे गए। ब्रत्य बासु को शिक्षा मंत्री बनाया गया है जो पहले चटर्जी के पास था। मोहम्मद गुलाम अब नए अल्पसंख्यक कार्य एवं मदरसा शिक्षा मंत्री हैं। सोभनदेब चट्टोपाध्याय को कृषि विभाग सौंपा गया है जबकि अरूप बिश्वास खेल मंत्री बने रहेंगे और उनके पास बिद्युत विभाग भी होगा।

पिछले ममता बनर्जी मंत्रिमंडल में खाद्य एवं आपूर्ति मंत्री रही ज्योति प्रियो मलिक को अब वन मंत्री बनाया गया है जबकि नए चेहरे रतिन घोष को खाद्य एवं आपूर्ति विभाग दिया गया है। मलिक के पास अनवीकरणीय एवं नवीकरणीय ऊर्जा विभाग भी रहेंगे। मुख्यमंत्री ने बाद में घोषणा की कि निर्मल घोष एवं तापस राय विधानसभा में पार्टी के सचेतक और उपसचेतक होंगे।

बंगाल : भाजपा के शुभेंदु अधिकारी चुने गए नेता प्रतिपक्ष

कोलकाता। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में दूसरे सबसे बड़े राजनीतिक दल के रूप में सामने आई भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने सोमवार को सर्वसम्मति से शुभेंदु अधिकारी को नेता प्रतिपक्ष चुना। केन्द्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद ने पार्टी विधायकों के साथ बैठक करने के बाद शुभेंदु अधिकारी के भाजपा विधायक दल का नेता चुने जाने की घोषणा की। अधिकारी ने एक कड़े मुकाबले में बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को नंदीग्राम विधानसभा सीट से 1900 मतों के अंतर से हराया है। गौरतलब है कि 294 सदस्यों वाली विधानसभा में भाजपा 77 सीटों पर जीत हासिल कर प्रमुख विपक्षी दल के रूप में उभरी है। भाजपा ने नदिया सीट से जीत हासिल करने वाले मुकुल राय समेत पार्टी के कई अन्य वरिष्ठ नेताओं को दरकिनार कर अधिकारी को तवज्जो दी है। ममता सरकार में परिवहन और पर्यावरण समेत कई अहम मंत्रालय संभाल चुके अधिकारी पिछले वर्ष दिसंबर में भाजपा में शामिल हुए थे।

राजस्थान में संपूर्ण लॉकडाउन का जिम्मेदारी से पालन करें: गहलोत

एजेंसी। जयपुर

राजस्थान में कोरोना वायरस संक्रमण की कड़ी तोड़ने के लिए पखवाड़े भर का संपूर्ण लॉकडाउन सोमवार सुबह से शुरू हो गया और मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने लोगों से अपील की है कि वे इसका जिम्मेदारी से पालन करें। गहलोत ने महामारी रेड अलर्ट जन अनुशासन लॉकडाउन संबंधी दिशा-निर्देश ट्वीट करते हुए लिखा, लोग पूरी गंभीरता और जिम्मेदारी से लॉकडाउन की पालना करें।

राज्य सरकार ने कोरोना संक्रमण की कड़ी तोड़ने के लिए राज्य में 10 मई प्रातः 5 बजे से 24 मई प्रातः 5 बजे तक सम्पूर्ण लॉकडाउन लगाया है। इस दौरान कोई विवाह समारोह नहीं होगा और सभी धार्मिक स्थल बंद रहेंगे।

ग्रामीण इलाकों में महात्मा गांधी रोजगार गारंटी योजना मनरेगा के कार्य भी इस दौरान स्थगित रहेंगे। इस दौरान सभी प्रकार के धार्मिक स्थल बंद रहेंगे। अधिकारियों ने बताया कि विवाह से संबंधित किसी भी प्रकार के समारोह, डीजे, बारात एवं निकासी तथा प्रीतिभोज आदि की अनुमति 31 मई तक नहीं होगी। विवाह घर पर ही अथवा कोर्ट मैरिज के रूप में ही करने की अनुमति होगी, जिसमें केवल 11 लोगों के शामिल होने की अनुमति होगी, जिनकी जानकारी संबंधित वेब पोर्टल पर देनी होगी। मैरिज गार्डन, मैरिज हॉल एवं होटल परिसर शादी-समारोह के लिए बंद रहेंगे। मेडिकल

कोई विवाह समारोह नहीं, सभी धार्मिक स्थल रहेंगे बंद

सेवाओं के अतिरिक्त सभी प्रकार के निजी एवं सरकारी परिवहन के साधन जैसे- बस, जीप आदि पूरी तरह बंद रहेंगे। राज्य में मेडिकल, अन्य इमरजेंसी एवं अनुमत श्रेणियों को छोड़कर एक जिले से दूसरे जिले, एक शहर से दूसरे शहर, शहर से गांव, गांव से शहर और एक गांव से दूसरे गांव में सभी प्रकार के आवागमन पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा।

उन्होंने बताया कि राज्य के बाहर से आने वाले यात्रियों को 72 घंटे के भीतर करवाई गई आरटीपीसीआर नेगेटिव जांच रिपोर्ट प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा। यदि कोई यात्री नेगेटिव जांच रिपोर्ट प्रस्तुत नहीं करता है, तो उसे 15 दिन के लिए पृथक-वास में रखा जाएगा।

प्रधानमंत्री ने असम का मुख्यमंत्री बनने पर सरमा को दी बधाई

एजेंसी। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने असम के 15वें मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने पर भाजपा नेता हिमंत बिस्व सरमा को बधाई दी। उम्मीद जताई कि उनके नेतृत्व में पूर्वोत्तर के इस प्रवेश द्वार के विकास को गति मिलेगी और लोगों की आकांक्षाओं की पूर्ति होगी।

प्रधानमंत्री ने ट्वीट कर कहा, हिमंत बिस्व सरमा और मंत्री पद की शपथ लेने वालों को बहुत बधाई। मुझे पूरा विश्वास है कि यह टीम असम की विकास यात्रा को और गति देगी तथा लोगों की आकांक्षाओं की पूर्ति करेगी। असम के राज्यपाल जगदीश मुखी ने गुवाहाटी में सरमा को पद व गोपनीयता की शपथ दिलाई। प्रधानमंत्री ने इस अवसर पर असम की प्रगति और भाजपा की मजबूती में योगदान देने के लिए पूर्व मुख्यमंत्री सर्बानंद सोनोवाल की भी सराहना की।

उन्होंने एक अन्य ट्वीट में कहा, मेरे सहयोगी सोनोवाल ने पिछले पांच सालों में राज्य में जनहितकारी और विकासपरक शासन दिया। असम की प्रगति और पार्टी की मजबूती में उनका बहुत योगदान है। सरमा को रविवार को राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) विधायक दल का नेता चुना गया था। इसके बाद उन्होंने राज्यपाल जगदीश मुखी से मुलाकात कर सरकार गठन का दावा पेश किया था। सरमा नॉर्थ ईस्ट डेमोक्रेटिक अलायंस (नेडा) के संयोजक भी हैं।

कोविड-19 को नियंत्रित करने के लिए उठाए जा रहे हैं कड़े कदम: ममता

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को कहा कि राज्य में कोविड-19 के प्रसार को नियंत्रित करने के लिए कड़े कदम उठाए जा रहे हैं।

उन्होंने इस बात को दोहराया कि अगर संपूर्ण लॉकडाउन लगाया गया तो इससे आम लोगों की रोजी रोटी पर असर पड़ेगा। उन्होंने केंद्र सरकार से सभी के लिए मुफ्त टीकाकरण की सुविधा देने का अनुरोध किया। राज्य सचिवालय में एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, हम कड़े कदम उठा रहे हैं, संपूर्ण लॉकडाउन से लोगों की रोजी रोटी पर असर पड़ेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनके नेतृत्व वाली सरकार ने पश्चिम बंगाल के लिए कोविड-19 रोधी टीकों की तीन करोड़ खुराक की मांग की है।

पश्चिम बंगाल के हिंसा प्रभावित इलाकों का दौरा करूंगा: राज्यपाल

बोले, लोग अपने मताधिकार की कीमत चुका रहे हैं जान से

एजेंसी। कोलकाता

ममता बनर्जी सरकार के मंत्रियों को शपथ दिलाने के कुछ क्षणों बाद ही पश्चिम बंगाल के राज्यपाल जगदीप धनखड़ ने राज्य में चुनाव बाद हिंसा से उपजी स्थिति पर चिंता जताते हुए सोमवार को कहा कि वह प्रभावित इलाकों का दौरा करेंगे।

धनखड़ ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए यह भी कहा कि लोगों को अपने मताधिकार का इस्तेमाल करने की कीमत अपनी जान से चुकानी पड़ रही है। उन्होंने रेखांकित किया, चुनाव बाद हिंसा से उपजी स्थिति

चिंताजनक है। मैं राज्य के हिंसा प्रभावित इलाकों का दौरा करूंगा। राज्यपाल ने कहा कि राज्य प्रशासन ने प्रभावित इलाकों का दौरा करने से पहले जरूरी व्यवस्था करने के उनके आग्रह पर अब तक जवाब नहीं दिया है।

धनखड़ ने कहा, अगर आपका वोट आपकी जान जाने या संपत्ति के नष्ट होने का कारण बनता है, अगर यह आगजनी का कारण बनता है तो फिर लोकतंत्र के खत्म होने का संकेत मिलता है। विधानसभा चुनाव के दो मई को नतीजों के ऐलान के बाद बंगाल के कई हिस्सों से संघर्ष की खबरें मिली हैं। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने हाल में कहा है कि चुनाव बाद हिंसा में कम से कम 16 लोगों की मौत हुई है।

महाराष्ट्र में बेरोजगार व्यक्ति ने पत्नी और बेटे की हत्या करने के बाद आत्महत्या की

एजेंसी। पुणे

महाराष्ट्र में 38 वर्षीय एक बेरोजगार व्यक्ति ने अपनी पत्नी और बेटे की कथित रूप से हत्या करने के बाद आत्महत्या कर ली। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। यह घटना पुणे के लोनीकांड पुलिस थाना क्षेत्र के तहत कदमवक बस्ती इलाके में रविवार को हुई।

सहायक पुलिस आयुक्त कल्याण विधाते ने बताया कि हनुमंत शिंदे

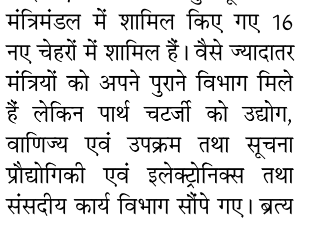

अपनी पत्नी (28), 14 महीने के बच्चे, पिता एवं भाई के साथ अपने फ्लैट में रहता था।

रविवार को पूर्वाह्न करीब 11 बजे से उसका शयनकक्ष अंदर से बंद था। उन्होंने बताया कि जब शिंदे और उनकी पत्नी ने शाम तक दरवाजा नहीं खोला, तो उसके पिता ने अपने रिश्तेदारों को बुलाया और पुलिस को इसकी जानकारी दी। विधाते ने बताया कि बाद में दरवाजा तोड़कर पुलिस जब कमरे में गई, तो उसने पाया कि शिंदे फांसी के फंदे पर लटका हुआ था तथा उसकी पत्नी और बच्चा भी मृत पड़े थे। पत्नी का गला दबाया गया था और बच्चे का गला काटा गया था।

यूपी में कोरोना संक्रमण के नए मामलों में आई गिरावट : सरकार

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में सरकारी आंकड़ों के मुताबिक कोविड-19 के नए मामलों में लगातार गिरावट आ रही है। राज्य सरकार के एक प्रवक्ता ने सोमवार को बताया कि 24 अप्रैल को राज्य में कोविड-19 के 38 हजार से ज्यादा नए मामले सामने आए थे। उसके बाद से प्रदेश में नए मरीजों की संख्या में लगातार गिरावट हो रही है।

प्रवक्ता ने सरकार द्वारा जारी आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि 30 अप्रैल को प्रदेश में कोविड-19 के उपचाराधीन मामलों की संख्या करीब तीन लाख 10 हजार थी जो अब घटकर दो लाख 33 हजार हो गई है।

केरल को कोविशील्ड की साढ़े तीन लाख खुराकें मिलीं

एजेंसी। कोच्चि

कोविड-19 महामारी के खिलाफ जंग में केरल को सोमवार को कोविशील्ड टीके की साढ़े तीन लाख खुराकें मिलीं।

सीआईएएल के प्रवक्ता ने बताया कि इंडिगो का एक नियमित विमान कोविशील्ड टीके के साथ दिन में 11 बजकर 50 मिनट पर कोचिन अंतराष्ट्रीय हवाईअड्डा पहुंचा। राज्य सरकार ने टीकाकरण मुहिम को तेज करने के लिए टीके की एक करोड़ से अधिक खुराक का ऑर्डर दिया है। मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने कहा कि केरल में 18 से 45 साल की उम्र के लोगों के लिए कोविड-19 टीकाकरण को प्राथमिकता दी जाएगी और अभियान के दौरान गंभीर बीमारी से ग्रसित लोगों को प्रमुखता मिलेगी।

विजयन ने कहा, यह सूचित किया जाता है कि राज्य को इस महीने कोविड-19 रोधी टीके की खुराकों का कुछ हिस्सा मिल जाएगा। इसलिए 18 से 45 साल के लोगों को प्राथमिकता दी जाएगी।

हिंसा के खिलाफ भारतीय-अमेरिकी समुदाय ने किए प्रदर्शन

अमेरिका के विशेषज्ञ एवं उद्यमी जुधाजीत सेन मजुमदार बोले, मेरे मित्रों ने मुझ से मांगी मदद

पश्चिम बंगाल मामला

एजेंसी। ह्यूस्टन

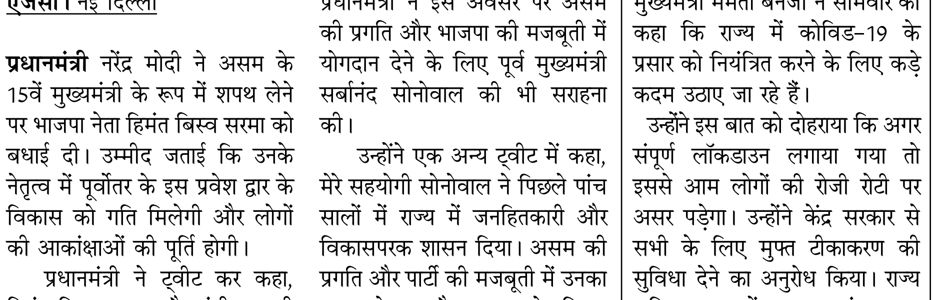

भारत के राज्य पश्चिम बंगाल में चुनाव परिणामों के बाद हुई हिंसा के खिलाफ अमेरिका के 30 से अधिक शहरों में बंगाली समुदाय के लोगों समेत अनेक प्रवासी भारतीयों ने प्रदर्शन किया।गौरतलब है कि दो मई को विधानसभा चुनाव के परिणामों की घोषणा के बाद पश्चिम बंगाल में हिंसा की अनेक घटनाएं हुईं। भाजपा ने आरोप लगाया कि नतीजों के बाद तृणमूल कांग्रेस के लोगों ने उसके अनेक कार्यकर्ताओं की हत्या कर दी और अनेक कार्यकर्ताओं को घायल कर दिया।

ममता बनर्जी के नेतृत्व में तृणमूल कांग्रेस ने राज्य विधानसभा में शानदार जीत दर्ज की है। चुनाव परिणामों के बाद हत्या की घटनाओं की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए अमेरिका के विभिन्न शहरों में प्रदर्शन कर रहे लोगों ने हाथों में प्लेकार्ड ले रखे थे जिन पर लिखा था, हिंदुओं की जिंदगियां भी मायने रखती हैं, हिंदुओं के नरसंहार के खिलाफ प्रदर्शन।

प्रौद्योगिकी क्षेत्र के विशेषज्ञ एवं उद्यमी जुधाजीत सेन मजुमदार का बंगाल आना जाना लगा रहता है। वह कहते हैं, चुनाव नतीजों की घोषणा के बाद से अनेक लोगों ने मेरे मित्रों और मुझ से मदद मांगी, जो निशाना बनाकर किए गए हमले के शिकार हुए थे। दुकानों को लूटा गया।

गुजरात: अमेरिकियों को निशाना बनाने वाले फर्जी कॉल सेंटर का भांडाफोड़

एजेंसी। अहमदाबाद

गुजरात पुलिस ने जल्द कर्ज दिलाने के नाम पर अमेरिकी नागरिकों को निशाना बनाने वाले एक फर्जी कॉल सेंटर का अहमदाबाद में भांडाफोड़ किया है और इस बाबत तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने सोमवार को बताया कि पुख्ता सूचना के आधार पर साइबर अपराध की टीम ने रविवार को जगतपुर इलाके में स्थित एक कॉल सेंटर पर छापा मारा और तीन लोगों को दबोच लिया। जिनकी पहचान भरतसिंह राजपूत (35),अखिलेश नायर (23) और अजय सोनवणे (28) के रूप में हुई है। वे सभी अहमदाबाद के रहने वाले हैं। साइबर अपराध शाखा ने एक विज्ञप्ति में कहा कि आरोपी यूएसए स्थित बैंक लोन सेंटर के प्रतिनिधि बनकर अमेरिकियों को फोन करते थे और उन्हें जल्दी कर्ज दिलाने की पेशकश का लालच देते थे। विज्ञप्ति के मुताबिक, लोगों का भरोसा जीतने और अपनी कंपनी की वास्तविकता पेश करने के लिए वे एक विशेष सॉफ्टवेयर के जरिए फोन करते थे और लोगों को फोन स्क्रीन पर भारतीय के बजाय अमेरिकी नंबर नजर आता था।

संक्षिप्त समाचार

उत्तराखंड में 18-44 वर्ष आयुवर्ग का कोविड टीकाकरण शुरू

देहरादून। मुख्यमंत्री तीरथ सिंह रावत ने सोमवार को उत्तराखंड में 18 से 44 वर्ष आयुवर्ग के लोगों के लिए कोविड टीकाकरण अभियान आरंभ किया। राजधानी देहरादून में हरिद्वार बायपास मार्ग पर राधा स्वामी सत्संग न्यास में टीकाकरण की शुरूआत करते हुए मुख्यमंत्री रावत ने कहा कि उत्तराखंड देश का पहला ऐसा राज्य है। जहां इस टीके को नि:शुल्क लगाने की घोषणा की गई। उन्होंने कहा, आज से यहां इस टीकाकरण अभियान की विधिवत शुरुआत हो गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में टीकाकरण अभियान का तीसरा दौर शुरू हो गया है। जिसके तहत 18 से 44 वर्ष आयुवर्ग के लोगों का कोविड टीकाकरण होना है। उन्होंने कहा कि इस आयुवर्ग में प्रदेश के 50 लाख लोगों को कोविड रोधी टीका लगाया जाएगा। रावत ने कहा कि उत्तराखंड में सबसे पहले 18 से 44 वर्ष के लोगों के मुफ्त टीकाकरण की घोषणा की गई और राज्य सरकार इस पर 400 करोड़ रुपये का खर्च वहन करेगी। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य कोविड टीकाकरण अभियान को न्याय पंचायत स्तर तक ले जाना है और इसके लिए न्याय पंचायत स्तर पर भी कैंप लगाए जाएं। मुख्यमंत्री ने जिलाधिकारी को टीकाकरण को बनाए गए सभी बूथों पर बुजुर्गों, दिव्यांगों के लिए अलग से व्यवस्था करने के निर्देश भी दिए ताकि उन्हें किसी भी प्रकार की परेशानी न हो।

विस्तार दिल्ली-टोक्यो उड़ान 16 जून से शुरू करेगी

नई दिल्ली। विमानन कंपनी विस्तार ने सोमवार को कहा कि वह भारत और जापान के बीच विमान सेवाओं के लिए हुए समझौते के तहत दिल्ली-टोक्यो रूट पर 16 जून से उड़ान शुरू करेगी। बयान में कहा गया कि यह उड़ान दोनों देशों की राजधानियों के बीच सप्ताह में एक दिन संचालित होगी। विस्तार ने यह घोषणा ऐसे वक्त में की है, जब भारतीय विमानन उद्योग कोरोना वायरस महामारी की दूसरी लहर के चलते बुरी तरह प्रभावित है। विस्तार ने बयान में कहा कि वह इस उड़ान के लिए बोइंग 787-9 ड्रीमलाइनर विमान का इस्तेमाल करेगी।

ऑक्सीजन सिलेंडर के लिए मांगे 40 हजार रुपये

बरेली। बरेली शहर में कोविड-19 से पीड़ित व्यक्ति के लिए ऑक्सीजन सिलेंडर उपलब्ध करवाने के बदले में 40 हजार रुपये मांगने के आरोपी व्यापारी के खिलाफ पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है। औषधि निरीक्षक उर्मिला वर्मा ने सोमवार को बताया कि शनिवार शाम को सोशल मीडिया पर एक ऑडियो चल रहा था जिसमें कॉल करने वाला शख्स कारोबारी पारस गुप्ता से घर में पृथक-वास में रह रहे एक मरीज के लिए ऑक्सीजन सिलेंडर खरीदने की बात कह रहा है। इस पर गुप्ता ने एक सिलेंडर के बदलने उससे 40 हजार रुपये मांगे। वर्मा ने बताया कि इस ऑडियो के आधार पर उन्होंने इसे ऑक्सीजन की कालाबाजारी मानते हुए मुकदमा प्रेम नगर थाने में दर्ज कराया है। प्रेम नगर थाना अध्यक्ष अवनीश कुमार ने बताया कि पारस गुप्ता के खिलाफ रविवार रात को धोखाधड़ी और महामारी एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। साक्ष्य मिलने पर कारोबारी के खिलाफ आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत भी कार्रवाई हो सकती है। उल्लेखनीय है कि केंद्रीय मंत्री संतोष गंगवार ने शनिवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के दौरे पर उन्हें पत्र देकर कोविड-19 पीड़ित मरीजों के लिए ऑक्सीजन सिलेंडर तथा औषधियों को मनमाने दाम पर बेचे जाने की शिकायत करते हुए कार्रवाई की मांग की थी।

गुरुद्वारा रकाबगंज साहिब में 300 बेड का कोविड देखभाल केंद्र खुला

नई दिल्ली। मध्य दिल्ली के गुरुद्वारा रकाबगंज साहिब में सोमवार दोपहर से 300 बेड के साथ गुरु तेग बहादुर कोविड देखभाल केंद्र खोला गया है। दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधन समिति के अध्यक्ष मनजिंदर सिंह सिरसा ने बताया कि मंगलवार को 100 और बेड उपलब्ध कराए जाएंगे उन्होंने बताया, दिल्ली सरकार के लोकनायक जय प्रकाश नारायण अस्पताल से 50 डॉक्टरों द्वारा कोविड देखभाल केंद्र का प्रबंधन किया जा रहा है। उनके सहयोग के लिए 150 नर्सों और वार्ड ब्वॉय की टीम भी तैनात है। सिरसा ने बताया कि सभी बेड पर ऑक्सीजन की सुविधा है। इन्हें 150 डी-टाइप सिलेंडर से जोड़ा गया है। कोविड-19 मरीजों के उपचार के लिए रेमडेसिविर और फेबीफ्लू जैसी जरूरी दवा की भी व्यवस्था की गई है। उन्होंने कहा, जिन मरीजों को प्रति मिनट 20 लीटर ऑक्सीजन की आवश्यकता होगी, उनका उपचार यहां हो सकता है। उपचार, एंबुलेंस सेवा और खाने की व्यवस्था पूरी तरह नि:शुल्क होगी। सिरसा ने कहा कि अभिनेता अमिताभ बच्चन ने कोविड केंद्र के लिए दो करोड़ रुपये दान दिया है।

बायोटेकने 14 राज्यों को कोवैक्सीन की सीधी आपूर्ति शुरू की

नई दिल्ली। भारत बायोटेक की संयुक्त प्रबंध निदेशक सुचित्रा इला के मुताबिक कंपनी ने दिल्ली और महाराष्ट्र सहित 14 राज्यों को कोविड-19 की वैक्सीन कोवैक्सीन की सीधी आपूर्ति एक मई से शुरू कर दी है। हैदराबाद स्थित कंपनी ने केंद्र सरकार द्वारा किए गए आवंटन के अनुसार कोविड-19 की वैक्सीन की आपूर्ति शुरू की है। इला ने ट्वीट किया, भारत बायोटेक एक मई 2021 से भारत सरकार द्वारा किए गए आवंटन के आधार पर इन राज्य सरकारों को कोवैक्सीन की सीधी आपूर्ति की पुष्टि करता है। अन्य राज्यों से भी अनुरोध मिले हैं और हम स्टॉक की उपलब्धता के आधार पर वितरण करेंगे। कंपनी इस समय आंध्र प्रदेश, असम, छत्तीसगढ़, गुजरात, जम्मू और कश्मीर, झारखंड, मध्य प्रदेश, ओडिशा, तमिलनाडु, तेलंगाना, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल को वैक्सीन की आपूर्ति कर रही है।

पाक में सुरक्षा चौकी पर सशस्त्र हमलावरों ने किया हमला

कराची। पाकिस्तान के अशांत बलूचिस्तान प्रांत में एक सुरक्षा चौकी पर अज्ञात सशस्त्र हमलावरों ने गोलीबारी की। जिसमें अर्द्धसैन्य बल के कम से कम तीन जवानों की मौत हो गई। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। यह हमला बोलान जिले के मोराट क्षेत्र में रविवार को हुआ। एक शीर्ष सरकारी अधिकारी ने बताया कि अज्ञात सशस्त्र लोगों ने क्वेटा से करीब 70 किलोमीटर दूर मोराट में चौकी पर रविवार को हमला किया। अधिकारी ने कहा, हमले में फ्रंटियर कोर्प्स के तीन जवानों की मौत हो गई और एक जवान घायल हो गया। चौकी पर तैनात जवानों ने जवाबी कार्रवाई की, लेकिन हमलावर अंधेरे का फायदा उठाकर भागने में सफल रहे। घटना के बाद जवानों ने इलाके को घेर लिया और निकटवर्ती पर्वतीय इलाकों में तलाश अभियान चलाया, लेकिन अभी तक किसी को गिरफ्तार नहीं किया गया है। जवानों के शवों और घायल जवान को अस्पताल ले जाया गया है। इस हमले से मात्र चार दिन पहले अफगानिस्तान में सीमा पार से आतंकवादियों के हमले में प्रांत के झोब जिले में चार जवानों की मौत हो गई थी।

कोविड की दवा को हुआ एली लिली और सिप्ला में समझौता

नई दिल्ली। दवा विनिर्माता सिप्ला ने सोमवार को कहा कि सोमवार को कहा कि उसने अमेरिकी कंपनी एली लिली एंड कंपनी के साथ देश में कोविड-19 के इलाज में उपयोगी दवा बारिसिटिनिब को बनाने और बेचने के लिए एक समझौता किया है। सिप्ला ने बताया कि उसने बारिसिटिनिब के लिए एली लिली के साथ एक रॉयल्टी-मुक्त, गैर-विशेष स्वैच्छिक लाइसेंसिंग समझौता किया है। बारिसिटिनिब को पहले ही स्वास्थ्य मंत्रालय के केंद्रीय दवा मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) से सीमित आपातकालीन उपयोग की मंजूरी मिल चुकी है।

निगम ने श्मशान घाटों पर लकड़ियों के रेट किए तय

● 750 रू. प्रति क्विंटल दाम किया निर्धारित

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

शहर के आधा दर्जन से भी अधिक श्मशान घाटों पर अंतिम संस्कार के नाम पर हो रही लूट पर नगर निगम प्रशासन ने नकेल कस दी है। सभी श्मशान घाटों पर लकड़ी के रेट एक समान निर्धारित कर दिए हैं। अब निर्धारित रेट 750रू. प्रति क्विंटल से अधिक कोई भी चार्ज नहीं करेगा।

इसके अलावा सभी श्मशान घाटों पर लकड़ी के रेट से संबंधित साइन बोर्ड लगा दिए गए हैं और इस तमाम प्रक्रिया को मॉनिटर करने के लिए नगर निगम के अपर नगर आयुक्त प्रमोद कुमार को नोडल अधिकारी बना दिया गया है। श्मशान घाटों पर शवों की लंबी कतार का फायदा कुछ असामाजिक तत्व उठा रहे थे और मनमाने ढंग से उनसे अनाप-शनाप वसूली कर रहे थे। जब यह मामला नगर निगम प्रशासन के संज्ञान में आए तो नगर आयुक्त ने इस मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए सभी श्मशान घाटों पर लकड़ी के रेट तय कर दिए।

नूरनगर स्थित श्मशान घाट पर निगम द्वारा निर्धारित लगाया गया साइन बोर्ड।

खास बात यह है कि कोरोना संक्रमण से मारे गए लोगों के शवों के अंतिम संस्कार में कुछ आर्थिक परेशानी सामने आ रही थी जो गरीब लोग हैं वे दाह संस्कार नहीं कर पा रहे थे अब ऐसे शवों के दाह संस्कार का जिम्मा नगर निगम प्रशासन ने उठाने का फैसला किया है।

नगर आयुक्त महेंद्र सिंह तंवर ने बताया कि आर्थिक रूप से कमजोर उन परिवारों के शवों के अंतिम संस्कार में अब कोई दिक्कत नहीं आएगी। शमशान घाटों पर अव्यवस्था को देखकर केंद्रीय राज्य मंत्री वीके सिंह ने भी नगर निगम प्रशासन से बातचीत कर यहां व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए कहा था।

अस्पताल ने मेडिकल स्टोर को खाली करने का दिया आदेश

गाजियाबाद। लोहिया नगर स्थित नागर हॉस्पिटल परिसर में स्थित आरएन मेडिकल स्टोर में कोरोना जीवन रक्षक दवाइयों की कालाबाजारी के सिलसिले मे पुलिस और प्रशासन की संयुक्त टीम ने विगत दिनों छापा मारा था। इस संबंध में अस्पताल के प्रबंध निदेशक महेंद्र सिंह नागर ने दावा किया है कि उनके अस्पताल का इस मेडिकल स्टोर से कोई लेना-देना नहीं है और अनुबंध के आधार पर इस मेडिकल स्टोर को अस्पताल परिसर में संचालित करने के लिए दिया गया था।

उन्होंने बताया कि मेडिकल स्टोर के संचालक को नोटिस देकर हमने परिसर को 30 दिन के अंदर खाली करने के लिए आदेश दिए हैं। नागर ने बताया कि हम किसी भी जन विरोधी कार्यप्रणाली के पक्ष में नहीं है और इस संबंध में हमने गाजियाबाद जिला प्रशासन के आला अधिकारियों को लिखित में अवगत भी करा दिया है।

होम आइसोलेटेड मरीजों को भेजी कोविड किट

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

शहर विधायक पंकज सिंह ने कोरोना संक्रमित शहर के लोगों को मदद देने के लिए एक पहल की है। मरीजों को उपचार में उपयोगी आवश्यक सामग्री जैसे भाप की मशीन, तुलसी टी.बैग, च्यवनप्राश, शहद, सैनिटाइजर और मास्क आदि की कोविड सुरक्षा किट बनाकर पार्टी घर-घर भेजी जा रही हैं।

भाजपा के प्रवक्ता तन्मय शंकर ने रविवार को यह जानकारी दी है। तन्मय ने बताया कि कार्यकर्ताओं के माध्यम से संक्रमित व्यक्तियों के घर जाकर किट का वितरण किया जा रहा है। इसी कड़ी में रविवार को नोएडा के अलग.अलग स्थानों से मिली कोरोना संक्रमित व्यक्तियों की जानकारी के बाद उनसे संपर्क किया गया। संक्रमित व्यक्तियों के घर जाकर विधायक पंकज सिंह के सहयोग से जरूरतमंद लोगों को कोविड सुरक्षा किट मुहैया करवाई गई है।

इस दौरान पार्टी कार्यकर्ताओं ने मौके पर जाकर लोगों का हाल जाना। शहर के लोगों को आश्वस्त किया कि अन्य किसी भी प्रकार की जरूरत या समस्या हो तो पंकज सिंह सदैव उनकी सेवा में तत्पर हैं।

वेतन और सेफ्टी किट को लेकर सफाईकर्मियों ने की हड़ताल

● सेक्टर-62 में कंपनी गेट पर किया हंगामा

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

सोमवार से नोएडा के काम करने वाले सैकड़ों सफाइकर्मी हड़ताल पर हैं। जिसकी वजह से शहर में काफी गंदगी देखने को मिली। सफाईकर्मियों की मांग है कि उनका वेतन बढ़ाया जाए और कोरोना से बचने के लिए कंपनी द्वारा सेफ्टी किट दी जाए। सफाईकर्मियों ने सेक्टर-62 में स्थित कंपनी के बाहर प्रदर्शन भी किया। एक सफ ाईकर्मी ने बताया किए एक तरफ जहां देश को कोरोना से बचाने के लिए डॉक्टर, पुलिस और सफ ाईकर्मियों जैसे फ्रंटलाइन वर्कर अपनी जान की बाजी लगाकर देश की सेवा में जुटी है तो वहीं इन लोगों को वेतन और सेफ्टी किट के लिए परेशान किया जा रहा है।

दरअसल, इन लोगों का कहना है कि इन लोगों की सैलरी नहीं बढाई जा रही है। कोरोना संक्रमण लगातार बढ़ रहा है। उसको लेकर इन लोगों को किसी तरह की सेफ्टी किट नही दी गई है। जिस वजह से इनको संक्रमण का खतरा बढ़ गया है। इनका कहना है कि हम लोग डोर टू डोर कूड़ा उठाते है। सेफ्टी किट नहीं होने से संक्रमण की संभावना ज्यादा है। हमे कंपनी सेफ्टी किट नही प्रदान कर रही है। आपके बता दें कि नोएडा प्राधिकरण द्वारा प्राइवेट कंपनी को डोर टू डोर कूड़ा उठाने का टेंडर पास किया था।

लाखों की अवैध शराब बरामद

गाजियाबाद। कोरोना काल में अवैध शराब की बिक्री नहीं हो पा रही है। मसूरी पुलिस में सोमवार को चेकिंग के दौरान एक युवक को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 65 पेटी मिश्रित शराब बरामद की। इस शराब को कोरोना काल में मंहगे दामों पर बेचने के लिए लाया रहा था। पुलिस अधीक्षक ग्रामीण डॉक्टर इराज राजा ने बताया कि अवैध शराब की बिक्री पर रोकथाम के लिए इन दिनों पुलिस ने अभियान चलाया हुआ है। इसी के चलते मसूरी पुलिस ने कल्लू गढ़ी कट के पास चेकिंग के दौरान एक पिकअप गाड़ी को रोका और उसकी जांच की तो उसमें 65 पेटी मिश्रित शराब बरामद हुई। उन्होंने बताया कि बरामद शराब की कीमत लाखों रुपए में है। पुलिस ने शराब ले जा रहे युवक पुनीत को गिरफ्तार कर लिया है जो अलीगढ़ जनपद के बिजौली गांव का निवासी है,जबकि उसका दूसरा साथी भागने में कामयाब हो गया।

सिविल डिफेंस मुहैया कराएगा निशुल्क वाहन

● दाह संस्कार का भी खर्चा उठाएगी संस्था

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

सक्रमण से मारे गए लोगों के शवों को उठाने के लिए जहां एंबुलेंस संचालक पीड़ितों से मनमाने पैसे वसूल रहे हैं वहीं सिविल डिफेंस के चीफ वार्डन ने एक प्रेरणादायक मिसाल पेश करते हुए ऐसे शवों को लाने-ले जाने के लिए निशुल्क अंतिम शव यात्रा वाहन उपलब्ध कराया है।

इस वाहन में शव को रखने से लेकर दाह संस्कार करने की जिम्मेदारी भी सिविल डिफेंस के कार्यकर्ता उठा रहे हैं।

चीफ वार्डन ललित जायसवाल ने बताया कि जो परिवार आर्थिक रूप से कमजोर हैं और दाह संस्कार करने की स्थिति में नहीं है उसका खर्चा भी वह स्वयं अपने खाते से करेंगे।

उन्होंने बताया कि अंतिम शव वाहन ने अपना कार्य शुरू कर दिया है। शहर का कोई भी पीड़ित व्यक्ति उनके कार्यालय में फोन करके इस वाहन का लाभ उठा सकता है। जायसवाल ने बताया कि यह सेवा बिल्कुल निशुल्क है और पिछले 4 दिनों से यह सेवा चल रही है।

बता दें कि संक्रमण से मारे गए शवों को लाने में एंबुलेंस संचालक मुंह मांगा किराया पीड़ितों से वसूलते थे। जिसको लेकर शहर के लोगों में काफी नाराजगी थी। हालांकि डीएम ने इस संबंध में रविवार शाम निर्धारित रेट जारी कर दिए थे।

लेकिन उसके बावजूद आपदा में भी कुछ राक्षस प्रवृत्ति के लोग अपनी करतूतों से बाज नहीं आ रहे हैं।

ताबड़तोड़ गोलियां बरसाकर सपा नेता के भाई की हत्या

जीटी रोड स्थित नर्सरी से घर लौटते समय बदमाशों ने वारदात को दिया अंजाम, फरार

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

मृतक दिनेश

दादरी के लुहारली गांव के नजदीक समाजवादी पार्टी के नेता महेश भाटी के छोटे भाई दिनेश भाटी की रविवार देर शाम बाइक सवार तीन हमलावरों ने ताबड़तोड़ गोलियां मारकर हत्या कर दी।

हालांकि, उन्हें जिला अस्पताल ले जाया गया, लेकिन उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। वारदात के बाद हत्या आरोपी बेखौफ मौके से फरार हो गए। पुलिस मौका मुआयना व परिजनों से पूछताछ कर वारदात की पड़ताल कर रही है।

पुलिस का कहना है कि दिनेश हिस्ट्रीशीटर था। उस पर 18 मामले दर्ज थे। लुहारली गांव निवासी महेश भाटी ने बताया कि छोटा भाई दिनेश जीटी रोड पर स्थित अपनी नर्सरी से कार में घर लौट रहा था। गांव के नजदीक पहुंचा तो बाइक सवार तीन बदमाशों ने हाथ देकर उसे रोक लिया। दिनेश के रुकने के साथ ही बदमाशों ने गोलियां बरसाकर उसकी हत्या कर दी। इसके बाद बदमाश गांव की ओर भाग गए।

महेश ने बताया कि नवंबर 2018 में उनके बेटे व ग्रेनो प्राधिकरण में सुपरवाइजर मोहित की भी ग्रेटर नोएडा से लुहारली आने के दौरान रास्ते में बाइक सवार बदमाशों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। इस मामले में उनका भाई उमेश भाटी गवाह था, लेकिन छह माह पहले उसकी भी सड़क हादसे में संदिग्ध हालात में मौत हो गई।

परिवार ने उमेश की हत्या को हादसा दिखाने का आरोप लगाया था, लेकिन पुलिस ने मामले में कोई कार्रवाई नहीं की थी। दोनों हत्याओं की जांच के लिए उन्होंने केंद्र से सीबीआई जांच की मांग की थी। केंद्र ने यूपी के अधिकारियों को जांच के लिए कहा था, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। अब वह दिनेश की हत्या का मामला दर्ज नहीं कराएंगे, क्योंकि पुलिस कोई कार्रवाई नहीं करेगी।

कोतवाली पुलिस ने जानकारी दी है कि दिनेश हिस्ट्रीशीटर था। आरोपी गांव की ओर से आए थे और वारदात के बाद वापस उधर ही लौट गए। दिनेश पर लूट, गैंगस्टर एक्ट, दुष्कर्म आदि के 18 केस दर्ज थे।

दो पक्षों के बीच विवाद के दौरान चली गोली, राहगीर की मौत

● आरोपी गिरफ्तार तमंचा-कारतूस बरामद

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

ग्रेटर नोएडा के रबूपुरा क्षेत्र के एक गांव में सोमवार सुबह दो पक्षों के बीच हुए विवाद के दौरान गोलीबारी में एक राहगीर की मौत हो गई। पुलिस के प्रवक्ता ने बताया कि ग्रेटर नोएडा के थाना रबूपुरा क्षेत्र के मिर्जापुर गांव के रहने वाले राहुल तथा दूसरे पक्ष सुबोध कपिल और कुशल पाल के बीच गाड़ी खरीदने को लेकर विवाद हो गया।

विवाद के दौरान सुबोध ने देसी तमंचे से राहुल पर गोली चला दी। घटना में राहुल बच गया लेकिन गोली वहां से गुजर रहे प्रवेश को लग गई।

प्रवेश को गंभीर हालत में एक अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। प्रवक्ता ने बताया कि थाना रबूपुरा पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज किया है। सुबोध को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है और बाकी आरोपियों के तलाश की जा रही है। सुबोध के पास से पुलिस ने देसी तमंचा, कारतूस तथा एक मोटरसाइकिल बरामद की है।

मॉर्निंग वॉक पर निकली किशोरी का अपहरण

नोएडा। ग्रेटर नोएडा के दनकौर कस्बे से लॉकडाउन के दौरान सुबह की सैर पर मां के साथ घूमने निकली एक नाबालिग किशोरी को एक युवक अगवा करके ले गया। पीड़ित पक्ष ने कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई है।

प्रारंभिक जांच में पुलिस के सामने मामला प्रेम-प्रसंग का सामने आया है। पुलिस किशोरी की तलाश कर रही है। दनकौर कस्बा निवासी एक व्यक्ति ने कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि उसकी 15 वर्षीय लड़की अपनी मां और पड़ोसी के साथ शनिवार की सुबह घर से घूमने के लिए निकली थी।

टीका लगवाने को केंद्रों पर जुटी लोगों की भीड़

कई वैक्सीनेशन सेंटरों पर देर से पहुंचे स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

सोमवार से जिले में 16 केंद्रों पर 18 साल से अधिक उम्र वालों को कोरोना का टीका लगाने की शुरुआत की गई। पहले दिन जहां युवाओं में टीका लगवाने को लेकर खासा उत्साह नजर आया वहीं सेंटरों पर अव्यवस्थाएं भी दिखाई दी।

लगभग सभी केंद्रों पर तय समय से काफी देर बाद स्टॉफ पहुंचा। जिसके चलते वैक्सिनेशन काफी देर से शुरू हुआ। इस दौरान सेंटरों पर काफी हल्ला भी मचा। कई सेंटरों पर पुलिस को व्यवस्था संभालनी पड़ी।

केंद्रों पर 18 से 44 वर्ष के बीच के युवाओं की अलग लाइन और 45 से 60 वर्ष के बीच के बुजुर्गों की अलग लाइन लगाकर टीकाकरण किया गया। उत्तर प्रदेश सरकार ने 18 साल से ऊपर के लोगों को वैक्सीन लगवाने के लिए सोमवार से काम शुरू किया था। जिसके बाद लोगों ने वैक्सीन के लिए स्लॉट बुक कराए थे।

लोगों को सुबह 9:00 बजे से बुकिंग टाइम दिया गया था लेकिन 10:30 बजे तक भी कई वैक्सीनेशन सेंटरों पर कोई भी कर्मचारी नहीं पहुंचा। जिस कारण सेंटरों पर लोगों की लंबी-लंबी लाइन लग गई।

कुछ सेंटर ऐसे हैं जो घनी आबादी के बीच में बनाए गए हैं। जिससे स्थानीय लोग काफी नाराज हैं। उनका कहना है कि आबादी वाले क्षेत्रों में ये सेंटर क्यों बनाये गये हैं, जबकि रामलीला ग्राउंड और खुली जगह पर आसानी से यह काम किया जा सकता है ताकि लोग सोशल डिस्टेंसिंग का भी पूरा पालन कर सकें।

गाजियाबाद में बनाए गए एक कोविड वैक्सीनेशन सेंटर पर टीका लगवाने को खड़े लोग अपनी बारी का इंतजार करते हुए।

मरीजों को रेमडिसिविर के लिए नहीं होना पड़ेगा परेशान

रेडक्रॉस सोसायटी में 1800 रुपए जमा कराकर सीएमओ कार्यालय से मिलेगा इंजेक्शन

पायनियर समाचार सेवा। हापुड़

गंभीर उपचाराधीनों के लिए अब उनके तीमारदारों को रेमेडेसिविर इंजेक्शन की व्यवस्था करने के लिए इधर-ऊधर धक्के नहीं खाने पड़ेंगे और न ही मोटी रकम देनी पड़ेगी। शासन के निर्देश पर अब प्राइवेट कोविड अस्पतालों में भर्ती उपचाराधीनों को मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय से यह इंजेक्शन मिल सकेगा। एक इंजेक्शन के लिए जनपद रेडक्रॉस सोसायटी के खाते में मात्र 1800 रुपए जमा कराने होंगे। रुपए जमा कराने की रसीद के साथ ही उपचाराधीन की कोविड पॉजिटिव रिपोर्ट, चिकित्सक का पर्चा, आधार कार्ड की फोटो कॉपी और अपना मोबाइल नंबर सीएमओ कार्यालय के स्टोर रूम में देना होगा।

बता दें कि रेमेडेसिविर इंजेक्शन के लिए काफी मारामारी हो रही थी। इंजेक्शन ब्लैक करते कितने ही लोगों की गिरफ्तारी अलग-अलग जनपदों में हो चुकी है। इसके अलावा कई शातिर नकली इंजेक्शन बेचते और कई इंजेक्शन के नाम पर धोखाधड़ी करते धरे जा चुके हैं। मामले का शासन ने संज्ञान लिया और सीएमओ कार्यालय के जरिए उत्तर प्रदेश मेडिकल सप्लाइज कारपोरेशन लिमिटेड से कराने का निर्णय लिया है। सरकारी कोविड अस्पतालों का कोटा तय करने के साथ ही आपातकाल कोटा रिजर्व रखने के भी आदेश अपर मुख्य सचिव अमित मोहन प्रसाद की ओर से दिए गए हैं। इसके साथ ही निजी कोविड अस्पतालों में उपचाराधीनों के लिए सीएमओ कार्यालय में इंजेक्शन उपलब्ध कराए गए हैं। जहां से रेडक्रॉस सोसायटी में प्रति इंजेक्शन 1800 रुपए के भुगतान पर एक बार में तीन और एक उपचाराधीन के लिए कुल मिलाकर छह इंजेक्शन प्राप्त किए जा सकते हैं।

जनपद रेडक्रॉस सोसायटी के खाते में 1800 रुपए जमा कराकर सीएमओ कार्यालय से रेमिडिशिविर इंजेक्शन प्राप्त किया जा सकता है। इंजेक्शन लेने के लिए उपचाराधीन की पॉजिटिव रिपोर्ट, चिकित्सक का पर्चा और आधार कार्ड की कॉपी देनी होगी। किसी भी उपचाराधीन के लिए एक बार में केवल तीन और कुल मिलाकर छह इंजेक्शन दिए जा सकेंगे और यह सुविधा केवल प्राइवेट कोविड अस्पतालों में भर्ती उपचाराधीनों के लिए ही है।

डा. रेखा शर्मा, सीएमओ हापुड़

ऑक्सीजन, रेमडेसिविर के मांगे ज्यादा दाम तो करें शिकायत

● पुलिस ने जारी किया हेल्पलाइन नंबर

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

जनपद पुलिस ने कोरोना महामारी के दौर में ऑक्सीजन और जीवन रक्षक दवाओं की कालाबाजारी कर मोटा मुनाफा कमा रहे कालाबाजारियों पर लगाम कसने की तैयारी शुरू कर दी है। गाजियाबाद पुलिस ने इसी के मद्देनजर आम जनता को राहत देने के लिए कोविड एंटी ब्लैक मार्केटिंग हेल्प लाइन नम्बर 9643322935 जारी किया है।

अगर कोई आपसे ऑक्सीजन, रेमेडसिवर इंजेक्शन आदि के लिए ज्यादा पैसों की मांग या ठगी करता है तो उपरोक्त नंबर पर शिकायत कर सकते हैं। कालाबाजारी या ठगी करने वालो के खिलाफ पुलिस तुरन्त कार्रवाई करेगी। इस हेल्प लाइन का नोडल अधिकारी एसपी ग्रामीण डा. ईरज राजा को बनाया गया है।

डा. ईरज राजा ने बताया कि ये हेल्पलाइन नंबर 24 घंटे सक्रिय रहेगा। उन्होंने बताया कि पीड़ित अपनी शिकायत इस हेल्पलाइन नम्बर के वाट्सएप्प पर भी कर सकता है। साथ ही वो सूचना के साथ फोटो और वीडियो क्लिप भी भेज सकेगा।

राशिफल ज्योतिष गुरु राजेश जी सेक्टर-19 फरीदाबाद

मेष
पुराने दोस्त से मुलाकात होने की संभावना है, कहीं घूमने भी जा सकते हैं। पिता के सहयोग से जरूरी काम पूरा हो जाएगा। कार्यस्थल पर खूब मेहनत करेंगे। अपनी उपलब्धियों पर गर्व महसूस होगा। साइंस स्टूडेंट्स के लिए दिन अच्छा रहने वाला है। किसी टॉपिक को समझने में दोस्तों से मदद मिलेगी। सामाजिक कार्यों में रूचि बढ़ेगी, जिससे समाज में आपकी प्रतिष्ठा भी बढ़ेगी।

(चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)

भाग्यांक: 1
विशेष: हनुमान चालीसा का पाठ करें।

वृष
आपकी बात और काम का असर भी लोगों पर हो सकता है। लोग आपकी बातें सुनेंगे। किसी बैठक-समारोह का बुलावा भी आज आपको मिल सकता है। परिवार वालों का पूरा समर्थन और सहयोग मिलेगा। दूर स्थान के लोगों से बातचीत होगी। ऐसी यात्रा भी हो सकती है, जिसका फायदा आपको आने वाले दिनों में मिलेगा। घर पर आराम कर सकते हैं। पुराने विवाद निपटाने का मन बना सकते हैं।

(ई, ऊ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे, वो)

भाग्यांक: 1
विशेष: हनुमान जी को पान के पत्ते पर रखकर बताशा अर्पित करें।

मिथुन
धार्मिक कार्यों के प्रति आस्था बढ़ सकती है। धन लाभ होने की संभावना है। विवाहित लोगों को अपने पति या पत्नी को आपसी भावनाओं के बारे में पता चल सकता है। छोटे बच्चों वाले माता-पिता उनके लिए चिंतित होंगे। काम-काज में जरूरत से ज्यादा तनाव के चलते परिवार की जरूरतों और इच्छाओं को दरकिनार न करें। भागीदारों और करीबी दोस्तों के साथ आपका सामना शक्तिशाली और यादगार रहेगा।

(का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, हा)

भाग्यांक: 8
विशेष: सुंदरकांड का पाठ करें।

कर्क
व्यावसायिक संदर्भ में दिन एक नए उद्यम के साथ शुरू हो सकता है, नए सौदे को अंतिम रूप दे सकते हैं, जो भविष्य में अति लाभदायक सिद्ध होगा। व्यावसायिक और सामाजिक दायरे में सम्मान और प्रतिष्ठा हासिल करने के लिए दिन अनुकूल है। पारिवारिक जीवन आरामदायक और शांतिपूर्ण रहेगा। आपके पास नए अधिग्रहण हो सकते हैं, जो आपकी जीवन-शैली में सुधार करेंगे और आपकी संतुष्टि में वृद्धि करेंगे।

(ही, हूं ,हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो)

भाग्यांक: 2
विशेष: लाल रंग का रुमाल जेब में रखें।

सिंह
परिवार वालों के साथ ज्यादा से ज्यादा समय बिताने का मौका मिलेगा। बुक सैलर्स के लिए दिन लाभ दिलाने वाला रहेगा। साथ ही राजनीतिक क्षेत्र से जुड़े लोगों की समाज में और अच्छी छवि बनेगी। इसका लाभ आपको आने वाले समय में जरूर मिलेगा। पैसों से जुड़े कुछ काम आज रुक सकते हैं। दूसरों की समस्याओं से विचलित हो सकते हैं, जो युवा जॉब की तलाश में हैं, आज उनकी किसी अच्छी जगह पर नौकरी लगने की संभावना है।

(मा, मी ,मू, में, मो, टा, टी, टू, टे)

भाग्यांक: 1
विशेष: माता-पिता का आशीर्वाद लें।

कन्या
दिन सामान्य रहेगा। लेन-देन और निवेश के मामलों में नई प्लानिंग करेंगे। आसपास चहल-पहल भी रहेगी। एकाग्रता चरम पर होगी और एक साथ कई काम भी संभालने पड़ सकते हैं। लोगों से मिलने या परिवार के साथ कहीं जाने का कार्यक्रम बन सकता है। काम और मेहनत दोनों ज्यादा रहेंगे, लेकिन आपको सफलता मिल सकती है। बिजनेस में आपकी तरक्की सुनिश्चित होगी। आपकी सभी समस्याएं दूर होगी।

(टो ,पा, पी, पू, ष, ष, ण, ठ, पे, पो)

भाग्यांक: 8
विशेष: रामचरितमानस का अध्ययन करें।

तुला
घर में खुशी का माहौल रहेगा। प्रेम प्रस्ताव मिल सकता है। आंतरिक आवाज सुनना सीखें। आप अपने जीवन के सभी पहलुओं में बहुत बेहतर करेंगे। दोस्तों या रिश्तेदारों के माध्यम से अच्छे व्यापारिक सौदे मिलने की संभावना है। ड्राइविंग करते समय सावधान रहें। आपके सभी दायित्वों को पूरा करने का सबसे अच्छा समय है। परिवार में सुख-समृद्धि बनी रहेगी। जीवन में सभीका सहयोग मिलता रहेगा।

(रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते,)

भाग्यांक: 1
विशेष: घर में मनी प्लांट का पौधा लगाएं।

वृश्चिक
व्यापारिक और व्यावसायिक क्षेत्र में आप अधिकारियों से पूर्ण सहयोग प्राप्त करेंगे और आर्थिक प्रगति होगी। आप अत्यधिक लोकप्रिय रहेंगे और आपके परिवार के सदस्य आपको पूर्ण सहयोग प्रदान करेंगे। आप आत्मविश्वास से भरपूर होंगे। एक नए सौदे को अंतिम रूप देकर या एक नए व्यवसाय में शामिल होकर व्यापार में एक बड़ी छलांग लगा सकते हैं। प्रेम संबंधों के संदर्भ में सावधान रहने की आवश्यकता है।

तो, ना ,नी, नू, ने, नो, या, यी, यू,)

भाग्यांक: 3
विशेष: हनुमान जी को लाल जनेऊ को अर्पित करें।

धनु
परिवार वालों के साथ खुशी के पल बिताएंगे। ग्रेजुएशन कर रहे स्टूडेंट्स के लिए दिन शानदार रहने वाला है। दोस्तों और शिक्षकों का आपको पूरा सपोर्ट मिलेगा, जो लोग मार्केटिंग के काम से जुड़े हैं, उन्हें तरक्की के कई सुनहरे मौके मिलेंगे। किसी बड़े बुजुर्ग की मदद करने से आप मन में राहत महसूस करेंगे। कार्यक्षेत्र में चुनौतियों का सामना करने में आप सफल होंगे। कॅरियर में नए आयाम स्थापित होंगे।

(ये, यो, भा, भी, भू, ध, फा, ढा, भे)

भाग्यांक: 9
विशेष: हनुमान जी को प्रणाम करें।

मकर
बिजनेस और नौकरी में कुछ अच्छा होने के इशारे मिल सकते हैं?. किसी खास मामले को लेकर परिवार से बातचीत हो सकती है। ऑफिस के काम या अपने किसी शौक के कारण आप व्यस्त हो सकते हैं। किसी जरूरी पार्टनरशिप की दिशा में प्रगति होने के भी योग बन रहे हैं। कुछ जिम्मेदारियां और जरूरी काम आपको निपटाने पड़ सकते हैं। निवेश करने या किसी को आर्थिक मदद देने के पहले सलाह कर लें।

(भो, जा, जी, खी, खू, खा, गा, गी)

भाग्यांक: 9
विशेष: सोने की अंगूठी पर मंगल यंत्र खुदवा कर धारण करें।

कुंभ
संबंधों में कुछ उतार-चढ़ाव हो सकते हैं। जल्द ही सफलता के द्वार खुलेंगे। मुश्किलों को भलीभांति समझेंगे तभी उनका समाधान ढूंढ पाएंगे। जिंदगी की रुकावटों से आपका तुजुर्बा बढेगा और वही तुजुर्बा आपको सही रास्ते पर चलने में मदद जरूर करेगा। माता लक्ष्मी की कृपा दृष्टि सबसे अधिक बनी रहेगी। आप ताकतवर होंगे और चीजों को हासिल करना चाहेंगे, यही वजह है कि आप चीजों को बनाने के लिए अपने प्रभाव को बढ़ाएंगे।

(गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो ,दा)

भाग्यांक: 7
विशेष: बंदरों को केले खिलाएं।

मीन
आपको पूर्वार्ध में वांछित परिणाम नही मिल सकते हैं। आपको विभिन्न स्तरों पर कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है। आप थोड़े भ्रमित रह सकते हैं। इस स्थिति के कारण आप समय पर काम पूरा नहीं कर पाएंगे। संसाधनों की कमी के कारण कुछ व्यावसायिक योजनाओं को रोकना पड़ सकता है। स्वास्थ्य आपकी चिंता का कारण बन सकता है। उत्तरार्ध में हालात सुधरेंगे और कठिनाइयों का समाधान मिलेगा। आपकी सामाजिक छवि बढ़ेगी।

(दी, दू ,थ, झ, ञ, दे, दो, चा, ची)

भाग्यांक: 5
विशेष: रात्रि को केसर वाला दूध ग्रहण करें।

द हंड्रेड में बर्मिंघम फ्रेंचाइजी की ओर से खेलने की तैयारी में शेफाली

बिग बैश में खेल सकती है

एजेंसी। नई दिल्ली

भारत की युवा बल्लेबाज शेफाली वर्मा द हंड्रेड टूर्नामेंट में बर्मिंघम फीनिक्स की ओर से खेलने की तैयारी में हैं और वह इस साल के अंत में महिला बिग बैश टी-20 लीग में सिडनी फ्रेंचाइजी की ओर से भी खेल सकती हैं। आईसीसी महिला टी-20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में दुनिया की नंबर एक बल्लेबाज 17 साल की शेफाली अपनी कप्तान हरमनप्रीत कौर, उप कप्तान स्मृति मंधाना, जेमिमा रोड्रिग्ज और दीप्ति शर्मा के बाद 100 गेंद के टूर्नामेंट से जुड़ने वाली पांचवीं भारतीय महिला क्रिकेटर हैं।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के एक सूत्र ने एजेंसी को बताया, बर्मिंघम फ्रेंचाइजी ने शेफाली से संपर्क किया था और यह अनुबंध होने वाला है। वह टीम में न्यूजीलैंड की सोफी डेवाइन की जगह लेंगी। सूत्र ने कहा, वह महिला बिग बैश में खेलने के लिए सिडनी फ्रेंचाइजी के साथ भी बात कर रही हैं। द हंड्रेड टूर्नामेंट को पिछले साल कोविड-19 महामारी के कारण स्थगित कर दिया गया था। इस साल यह टूर्नामेंट 21 जुलाई से खेला जाएगा और टूर्नामेंट का पहला मैच ओवल इनविंसिबल्स और मैनचेस्टर ओरिजिनल्स के बीच होगा। महिला बिग बैश लीग इस साल आखिर में होगी। यह शेफाली का पहला विदेशी टी20 टूर्नामेंट होगा। शेफाली 22 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 148.31 के स्ट्राइक रेट के साथ 617 रन बनाकर आक्रामक बल्लेबाज के रूप में उभरी हैं। इस बीच राष्ट्रीय महिला क्रिकेट टीम के मुख्य कोच का चयन इस हफ्ते मदन लाल की अगुआई वाली क्रिकेट सलाहकार समिति (सीएसी) करेगी। निवर्तमान कोच डब्ल्यू वी रमन और पांच महिला कोच सहित कुल 35 दावेदारों ने महिला कोच के पद के लिए आवेदन किया है। सूत्र ने कहा, सीएससी को इस संदर्भ में सूचना दे दी गई है और कोच का चयन इस हफ्ते किया जाएगा। पूर्व मुख्य चयनकर्ता

हेमलता काला, ममता माबेन, जया शर्मा, सुमन शर्मा और नोशीन अल खादीर पांच महिला दावेदार हैं जबकि पूर्व कोच रमेश पोवार और तुषार आरोठे ने भी पद के लिए आवेदन किया है।

ज्वेरेव ने बेरेटिनी को हराकर दूसरी बार मैड्रिड ओपन का खिताब जीता

एजेंसी। मैड्रिड

एलेक्जेंडर ज्वेरेव ने फ्रेंच ओपन से पहले अपनी शानदार फार्म जारी रखते हुए मैटियो बेरेटिनी को पराजित करके दूसरी बार मैड्रिड ओपन टेनिस टूर्नामेंट का खिताब जीता। क्वार्टर फाइनल में शीर्ष वरीयता प्राप्त राफेल नडाल और सेमीफाइनल में चौथी वरीयता प्राप्त डोमिनिक थीम को हराने के बाद ज्वेरेव ने फाइनल में दसवीं रैंकिंग के बेरेटिनी को 6-7 (8), 6-4, 6-3 से हराकर इस सत्र का अपना दूसरा खिताब हासिल किया।

जर्मनी के छठी रैंकिंग के खिलाड़ी ने मार्च में अकापुल्को में मैक्सिकन ओपन का खिताब जीता था। उन्होंने इससे पहले 2018 में थीम को हराकर अपना पहला मैड्रिड ओपन खिताब जीता था। चौबीस वर्षीय ज्वेरेव ने कहा, फ्रेंच ओपन में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए आपको क्ले कोर्ट सत्र में अच्छा प्रदर्शन करने की जरूरत होती है। आखिर में मैंने मास्टर्स जीता है। इसलिए यह जीत मेरे लिए महत्वपूर्ण है। मैं इस उपलब्धि से खुश हूं। पुरुष युगल के फाइनल में स्पेन के मार्सेल ग्रैनोलर्स और अर्जेंटीना के होरासियो जेबालोस ने क्रोएशिया के निकोला मेटकिच और मैट पाविच को 1-6, 6-3, 10-8 से हराकर खिताब जीता। महिला एकल के फाइनल में शनिवार को आर्यना सबालंका ने शीर्ष रैंकिंग की एश बार्टी को 6-0, 3-6, 6-4 से हराया था।

मुझे नहीं लगता कि भारत में इस साल फिर से आईपीएल हो पाएगा : नीशाम

एजेंसी। क्राइस्टचर्च

न्यूजीलैंड के आलराउंडर जिम्मी नीशाम को नहीं लगता कि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के बाकी बचे 31 मैच इस साल भारत में हो पाएंगे। आईपीएल के जैव सुरक्षित वातावरण के अंदर कोविड-19 के मामले पाए जाने के बाद यह टूर्नामेंट स्थगित कर दिया गया था। नीशाम को इस साल के आखिर में टी-20 विश्वकप के भारत में आयोजन को लेकर भी संदेह है। भारत अभी कोविड-19 की दूसरी लहर से जूझ रहा है। देश में प्रतिदिन चार लाख से अधिक मामले सामने आ रहे हैं जबकि हर दिन 4000 से अधिक लोगों की मौत हो रही है। ऐसी स्थिति में आईपीएल और टी-20 विश्वकप दोनों का आयोजन यूएई में किए जाने की संभावना है। नीशाम ने न्यूजहब से कहा, यदि आईपीएल फिर से शुरू होता है तो मुझे नहीं लगता कि इसका भारत में आयोजन हो पाएगा।

आईपीएल में मुंबई इंडियन्स की तरफ से खेलने वाले नीशाम ने कहा, हम इस साल के आखिर में होने वाले टी-20 विश्वकप को भारत से बाहर आयोजित करने की योजनाओं के बारे में सुन रहे हैं और वे इन चीजों को लेकर बेहद सतर्कता बरत रहे हैं। नीशाम को लगता है कि जैव सुरक्षित वातावरण (बायो बबल) में वायरस के घुसने का कारण टीमों का देश भर में यात्रा करना हो सकता है। उन्होंने कहा, भले ही हम चार्टर्ड विमानों में जा रहे थे, लेकिन हमें तमाम औपचारिकताओं से गुजरना पड़ रहा था जिनसे हमेशा खतरे की संभावना बनी रहती थी। नीशाम ने कहा कि यह कहना मुश्किल है कि बायो बबल का उल्लंघन कैसे हुआ। उन्होंने कहा, हम वास्तव में स्पष्ट तौर पर नहीं जानते कि टीमें कैसे संक्रमित हुई। सभी चीजों को ठीक रखना बेहद मुश्किल है, जबकि आपके आसपास इतने अधिक लोग हों जो एक दूसरे के करीब हैं तथा मैचों के बाद आपस में बातचीत भी होती थी। नीशाम ने कहा, जब एक टीम में मामला पाया जाता है, तो फिर आप सोचने लग जाते हो कि आप पिछले सप्ताह किससे मिले थे। आपने किससे हाथ मिलाया था। आपका दिमाग वास्तव में तेजी से दौड़ने लगता है। विभिन्न टीमों के चार खिलाड़ियों और दो कोच का कोविड-19 के लिए पॉजिटिव पाए जाने के बाद आईपीएल पिछले मंगलवार को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया था।

अनिवार्य पृथकवास पूरा करने के बाद घर लौटे वरुण चक्रवर्ती और संदीप वारियर

नई दिल्ली। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के लेग स्पिनर वरुण चक्रवर्ती और तेज गेंदबाज संदीप वारियर 10 दिन का अनिवार्य पृथकवास पूरा करने के बाद अपने शहरों को लौट गए हैं। चक्रवर्ती और वारियर को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के जैव सुरक्षित वातावरण में कोविड-19 के लिए पॉजिटिव पाया गया था। यह लीग बाद में अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी गई थी। तमिलनाडु के चक्रवर्ती आधिकारिक तौर पर पहले क्रिकेटर थे, जिनका परीक्षण पॉजिटिव पाया गया था। वह कुछ स्कैन कराने के लिए गए थे जहां वह वायरस से संक्रमित हो गए थे। इसके बाद उनके साथी वारियर और प्रसिद्ध कृष्णा भी वायरस की चपेट में आ गए थे। केरल के वारियर इस बीच दिल्ली कैपिटल्स के अमित मिश्रा के संपर्क में आए जिससे यह लेग स्पिनर भी संक्रमित हो गया था। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के एक अधिकारी ने कहा, हां, चक्रवर्ती और संदीप घर लौट गए हैं। उन्होंने 10 दिन का अनिवार्य पृथकवास पूरा कर लिया है। हालांकि उनकी फ्रेंचाइजी टीम केकेआर उनके स्वास्थ्य का ध्यान रखेगी। उन्होंने कहा, उनका क्रमश: चेन्नई और केरल में आरटी पीसीआर परीक्षण करवाया जाएगा। चक्रवर्ती और वारियर में हालांकि संक्रमण के कोई खास लक्षण नहीं दिखाई दिए। कोविड-19 के लिए पॉजिटिव पाए गए केकेआर के एक अन्य खिलाड़ी न्यूजीलैंड के टिम सीफर्ट अभी पृथकवाास पर रहेंगे। आईपीएल को चार मई को निलंबित कर दिया गया था।

सनराइजर्स के मालिकों ने कोरोना के खिलाफ जंग के लिए 30 करोड़ दान दिए

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की टीम सनराइजर्स हैदराबाद की मालिक सन टीवी ने सोमवार को राज्य और केंद्र सरकारों के अलावा विभिन्न स्वयंसेवी संगठनों (एनजीओ) के सहयोग से चलाए जा रहे कोविड-19 राहत कार्यों के लिए 30 करोड़ रुपये दान किए। भारत अभी कोविड-19 महामारी की दूसरी लहर से जूझ रहा है, जिसके कारण प्रतिदिन 4000 से अधिक लोगों की मौत हो रही है। सनराइजर्स हैदराबाद ने अपने ट्विटर पेज पर जारी बयान में कहा, सन टीवी कोविड-19 महामारी की दूसरी लहर से प्रभावित लोगों को राहत प्रदान करने के लिए 30 करोड़ रुपये दान कर रहा है। इसमें कहा गया है, इस धनराशि का उपयोग भारत के विभिन्न राज्यों में चलाए जा रहे कई अभियानों पर किया जाएगा जिसमें भारत सरकार और राज्य सरकार के कार्यक्रमों में दान और एनजीओ के साथ मिलकर ऑक्सीजन सिलेंडर, दवाइयां आदि उपलब्ध कराना शामिल है।

बाबर, हीली बने आईसीसी के महीने के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी

एजेंसी। दुबई

पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम और ऑस्ट्रेलियाई महिला टीम की विकेटकीपर एलिसा हीली को मंगलवार को अप्रैल महीने में उनके शानदार प्रदर्शन के लिए आईसीसी (अंतराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद) महीने का सर्वश्रेष्ठ आईसीसी खिलाड़ी चुना गया। आजम ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हाल ही में समाप्त हुई श्रृंखला में सभी प्रारूपों में लगातार अच्छा प्रदर्शन किया। प्रशंसकों और आईसीसी वोटिंग अकादमी के द्वारा उन्हें अप्रैल महीने का विजेता के रूप में चुना गया।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीसरे एकदिवसीय मैच में उन्होंने 82 गेंद में 94 रन की मैच विजेता पारी खेल कर 13 रेटिंग अंक हासिल किए थे, जिससे वह कॅरियर के सर्वश्रेष्ठ 865 अंक तक पहुंचने में सफल रहे। उन्होंने इसी टीम के खिलाफ टी-20 श्रृंखला के तीसरे मैच में 59 गेंद 122 रन की पारी खेली थी, जिससे पाकिस्तान ने बड़े लक्ष्य का सफलतापूर्वक पीछा किया था। यहां जारी विज्ञप्ति में आईसीसी वोटिंग अकादमी के सदस्य रमीज राजा ने कहा, सीमित ओवरों के क्रिकेट में

बल्लेबाज दो तरह से खेलते है। पहला तरीका का ताकत और दमखम के साथ गेंदबाजी की धज्जियां उड़ाना और दूसरा तरीका है बाबर आजम की तरह बल्लेबाजी जिसमें सहजता से शानदार कलात्मक शॉट लगाए जाते है। वह इस पुरस्कार के हकदार थे।

हीली ने इस दौरान न्यूजीलैंड के खिलाफ सीमित ओवरों की श्रृंखला में शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने तीन एकदिवसीय मैचों में 51.66 की औसत और 98.72 की स्ट्राइक रेट से 155 रन बनाए। उनके इस प्रदर्शन ऑस्ट्रेलिया लगातार सबसे ज्यादा एकदिवसीय मैचों को जीतने के अपने रिकार्ड को 24 मैचों तक पहुंचाने में सफल रहा। आईसीसी वोटिंग अकादमी के सदस्य इयान बिशप ने कहा, हीली अप्रैल महीने के लिए आईसीसी की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुने जाने की हकदार है। उसने ऑस्ट्रेलिया की शानदार बल्लेबाजी से ऑस्ट्रेलिया तीनों मैचों में बड़ा स्कोर खड़ा करने और लक्ष्य का पीछा करने में सफल रहा।

पाकिस्तान ने दूसरा टेस्ट भी जीता

हरारे। पाकिस्तान ने सोमवार को यहां दूसरे टेस्ट क्रिकेट मैच में जिम्बाब्वे को पारी और 147 रन से हराकर दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला में क्लीन स्वीप किया। पाकिस्तान को चौथे दिन जीत के लिए केवल एक विकेट की जरूरत थी। शाहीन शाह अफरीदी ने दिन के पांचवें ओवर में ही ल्यूक जोंगवे (37) को विकेटकीपर मोहम्मद रिजवान के हाथों कैच कराकर जीत की औपचारिकता पूरी की। जिम्बाब्वे ने सुबह अपनी दूसरी पारी नौ विकेट पर 220 रन से आगे बढ़ाई और केवल 11 रन जोड़कर उसकी टीम 231 रन पर आउट हो गई। अफरीदी ने 52 रन देकर पांच विकेट लिए। दूसरी पारी में उनके अलावा नौमान अली (86 रन देकर पांच) ने भी पांच विकेट लिए। हसन अली ने पहली पारी में पांच विकेट लिए थे। जिम्बाब्वे पहली पारी में केवल 132 रन बना पाया था और उसे फालोआन के लिए मजबूर होना पड़ा था।

संक्षिप्त समाचार

विराट कोहली और इशांत शर्मा ने पहला टीका लगवाया

नई दिल्ली। भारतीय कप्तान विराट कोहली और वरिष्ठ तेज गेंदबाज इशांत शर्मा ने सोमवार को कोविड-19 का पहला टीका लगवाया। मुंबई में रहने वाले कोहली ने इंस्टाग्राम पर तस्वीर पोस्ट की है जबकि इशांत और उनकी पत्नी प्रतिमा ने भी टीकाकरण केंद्र की अपनी फोटो ट्विटर पर डाली है। इशांत ने अपने ट्विटर पेज पर लिखा है, इसके लिए आभारी हूं तथा इस काम में लगे सभी लोगों का भी आभार व्यक्त करता हूं। व्यवस्था के सुचारू संचालन से खुशी हुई। सभी जल्द से जल्द टीका लगवाएं। भारतीय उप कप्तान अजिंक्य रहाणे, तेज गेंदबाज उमेश यादव और सलामी बल्लेबाज शिखर धवन पहले ही टीका लगवा चुके हैं। भारतीय टीम दो जून को इंग्लैंड के साढ़े तीन महीने के दौरे पर रवाना होगी। इस दौरान वह न्यूजीलैंड के खिलाफ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल तथा उसके बाद इंग्लैंड के खिलाफ पांच टेस्ट मैचों की श्रृंखला खेलेगी। भारत में अब 18 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों का टीकाकरण शुरू हो गया है।

भुल्लर संयुक्त 38वें और चौरसिया संयुक्त 61वें स्थान पर रहे

टेनेरीफ (स्पेन)। गगनजीत भुल्लर ने आखिरी दौर में 66 का कार्ड खेला जिससे वह 2021 केनारी आइलैंड गोल्फ चैंपियनशिप में संयुक्त 38वें स्थान पर रहे। भारत के एक अन्य गोल्फर एसएसपी चौरसिया अंतिम दौर में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए और उन्हें संयुक्त 61वें स्थान से संतोष करना पड़ा। दक्षिण अफ्रीका के 21 वर्षीय गोल्फर गैरिक हिगो ने खिताब जीता। यह पिछले तीन सप्ताह में उनका दूसरा खिताब है। टूर्नामेंट में भाग ले रहे अन्य भारतीयों में शुभंकर शर्मा संयुक्त 69वें और अजितेश संधू संयुक्त 71वें स्थान पर रहे। शिव कपूर कट से चूक गए थे। भारतीय गोल्फर अब अगले सप्ताह बेटफ्रेड ब्रिटिश मास्टर्स में भाग लेंगे।

रेन से ड्रॉ खेलकर पीएसजी खिताब की दौड़ में पिछड़ा

पेरिस। पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) की रेन के खिलाफ मैच 1-1 से ड्रा खेलने के कारण फ्रांसीसी फुटबॉल लीग का खिताब अपने पास बरकरार रखने की उम्मीदों को करारा झटका लगा है। पीएसजी ने मध्यांतर से ठीक पहले नेमार के पेनल्टी पर किए गए गोल से बढ़त बनाई। रेन के स्ट्राइकर सरोहु गुएर्सी ने 70वें मिनट में विंगर बेंजामिन बोरिगीड के कार्नर पर हेडर से गोल करके अपनी टीम को बराबरी दिलाई। अब जबकि दो दौर के मैच बचे हुए हैं तब पीएसजी शीर्ष पर काबिज लिली से तीन अंक पीछे और तीसरे स्थान की टीम मोनाको से केवल दो अंक आगे है। मोनाको ने एक अन्य मैच में रीम्स को 1-0 से हराकर चैंपियन्स लीग में जगह बनाने की अपनी उम्मीदें जीवंत रखी। उसकी तरफ से यह महत्वपूर्ण गोल इलियट मैटाजो ने 20वें मिनट में किया।

मिलान से हराकर पांचवें स्थान पर खिसका युवेंटस

मिलान। इंटर मिलान ने पिछले सप्ताह युवेंटस की इटालियन फुटबॉल लीग सेरी ए का खिताब जीतने की उम्मीदों पर पानी फेर दिया था और अब एसी मिलान ने उसे 3-0 से हराकर उसकी चैंपियन्स लीग में जगह बनाने की कोशिशों को भी करारा झटका दिया। पिछले नौ साल से सेरी ए में अपना दबदबा रखने वाला युवेंटस इस हार से पांचवें स्थान पर खिसक गया है। उसके और चौथे स्थान पर काबिज नैपोली के बीच एक अंक का अंतर है। लीग से शीर्ष चार में रहे वाली टीमें चैंपियन्स लीग में जगह बनाती हैं। युवेंटस के 35 मैचों में 69 अंक हैं। अटलांटा और एसी मिलान दोनों के समान 72 अंक हैं। अटलांटा ने एक अन्य मैच में पार्मा को 5-2 से हराया और वह बेहतर गोल अंतर के कारण इंटर मिलान (35 मैचों में 85 अंक) के बाद दूसरे स्थान पर है। इंटर मिलान पहले ही खिताब अपने नाम सुरक्षित कर चुका है। एसी मिलान की तरफ से युवेंटस के खिलाफ ब्राहिम डियाम ने पहले हाफ के इंजुरी टाइम में पहला गोल किया। इसके बाद एंटे रेबिच (78वें) और फिकायो टोमोरी (82वें मिनट) ने दूसरे हाफ में गोल किए। अन्य मैचों में रोमा ने क्रोटोन को 5-0 से जबकि कैगलियारी ने बेनेवेंटो को 3-1 से शिकस्त दी।

रीयाल मैड्रिड ने शीर्ष पर पहुंचने का मौका गंवाया

मैड्रिड। मौजूदा चैंपियन रीयाल मैड्रिड ने सेविला के खिलाफ महत्वपूर्ण मैच 2-2 से ड्रा खेलकर स्पेनिश फुटबॉल लीग ला लिगा में शीर्ष पर पहुंचने का मौका गंवा दिया। इस परिणाम का लाभ पहले स्थान पर काबिज एटलेटिको मैड्रिड को मिला जिसने शनिवार को बार्सिलोना के खिलाफ मैच गोलरहित ड्रा खेला था। एटलेटिको के 35 मैचों में 77 अंक हैं जबकि रीयाल मैड्रिड के इतने ही मैचों में 75 अंक हैं। बार्सिलोना के भी रीयाल के समान ही अंक हैं लेकिन वह गोल अंतर में पीछे है। अब जबकि तीन दौर के मैच बचे हुए हैं तब इन तीनों के अलावा सेविला भी खिताब की दौड़ में है। सेविला के 35 मैचों में 71 अंक हैं। सेविला ने दो बार बढ़त हासिल की। इनमें से दूसरा गोल पेनल्टी पर किया गया जिसके लिए वीडियो समीक्षा प्रणाली (वीएआर) का सहारा लिया गया। रीयाल ने बाद में इसको लेकर शिकायत भी दर्ज कराई।

बाक ने कोरोना के कारण जापान दौरा रद्द किया

टोक्यो। जापान में कोरोना वायरस के बढ़ते मामलों के कारण अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के अध्यक्ष थॉमस बाक ने अपने दौरे को रद्द कर दिया है। टोक्यो ओलंपिक आयोजन समिति ने सोमवार को यह जानकारी दी। बाक को ओलंपिक मशाल रिले में शामिल होने के लिए अगले सोमवार को हिरोशिमा आना था। उसके बाद उनके टोक्यो यात्रा पर भी आने की संभावना थी। आयोजन समिति की अध्यक्ष सीको हाशिमोतो ने पिछले हफ्ते कहा था कि बाक के लिए इस दौरे पर आना मुश्किल होगा, तभी कयास लगाए गए थे कि उनका दौरा रद्द हो जाएगा। टोक्यो और देश के अन्य हिस्सों में कोविड-19 के कारण आपातकाल लागू है। इसे मंगलवार को खत्म होना था लेकिन अब यह 31 मई तक बढ़ा दिया गया है। यहां जारी बयान में कहा गया, बाक का दौरा जब भी संभव होगा जल्द से जल्द होगा। बाक के दौरे के रद्द होने से ओलंपिक आयोजन पर फिर से सवाल उठने लगे है लेकिन आईओसी और आयोजन समिति ने कहा है कि यह रद्द नहीं होगा और इसका आयोजन सुरक्षित होगा।

लेग स्पिनर पीयूष चावला के पिता का कोरोना से निधन

मुंबई। भारतीय लेग स्पिनर पीयूष चावला के पिता प्रमोद कुमार चावला का सोमवार को कोविड-19 बीमारी के कारण निधन हो गया। उनकी उम्र 60 वर्ष के आसपास थी। चावला ने अपने इंस्टाग्राम पर लिखा, हम गहरे दुख के साथ यह घोषणा कर रहे हैं कि हमारे प्रिय पिताजी प्रमोद कुमार चावला का 10 मई 2021 को स्वर्गवास हो गया। वह कोविड और उसके बाद की जटिलताओं से जूझ रहे थे। ईश्वर उनकी आत्मा को शांति प्रदान करे।

चावला की आईपीएल टीम मुंबई इंडियन्स ने भी शोक व्यक्त किया। मुंबई इंडियन्स ने ट्वीट किया, पीयूष चावला के प्रति हमारी संवेदना है

जिनके पिताजी प्रमोद कुमार चावला का सोमवार को सुबह निधन हो गया। इस मुश्किल समय में हम आपके और आपके परिवार के साथ हैं। ईश्वर आपको यह दुख सहने की शक्ति प्रदान करे। 32 वर्षीय चावला ने भारत की तरफ से तीन टेस्ट, 25 वनडे और सात टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं। वह घरेलू स्तर पर अभी गुजरात का प्रतिनिधित्व करते हैं। उन्होंने 136 प्रथम श्रेणी मैचों में 445 विकेट लिए हैं।

रोरी मैकलरॉय ने 18 महीने में पहला खिताब जीता

चार्लोट। रोरी मैकलरॉय ने रविवार को यहां आखिरी होल में तीन अंडर 68 का कार्ड खेलकर क्वेल हॉलो गोल्फ टूर्नामेंट का खिताब जीता। यह पिछले 18 महीनों में उनका पहला खिताब है। इससे पहले उन्होंने शंघाई में एचएसबीसी चैंपियनशिप जीती थी। मैकलरॉय ने कुल 10 अंडर 274 का स्कोर बनाया तथा अपने कॅरियर का 19वां खिताब जीता। यह क्वेल हॉलो में उनका तीसरा खिताब है। अब्राहम एंसर ने लगातार तीन बर्डी जमाई तथा वह पांच अंडर 66 का स्कोर बनाकर दूसरे स्थान पर रहे। इस बीच अलेक्स रेका ने रीजन्स ट्रेडिन्स का खिताब जीता जो उनकी पीजीए टूर में तीसरी ट्राफी है।

आईपीएल में खेलने वाले कैरेबियाई खिलाड़ी स्वदेश लौटे: जॉनी ग्रेव

एजेंसी। किंगस्टन

क्रिकेट वेस्टइंडीज के सीईओ जॉनी ग्रेव ने कहा कि भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) और संबंधित फ्रेंचाइजी टीमों के प्रयासों से इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में भाग लेने वाले सभी कैरेबियाई खिलाड़ी सकुशल स्वदेश लौट गए हैं। कोविड-19 के कई मामले पाए जाने के बाद आईपीएल को चार मई को स्थगित कर दिया गया था।

वेस्टइंडीज के शीर्ष खिलाड़ी सीमित ओवरों के कप्तान कीरोन पोलार्ड, जैसन होल्डर, सुनील

नारायण, आंद्रे रसेल, ड्वेन ब्रावो, निकोलस पूरण, शिमरोन हेटमायर और फैबियन एलेन आईपीएल का हिस्सा थे। वेस्टइंडीज के कुल नौ खिलाड़ी लीग में भाग ले रहे थे। क्रिकेट वेस्टइंडीज ने ट्वीट किया, आईपीएल के हमारे खिलाड़ी तथा टीवी प्रॉडक्शन से जुड़े कैरेबियाई सकुशल स्वदेश पहुंच गए हैं। हम उनकी सकुशल वापसी की व्यवस्था करने के लिए बीसीसीआई और आईपीएल के आभारी हैं। चेन्नई सुपर किंग्स के आस्ट्रेलियाई बल्लेबाजी कोच माइकल हस्सी और कोलकाता नाइट राइडर्स की तरफ से खेलने वाले न्यूजीलैंड के बल्लेबाज टिम सीफर्ट को छोड़कर सभी विदेशी खिलाड़ी भारत से रवाना हो गए हैं। ये दोनों कोविड-19 से संक्रमित हैं। आस्ट्रेलिया के सभी खिलाड़ी और न्यूजीलैंड के कुछ क्रिकेटर अभी मालदीव में पृथकवास पर हैं।

एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता फुटबॉलर फ्रैंको का निधन

एजेंसी। नई दिल्ली

भारत की 1962 एशियाई खेलों की स्वर्ण पदक विजेता टीम के सदस्य रहे फोर्टुनाटो फ्रैंको का सोमवार को निधन हो गया। वह 84 साल के थे। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने उनके निधन की पुष्टि की, लेकिन इसका कारण नहीं बताया। फ्रैंको के परिवार में पत्नी, बेटा और बेटी हैं। भारत के मध्यपंक्ति के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में से एक फ्रैंको 1960 से 1964 तक भारतीय फुटबॉल के स्वर्णिम युग का हिस्सा थे।

वह 1960 के रोम ओलंपिक में भी भारतीय टीम का हिस्सा थे लेकिन उन्हें कोई मैच खेलने का मौका नहीं मिला था लेकिन वह जकार्ता में 1962 में खेले गए एशियाई खेलों में भारतीय टीम के अहम सदस्य थे। फ्रैंको ने भारत की तरफ से 26 मैच खेले। इनमें में 1962 का एशियाई कप भी शामिल है जिसमें भारत उप विजेता रहा था। वह मर्डेका कप में 1964 और 1965 में क्रमश: रजत और कांस्य पदक जीतने वाली टीम के भी सदस्य थे। उन्होंने हालांकि अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 1962 एशियाई खेलों के फाइनल में किया था जब भारत ने दक्षिण कोरिया को 2-1 से हराया था। गोवा के रहने वाले फ्रैंको घरेलू स्तर पर मुंबई के टाटा फुटबॉल क्लब की तरफ से खेला करते थे।

एआईएफएफ अध्यक्ष पटेल ने किया शोक व्यक्त

एआईएफएफ अध्यक्ष प्रफुल्ल पटेल और महासचिव कुशल दास ने उनके निधन पर शोक व्यक्त किया। एआईएफएफ से जारी बयान में पटेल ने कहा, यह सुनकर काफी दुख हुआ कि फ्रेंको नहीं है। वे भारतीय फुटबॉल की स्वर्णिम पीढ़ी के सदस्य थे जिन्होंने 1962 में भारत को स्वर्ण पदक जीताने में शानदार भूमिका निभाई थी। दास ने अपने बयान में कहा, वह दिग्गज फुटबॉलर थे जो कई पीढ़ियों के लिए प्रेरणा रहे हैं। उनके परिवार के प्रति हमारी संवेदनाएं। हम उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करते हैं। आईओए ने निधन पर दुख व्यक्त करते हुए कहा, भारतीय ओलंपिक संघ महान फुटबॉलर, भारतीय टीम के मध्यपंक्ति के पूर्व ओलंपियन और 1962 में जकार्ता एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता टीम के सदस्य फ्रेंको के निधन पर शोक व्यक्त करता है।

हॉकी इंडिया के पूर्व खिलाड़ी फर्नांडिस के निधन पर जताया शोक

नई दिल्ली। हॉकी इंडिया ने सोमवार को पूर्व खिलाड़ी जार्ज फर्नांडिस के निधन पर शोक व्यक्त किया जिनका कोविड-19 के कारण रविवार को बेंगलुरू में निधन हो गया था। फर्नांडिस 67 साल के थे और पिछले कुछ दिनों से कोविड-19 से जूझ रहे थे। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष ज्ञानेंद्रो निंगोमबाम ने प्रेस विज्ञप्ति में कहा, हॉकी इंडिया में हम सभी जूनियर स्तर पर हमारे देश का प्रतिनिधित्व करने वाले जार्ज फर्नांडिस के असामयिक निधन से बेहद दुखी हैं। उन्होंने कहा, हम दुख की इस घड़ी में उनके परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करते हैं। पूर्व सीमा शुल्क आयुक्त (कर्नाटक) फर्नांडिस ने एक स्ट्राइकर के रूप में 1975 में भारतीय जूनियर टीम का प्रतिनिधित्व किया था। वह 1975-76 में कर्नाटक की तरफ से जूनियर स्तर पर खेले थे। इससे पहले शनिवार को भारत के दो मशहूर हॉकी खिलाड़ियों रविंदर पाल सिंह और एम के कौशिक का कोविड-19 के कारण निधन हो गया था। ये दोनों मास्को ओलंपिक 1980 की स्वर्ण पदक विजेता टीम के सदस्य थे।

प्रकृति से है प्यार तो बागवानी में बनाएं कॅरियर

प्रकृति की गोद में रहने का अपना एक अलग ही आनंद है। कंप्यूटर की किट-किट और डेडलाइंस से दूर रहकर अगर आप नेचर संबंधित एक सुखद कॅरियर की तलाश में हैं, तो आप हार्टिकल्चर अर्थात बागवानी में अपना भविष्य तलाश सकते हैं। हार्टिकल्चर वास्तव में एग्रीकल्चर का ही एक छोटा स्वरूप है। जहां एग्रीकल्चर में बड़े पैमाने पर खेती की जाती है, वहीं बागवानी में इसे छोटे स्तर पर किया जाता है। अगर आपको भी प्रकृति के करीब रहना पसंद है तो आप हार्टिकल्चर में अपना कॅरियर बनाएं। तो चलिए विस्तार से जानते हैं इस बारे में।

क्या है हार्टिकल्चर

हार्टिकल्चर वास्तव में आर्ट और विज्ञान का एक अद्भुत मिश्रण है। जिसमें फल, सब्जियों, मसालों, फूलों, औषधीय और सुगंधित फूलों की खेती की जाती है। बागवानी के क्षेत्र में न सिर्फ परिवेश का सौंदर्यीकरण शामिल है, बल्कि पौधों और उनके महत्व का अध्ययन भी शामिल है। बागवानी में पौधों के फसल उत्पादन से लेकर मिट्टी की तैयारी, पौधे की प्रजनन और आनुवंशिक इंजीनियरिंग, पौधे की जैव रसायन और पादप शरीर क्रिया विज्ञान आदि शामिल है।

योग्यता

इस क्षेत्र में आपकी शैक्षणिक योग्यता इस बात पर निर्भर करती है कि आप किस प्रकार के बागवानी व्यवसाय में रूचि रखते हैं। इस क्षेत्र में प्रवेश स्नातक स्तर से शुरू होता है। जिन उम्मीदवारों ने भौतिकी, रसायन विज्ञान और गणित/जीव विज्ञान/कृषि के साथ विज्ञान स्ट्रीम (कक्षा 12 वीं) में उत्तीर्ण किया है, वे विषय के रूप में

हार्टिकल्चर वास्तव में आर्ट और विज्ञान का एक अद्भुत मिश्रण है। जिसमें फल, सब्जियों, मसालों, फूलों, औषधीय व सुगंधित फूलों की खेती की जाती है। बागवानी के क्षेत्र में ना सिर्फ परिवेश का सौंदर्यीकरण शामिल है, बल्कि पौधों और उनके महत्व का अध्ययन भी शामिल है।

बागवानी में स्नातक की डिग्री के लिए एक अलग विषय के रूप में या बीएससी कृषि विज्ञान विषय के रूप में चयन कर सकते हैं। डिप्लोमा कार्यक्रम करने के लिए एक ही मूल योग्यता आवश्यक है। छात्र बागवानी में बीएससी करने के बाद, बागवानी में एमएससी कर क्षेत्र में अपना आगे का अध्ययन जारी रख सकते हैं।

पर्सनल स्किल्स

इस क्षेत्र में कॅरियर देख रहे छात्रों में प्रकृति के प्रति प्रेम की भावना होनी चाहिए। इसके अलावा छात्रों में सीखने के लिए

उत्साह और प्रेरणा देने की क्षमता, गहन एकाग्रता के साथ लंबे समय तक काम करना और एक उत्सुक विश्लेषणात्मक मन होना चाहिए। उनके भीतर पौधों में रोग के शुरुआती लक्षणों का पता लगाने के लिए बागवानी विशेषज्ञों में व्यावहारिक क्षमता, अवलोकन की अच्छी शक्तियां होनी चाहिए। सामान्य तौर पर, बागवानी विशेषज्ञों को अपने आसपास की दुनिया के बारे में जानने और समस्याओं को हल करने में रचनात्मक होने की आवश्यकता होती है।

संभावनाएं

इस क्षेत्र में भविष्य की चाह रखने वाले छात्रों के लिए सिर्फ भारत ही नहीं, विदेशों में भी रोजगार के पर्याप्त अवसर हैं। आप बागवानी उद्योग, सरकारी या शैक्षणिक संस्थानों या फिर निजी क्षेत्रों में भी प्रवेश कर सकते हैं। बागवानी वैज्ञानिक कृषि व्यवसाय, आर्बरकल्चर (लकड़ी के पौधों की देखभाल और देखभाल), वनस्पति उद्यान, संरक्षण, फसल प्रबंधन, पुष्प डिजाइन, खाद्य रसायन, फल और सब्जी उत्पादन, उद्यान केंद्र, ग्रीनहाउस, मैदान प्रबंधन, परिपेश्य निर्माण में कई क्षेत्रों में काम करते हैं। आप सरकारी क्षेत्र में पार्क, सार्वजनिक उद्यान, सरकारी लॉन आदि का रखरखाव कर सकते हैं। या फिर एक बागवानी निरीक्षक, फल और सब्जी निरीक्षक, कृषि विज्ञान केंद्र में प्रशिक्षण सहायक, जिला बागवानी अधिकारी/जिला कृषि अधिकारी, विपणन निरीक्षक, फार्म पर्यवेक्षक, अनुभाग अधिकारी और कृषि निरीक्षक के रूप में काम कर सकते है। इस क्षेत्र में ग्रेजुएट्स व पोस्ट ग्रेजुएट्स के लिए कृषि विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में एसोसिएट प्रोफेसर या तकनीकी सहायक के रूप में काम किया जा सकता है। वहीं अगर आप सेल्फ एम्प्लॉयमेंट चाहते हैं तो आप हॉर्टिकल्चर कंसल्टेंट या हॉर्टिकल्चर थेरेपिस्ट, फ्लोरल डेकोरेटर/फ्लोरिस्ट शॉप, फ्रूट/वेजिटेबल/फ्लावर ग्रोवर इत्यादि के रूप में कार्य कर सकते हैं। कोई भी फल-फूल, सब्जियां या फूल या फल उगाने के लिए हॉर्टिकल्चर फार्म स्थापित करके बागवानी उद्यमी बन सकता है।

आमदनी

एक हार्टिकल्चरिस्ट की आमदनी उनकी शिक्षा, स्पेशलाइजेशन और रोजगार की भौगोलिक स्थित पिर निर्भर करता है। सार्वजनिक क्षेत्र की तुलना में निजी क्षेत्र में बागवानी पेशेवरों का वेतन अधिक है। नए स्तर पर, बागवानी में वेतन 8,000 रुपये से लेकर 10,000 रुपये प्रति माह तक हो सकता है। क्षेत्र में दो से तीन साल के अनुभव के बाद, प्रति माह 20,000 रुपये तक कमा सकते हैं। बागवानी निरीक्षक (संबंधित राज्य या केंद्र सरकार द्वारा नियुक्त) 7,000 रुपये से शुरू होता है और अनुभव और सेवा के कुल वर्षों के आधार पर 17,000 रुपये तक जाता है। जिला बागवानी अधिकारियों को 20,000 रुपये से अधिक मासिक वेतन मिलता है। बागवानी वैज्ञानिकों और वैज्ञानिकों का वेतन 18,000 से 25,000 रुपये के बीच है।

प्रमुख संस्थान

देशभगत यूनिवर्सिटी, पंजाब
नालंदा कॉलेज ऑफ हार्टिकल्चर, नालंदा
श्रीराम कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चर, महाराष्ट्र
हार्टिकल्चरल कॉलेज एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट, तमिलनाडु
आईटीएम यूनिवर्सिटी, ग्वालियर
पंजाब एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटी, लुधियाना

युवाओं की गढ़ने की टकसाल : देव संस्कृति विवि

देव संस्कृति विश्वविद्यालय युवाओं को गढ़ने की कार्यशाला है। विवि और इसके समकक्ष संस्थान कई हैं। इनमें से हर एक की अपनी-अपनी विशेषताएं हैं। कई संस्थान पढ़ाई के साथ खेलकूद एवं भवन-भोजन की खासियत के लिए जाने जाते हैं। कइयों की विशेषता उच्च व्यावसायिक उपाधियों के साथ उच्च नौकरियां हैं, लेकिन जिंदगी को गढ़ने, व्यक्तित्व की उलझी गुत्थियों को सुलझाने की बात कोई नहीं करता। जीवन जीने की कला, व्यवहार की कुशलता, व्यक्तित्व की अंतर्निहित शक्तियों का जागरण और उनका प्रबंधन कोई नहीं सिखाता। यहां तक कि वहां जिंदगी से जुड़े हुए मसलों पर चर्चा भी नहीं होती। बस केवल बुद्धि एवं स्मृति के दायरे में ही युवा चेतना कैद रहती है।

विभिन्न विषयों से जुड़ी हुई बातें तो बहुत होती हैं, लेकिन उनकी खुद की जिंदगी अनछुई-अछूत बनकर रह जाती हैं। युवा मसलों से जुड़े हुए विशेषज्ञों ने इस बारे में कई तरह के शोध-अनुसंधान किए हैं और इन सभी ने वर्तमान शिक्षा व्यवस्था पर प्रश्न चिह्न लगाया है। इनमें कइयों का तो यह मानना है कि ज्यादातर युवा अपनी विवि शिक्षा के दौरान बहकते-भटकते हैं। आखिर ऐसा क्यों है? कई शोध पत्र यह हैरत भरी जानकारी देते हैं कि उच्च व्यावसायिक संस्थानों में शिक्षा पाए हुए प्रबंधन गुरु अपने जीवन का प्रबंधन नहीं कर पा रहे। जिन कंपनियों का दायित्व उन्होंने संभाला है, वे निरंतर फायदे-मुनाफे की ओर बढ़ रही है, लेकिन लाखों की कमाई के बावजूद इन प्रबंधन विशेषज्ञों का जीवन घाटे में जा रहा है। देह रोगों की चपेट में, परिवार कलह की लपेट में और बच्चे कुसंस्कारों के घेरे में। प्रबंधन के महारथियों के निजी जीवन में प्रबंधन का अभाव हैरानी में डालने वाला है। कमोवेश यही स्थिति तकनीकी विशेषज्ञों की निजी जिंदगी की है। कारण साफ है कि उन्होंने अपने शिक्षा संस्थानों में विषय की समझ तो पायी है, लेकिन जिंदगी की समझ से वंचित हैं। युवाओं की वंचना यही है कि वे अपनी जिंदगी से वंचित हैं। देवसंस्कृति विवि ने दूसरे विश्वविद्यालयों से अलग हटकर युवाओं के संपूर्ण व्यक्तित्व को गढ़ने का संकल्प लिया है। यहां के संचालकों, विशेषज्ञों एवं आचार्यों ने ऐसी विधि-व्यवस्था बनाई है, जिसमें ऐसी शिक्षण प्रक्रिया अपनाई गई है, जिसका ताना-बाना रोजगार के साथ युवाओं की निजी जिंदगी और सामाजिक दायित्वों से जुड़ा हुआ है। यही वजह है कि जहां अन्य जगहों पर शिक्षा पाने वाले युवा केवल अपनी आर्थिक-सामाजिक उन्नति के लिए सोचते हैं, वहीं यहां अध्ययन करने वाले युवक-युवतियां जीवन के आध्यात्मिक विकास के साथ देश और समाज के लिए कुछ कर गुजरने की योजनाएं बनाते हैं और इन योजनाओं को पूरा करने में संलग्न भी होते हैं।

देवसंस्कृति विश्वविद्यालय का सारा जोर युवकों की जिंदगी गढ़ने पर है। इसके लिए शिक्षण एवं प्रशिक्षण की जो सैद्धांतिक एवं प्रायोगिक विधियां अपनाई गई हैं, वे विशेष हैं। यहां का प्रत्येक पाठ्यक्रम विशेष है। यहां की प्रत्येक संरचना के पीछे एक सुनिश्चित सोच है। जिसके तहत युवा विद्यार्थियों के अंत:करण में कुछ नया अंकुरित करना है। वे जो भी विषय यहां पढ़ते हैं, उनमें उन्हें यह अनुभूति करायी जाती है कि इसका उनकी अपनी निजी जिंदगी और व्यापक सामाजिक जीवन में क्या महत्व है। यहां जो अध्ययन-अध्यापन की तकनीकें अपनाई गई हैं, वे रटने की बजाय गहरी समझ को विकसित करती हैं। विद्यार्थियों की मौलिकता के विकास के लिए शोध-अनुसंधान, रचनात्मक लेखन जैसी कई प्रक्रियाएं अध्ययन के साथ अंतरंगता से जुड़ी हुई हैं। अपनी जिस विशेषता को लेकर यह विवि दिनों-दिन विख्यात हो रहा है, वह है, यहां के युवा विद्यार्थियों, उनके व्यक्तित्व की आंतरिक शक्तियों का ज्ञान एवं उनका उपयोग करने की व्यावहारिक व प्रायोगिक प्रक्रिया। अभी पिछले दिनों यहां बड़े व्यावसायिक संस्थान के प्रोफेसर अपने युवा विद्यार्थियों के साथ आए हुए थे। सांझ का समय था। यहां के विद्यार्थी भोजन के लिए मेस में जा रहे थे। भोजन करके थोड़ी देर टहलने के बाद यहां के छात्र-छात्राएं अचानक एक बड़े हाल में जाने लगे। उन्होंने जिज्ञासा वश पूछा-क्या यहां रात्रिकालीन कक्षाएं भी लगती हैं? उन्हें उत्तर देने वाले छात्र ने कहा-नहीं कक्षाएं तो हमारी दिन में ही चलती हैं। यह तो हमारी ध्यान की कक्षा है। जवाब सुनकर वे थोड़ा हैरान हुए। विवि में ध्यान की कक्षा उन्होंने फिर जानना चाहा-क्या कोई बाहर से महात्मा आए हुए हैं? इस प्रश्न के जवाब ने उन्हें फिर हैरानी में डाला, क्योंकि उन्हें छात्र ने बताया कि हमारे चांसलर सर सप्ताह में दो दिन ध्यान और गीता की कक्षा लेते हैं। अच्छा यहां चांसलर भी कक्षा लेते हैं। ध्यान भी कराते हैं और गीता भी पढ़ाते हैं। कुछ देर तो खड़े रहे, फिर मन ही मन कुछ सोचते हुए ध्यान की कक्षा में चले गए। उनके साथ उनके विद्यार्थी भी कक्षा में पहुंचे। लगभग डेढ़ घंटे बाद जब वह बाहर निकले, तो बहुत भावमग्न थे। काफी देर तक यहां महाकाल के मंदिर के पास बैठे रहे, फिर उठकर टहलने लगे। टहलते-टहलते उन्होंने अपने विद्यार्थियों से कहा कि मैंने काफी जगह पढ़ा था कि भारत का भविष्य उज्ज्वल होगा, लेकिन कैसे होगा? यह किसी ने नहीं लिखा। यहां आकर मुझे पता चला कि भारत का भविष्य किस तरह उज्ज्वल होगा। यहां युवाओं को संस्कार दिए जा रहे हैं। उन्हें देशप्रेम और समाज की बातें सिखाई जा रही हैं और सबसे बढ़कर यहां वे अपने व्यक्तित्व को गहराई से समझ रहे हैं। ध्यान के माध्यम से स्वयं की आंतरिक आध्यात्मिक ऊर्जा जगा रहे हैं। इन प्रोफेसर ने अपने विद्यार्थियों से कहा कि मैंने कुछ ही दिन पहले राष्ट्रपति एपीजे कलाम की जीवन कथा 'Wings of Fire' पड़ी है। इसमें मैंने एक जगह पढ़ा कि स्वामी शिवानंद ने उनसे कहा, 'इच्छा जो तुम्हारे हृदय और अंतरात्मा में उत्पन्न होती है, जो शुद्ध मन से की गई हो, एक विस्मित कर देने वाली विद्युत चुंबकीय ऊर्जा लिए होती है। यह ऊर्जा हर रात को जब मस्तिष्क सुषुप्त अवस्था में होता है, आकाश में चली जाती है। हर सुबह यह ऊर्जा ब्रह्मांडीय चेतना लिए वापस शरीर में प्रवेश करती है। जिसकी परिकल्पना की गई है, वह निश्चित रूप से प्रकट होता नजर आएगा। नौजवान, तुम इस तथ्य पर ठीक उसी तरह अनंत काल तक भरोसा कर सकते हो, जैसे तुम सूर्योदय के अकाट्य सत्य पर भरोसा करते हो।' 'Wings of Fire' के इस अंश का उल्लेख करते हुए उनने कहा, जिस विवि के विद्यार्थी सांझ को ध्यान करके मन को निर्मल बनाते हों, जिन्हें उच्च कल्पनाएं करना, श्रेष्ठ विचारों में निमग्न होना सिखाया जाता हो, भला उनके जीवन की उत्कृष्टता को कौन बाधित करेगा।

ये प्रोफेसर महोदय तो अपने सुखद अनुभव के साथ वापस लौट गए, लेकिन वापस लौटते हुए वह यह कहते गए, काश! यहां की शिक्षण प्रणाली को संपूर्ण देश अपना सकता। युवाओं की इतनी गहरी रुचि, इतनी संपूर्ण संवेदना अन्य कहीं देखने को नहीं मिलती। यह विश्वविद्यालय यदि अपनी इसी राह पर चलता रहा, तो एक दिन यहां से शिक्षित-प्रशिक्षित युवा देश में संपूर्ण क्रांति लाने में समर्थ होंगे।

बच्चा सब सीख लेता है

"बच्चे का एक प्रमुख स्वभाव यह होता है कि वो हर अच्छी और बुरी चीज को बिलकुल पास जाकर अपने हाथों से छूते हैं वो जानना चाहते हैं कि यह क्या है।"

बच्चा तो एक कोरी स्लेट की तरह होता है वो बहुत सारी चीजों के बारे में तब तक जागरूक नहीं हो सकता जब तक कि माता-पिता उसको न समझाएं। इसलिए बच्चे की पहली पढ़ाई तो उसके घर पर ही होती है। माता-पिता को इसके लिए बहुत पहाड़ नहीं तोड़ना पड़ता है बस कोशिश करते रहना चाहिए। बच्चे को जब समय मिले अच्छी आदते सिखाई जाएं, मिसाल के तौर पर हाथ साफ रखने की आदत सिखाना। बच्चों पर एक शोध किया गया तो देखा गया कि वो जीभ से हथेली को चाटना और उस पर दांत लगाने में बहुत आनंद महसूस कर रहे थे। यही बच्चे पेट में कृमि की तथा पेचिश और अतिसार की समस्या से भी पीड़ित हो रहे थे। इन बच्चों को बार-बार हाथ धोने के लिए प्रेरित किया गया। इसका परिणाम यह हुआ कि 15 दिन बाद वो पेट की बीमारी से मुक्त हो चुके थे। इसके लिए उनको कुछ जानवरों की कहानियां सुनाई जो हाथ नहीं धोते थे और हमेशा डॉक्टर के पास जाते थे। यह कहानी बहुत काम की साबित हुई।

आजकल तो बच्चों को सड़क पर कचरा न फैलाने की, कूड़ा सदैव कूड़ेदान में डालने की, हमेशा किनारे चलने की आदतें कहानी बनाकर सिखाई जाती हैं, जो उनको बहुत भाती हैं। यह बहुत जरूरी भी है कि जितना हो सके बच्चे को सफाई पसंद और जागरूक बनाना चाहिए इससे उसका अपना भविष्य बहुत उज्जवल होगा। किसी बाल मनोवैज्ञानिक ने यह बिलकुल सच ही कहा है कि बच्चों को अगर उनकी रुचि के हिसाब से कुछ भी समझाया जाता है तो उसे सारी जिंदगी यह चीजें नहीं भूलती, लेकिन यह बात भी सही है कि छोटे बच्चे को कुछ सिखाना आसान काम नही है। इसके लिए मां को बहुत मेहनत करनी पड़ती है। हर समय बच्चे का ध्यान रखना पड़ता है, बच्चे ने खाना खाने से पहले हाथ धोए या नहीं, गंदे हाथ साफ किए या नहीं आदि क्योंकि छोटे से मासूम बच्चे यह समझ नहीं पाते कि क्या ठीक है और क्या गलत। इसके लिए उन्हें कुछ खास चीजों को सिखाना बहुत जरूरी है।

बच्चे का एक प्रमुख स्वभाव यह होता है कि वो हर अच्छी और बुरी चीज को बिलकुल पास जाकर अपने हाथों से छूते हैं वो जानना चाहते हैं कि यह क्या है। फिर चाहे वो कोई खाने की चीज हो, कोई भी सामान हो, मिट्टी हो, कोई पालतू जानवर या फिर कंकड पत्थर वो बहुत ही जिज्ञासु होते हैं उन पर पूरी नजर रखनी ही चाहिए। बच्चों को समय-समय पर उसकी गलती बताएं कि जो चीज वे छू रहे हैं, उसमें कीटाणु हो सकते हैं। इनके के बारे में बच्चे को सही जानकारी देना और गंदगी से कितनी खुजली हो सकती है बीमारी हो सकती है यह सब समझाना बहुत जरूरी है। उठने-बैठने के कायदे क्या होते हैं और हमको अपनी गर्दन झुकानी नहीं चाहिए और बहुत खुश होकर बातचीत करनी चाहिए बहुत सारे बच्चे किसी कारण से शर्मीले हो जाते हैं उनको यह सिखाना चाहिए कि किसी की बात का जवाब देते समय उनसे आंखें मिलाकर हंसकर बात कीजिए।

बच्चे को खांसते हुए रूमाल या टिशू रखने और किसी के सामने नहीं दूर हटकर छींकने, टेबल पर बगैर हिले डुले बैठने और चम्मच से खाने और बगैर सुडुक-बुडुक की आवाज के पीने की चीजें कैसे उपयोग मे लेते है यह सब करके ही बताएं। बच्चे किसी को देखने के बाद आंख, नाक कान आदि में अंगुलिया डालते हैं तो उन्हें बताएं कि नाक साफ करना कोई गलत बात नहीं है, लेकिन इसे किसी के सामने नहीं बल्कि बाथरूम में जाकर टीशू से साफ करें और नाक-कान, आंख, दांत आदि को अंगुली से छू लिया है, तो साफ करने के बाद हाथ जरूर धो लें। यह भी एक प्रमाणित तथ्य है कि बच्चे बहुत ही जल्दी सीख लेते हैं जरा सा उनकी तारीफ कर दी जाती है तो वह आगे बढ़कर अपना काम खुद करेंगे। जैसे टॉयलेट जाने के बाद खुद को साफ करना। जब बच्चा ऐसा करने लगे तो समझ जाएं कि यही वह समय है जब आप उन्हें टॉयलेट जाने का सलीका सीखा सकते हैं। पहले-पहले अभिभावक और बच्चे को यह काम बहुत अटपटा और जटिल जरूर लगेगा लेकिन धीरे-धीरे बच्चा जल्दी सीख जाएगा।

बच्चे को कुछ गुनगुनाकर या फिर किसी कहानी से जोड़कर यह बता सकते हैं कि हर रोज दांतों को साफ करना बहुत जरूरी है। बच्चों के लिए शुरू में यह काम आलस वाला जरूर लगता है। मगर वो बस एक बार भी यह समझ जायें कि दांत न होने से कुछ भी नहीं खाया जा सकता तो दिन में दो बार दांत साफ करने की आदत वो अपने आप ही पक्की कर डालेंगे।